Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

स्वस्ति सिद्धिः श्रीः

धातुकामधेनुः

मद्रेशोभितपञ्चनेलवपुरेसद्राजलक्ष्म्याश्रिते ।
श्रीमच्छ्रीरणजीतसिंहनृपतीराजाधिराजोभवत् ।
तेनाहूत्यसभान्वितःसुरपुराधीशेनवागीशवत् ।
धीरश्रीमधुसूदनोबुधवरान्स्तुष्टनेदंकृतम् ।
जी॰ जिष्णुःकाणोयुका । तःस्वदेशोथतानारीतिकोषात्
रणजीतइति ।

संस्कृतविद्यार्थीयोंकेसुखबोधार्थ

श्रीमान्नवलागोस्वामिसारस्वतपंडितराधाकृष्णजीकाकृत

सं॰ १९२५ तथा सन् १८६८ ई॰

लाहौर ।

मित्रविलासयन्त्रालयमें
पंडितमुकुन्दरामयन्त्राध्यक्षके अधिकारसे मुद्रांकितकीया

इसपुस्तककीरजष्टरीहुईहै
इसकारणकोईऔरइसकोनछापे

पुस्तकमति ॥)
पहिलीवार ६५०

PRATAP SINGH MUSEUM SRINAGAR

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

स्वस्ति सिद्धिः श्रीः

धातुकामधेनुः

मद्रेशोभितपञ्चनेलवणे सद्राजलक्ष्याश्रिते ।
श्रीमच्छ्रीरणजीतसिंहनृपतीराजाधिराजोऽभवत् ।
तेनाहृत्य समाश्रितः सुरगुराधीशेन वागीशवत् ।
धीरश्रीमधुसूदनो बुधवरास्तन्तुष्टुनेदं कृतम् ।
जी· जिष्णुः कारणेषूक्ता । तः सुवेशोथनानारीतिकोषात्
रणजीतइति ।

संस्कृतविद्यार्थीयोंकेसुखबोधार्थ

श्रीमान्नवलागोस्वामिसारस्वतपंडितराधाकृष्णजीकाकृत

सं· १९२५ तथा सन् १८६८ ई·

लाहौर ।

मित्रविलासयन्त्रालयमें

पंडितमुकुन्दरामयन्त्राध्यक्षके अधिकारसे मुद्रांकितकीया

इसपुस्तककीरजष्टरीहुई है
इसकारणकोई औरइसकोनछापे

पुस्तकमति ॥।)　　　　पहिलीवार ६५०

PRATAP SINGH MUSEUM SRINAGAR

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

Price 7/2/-. 6369.

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

श्रीःस्वस्तिमाहि

श्रीरामंजनकात्मजाऽनुजगणैस्संसेव्यमानंमु
दा वन्देहंहनुमन्महाकपिवरंदासार्थदंतत्कम् वा
ग्देवींगणनायकंचजगतामीशंभवानीश्वरं राधाकृ
ष्णौसमालयकल्पनवलानारायणीयान्वये १ येषां
वाक्यवराब्दशास्त्रविषयोज्ञानोविनाभ्यासतो येषां
पादकृपेक्षयास्यमननात्काव्यप्रवोज्ञायते येषां
योगिजनैरिवाद्भुतमभून्निर्याणकेस्वेच्छया तेषांश्री
व्रजराजनामकगुरूणांपादयुग्मंभजे २ नाम्नाम
हलवटालियामतमसःस्थानेधनाढ्याग्रणी येस्या
सन्गणीनोन्पागिरिभवाःसर्वैपिसिद्धाधिपाः त
ज्ज्ञामेजननीयदीयजननाद्दुर्गतिर्विहायाहंगता तेद्वे
हेपुनात्रमेपितृगृहेतस्यैजनन्यैनमः ३ यन्नवैन
गितंमयालवपुरेधाम्ब्धेयोर्वेणनतस्मादप्यधिकं

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

विलोक्यबङ्गशोणग्रन्थानेभ्यस्तथा वर्णानांगणैः क्रमात्
लिखितेनाकारान्तः पूर्ववत् ग्रन्थेमित्रविलासनामकव
रेसम्मुद्रितन्नत्तुनः ४ भ्वाद्यदादीजुहोत्यादिर्दिवादिः
स्वादिरेवच तुदादिश्चरुधादिश्चतनक्र्यादिचुरादयः ५
शप्शपोलुक्श्लुःश्यन्श्नुःशःश्नमुःश्नाणिजेवदि
गणानांदशकेसंनिक्रमतःसार्वधातुके ६ णिच्·स
न्·यङ्·यङोलुक्·क्यच्·नामधातु·पदादिभिः भाव
कर्म·कर्तृकर्म·लकारार्थैर्द्विकप्रक्रियाः ७ गणश्चाद्य
न्तोऽनेट्सुदात्तत्वमुकारतः अकारेणानुदात्तत्वंसहि
नत्वंसकारतः ८ उदन्यदेनोदात्तेत्त्वमनुदात्तेत्त्वम[1]
नपदात् स्वरितेत्त्वंस्वरञ्जोभयपदाद्यन्तान्तःपदम् ९
कस्य[2]द्वैमौकपदत्वकेत्वादिकंत्वकंपदात् आद्यवर्णा
नुरोधेनसर्वंसंकेतवर्णनम् १० निगमवक्रपथोनि
धिपाःगानहिमवत्तिघुधान्वदेवताः विकलस
श्वपदलिमदत्ततांलिजगणैः तमयंतसमाधवः

(१) परस्मैपदमात्मनेपदमुभयपदंचेतित्रयम्
(२) कविकल्पद्रुमःशब्दकल्पद्रुमश्च

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

अथ धातुपाठप्रकाशः

अंश॰ विभागे॰ क॰चु॰ अंशयति
अंस॰ विभागे। अंशकारणे॰ कविकल्पद्रुमः। चु॰
अक॰ कुटिलायां गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
अकि॰ लक्षणे॰ उ॰ अइत् भ्वा॰ आ॰
अकिङ्॰ गत्यां लक्षणे च॰ क॰ कल्प॰ भ्वा॰ आ॰
अक्क॰ संस्तवने॰ चु॰ प॰ कौ॰
अग॰ कुटिलायां गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
अग॰ पदे लक्षणे च॰ चु॰ प॰
अगद॰ नीरोगे॰ चु॰ प॰ अगदयति
अग॰ चलने॰ क॰ कल्प॰ भ्वा॰ प॰
अगि॰ गतौ॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰
अघ॰ कृतौ॰ क॰ कल्प॰
अघ॰ शीघ्रायां गतौ॰ भ्वा॰ प॰
अघ॰ शीघ्रायां गतौ॰ चु॰

अघि॰ गत्याक्षेपे॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰
अङ्क॰ पदे॰ लक्षणे च॰ चु॰ प॰
अङ्ग॰ चिह्ने॰ चु॰ प॰
अच॰ गतिपूजनयोः॰ भ्वा॰ प॰
अचि॰ गतौ॰ भ्वा॰ प॰
अचु॰ गतिपूजनयोः॰ भ्वा॰ प॰
अज॰ गतिक्षेपणयोः॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
अजि॰ भाषार्थः॰ चु॰ प॰
अञ्जि॰ दीप्तौ॰ चु॰ प॰
अञ्च॰ गतिपूजनयोः। भ्वा॰ प॰
अञ्चु॰ गतिपूजनयोः॰ भ्वा॰ प॰
अञ्चु॰ गतौ॰ याचने च॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ उभ॰
अञ्चु॰ विशेषणे॰ चु॰ प॰
अञ्जू॰ उत्सर्गे॰ रु॰ प॰
अञ्जू॰ व्यक्तिम्लक्षणकान्तिगतिषु॰ उ॰ उइत्॰ रु॰ प॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

अट॰ गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

अटि॰ गतौ॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰

अट्ट॰ अनादरे॰ चु॰ प॰

अट्ट॰ अतिक्रमणहिंसनयोः॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰

अट्ट॰ अतिक्रमेबंधनेच॰ क॰ कल्प॰

अठ॰ उद्यमे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

अड॰ अनुव्याप्तौ॰ भ्वा॰ प॰ क॰ कल्प॰

अडि॰ व्याप्तौ॰ चु॰ प॰

अड्ड॰ अभियोगे॰ अभियोगः समाधानम्॰ भ्वा॰ प॰

अण॰ शब्दे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

अण॰ प्राणने॰ अ॰ अइत्॰ दि॰ आ॰

अत॰ सातत्यगमने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

अतन्॰ बंधने॰ कवि कल्प॰

अति॰ बंधने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

अन्त॰ अस्वीभावानादरयोः॰ कवि कल्प॰ चु॰ प॰

अन्तप्॰ अतिक्रमबंधनयोः॰

अनट्ड्॰ अतिक्रमेवधेच॰

अद॰ भक्षणे॰ अ॰ उइत्॰ अ॰ प॰

अद॰ अतिक्रमवधयोः॰ कवि कल्प॰

अद॰ अभियोगे॰ क॰ कल्प॰

अदि॰ बंधने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

अड्ड॰ अभियोगे॰ कवि कल्प॰

अन॰ प्राणने॰ उ॰ उइत्॰ अ॰ प॰

अनु॰ गतिकूजनयोः॰ म्लिष्टोक्तौ च॰ क॰ कल्प॰

अनोरुध॰ कामे॰ अ॰ अइत्॰ दि॰ आ॰

अन्च॰ व्यक्तौ॰ कवि कल्प॰

अन्ज्॰ व्यक्तौ॰ गतौ॰ म्रक्षणेच॰ कवि कल्प॰

अन्दोल॰ दोलने॰ चु॰ प॰

अन्थ॰ उपसंहारे॰ चु॰ प॰

अन्थ॰ दृष्ट्युपघाते॰ चु॰ उभ॰

अबि॰ शब्दे॰ भ्वा॰ आ॰ अम्बते

अभि॰ शब्दे॰ भ्वा॰ प॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

अभ्र॰ गमने भक्षणे च॰ भ्वा॰ प॰

अम॰ गत्यादिषु॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰

अम॰ रोगे॰ चु॰ प॰

अमक्॰ रोगे॰ कवि कल्प॰

अम्ब॰ गतौ॰

अम्बर्॰ संभरणे॰

अम्ब॰ गमने॰ भ्वा॰ प॰ कवि कल्प

अय॰ गतौ॰ उ॰ अइन्॰ भ्वा॰ आ॰

अय॰ कृपायां गतौ॰ उ॰ अइन्॰ भ्वा॰ आ॰

अर्र्॰ आराच्छेदने॰ कवि कल्प॰

अर्क॰ संतापे तपने च॰ चु॰ प॰

अर्च॰ हिंसायां॰ चु॰ प॰ भ्वा॰ प॰

अर्च॰ गतौ॰ कवि कल्प॰

अर्च्च॰ पूजायां॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰

अर्च्च॰ पूजायाम्॰ चु॰ प॰

अर्ज्ज॰ प्रतियत्ने॰ चु॰

अर्ज्ज॰ अर्ज्जने॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰

अर्थ॰ उपयाच्ञायाम्॰ चु॰

अर्द्द॰ हिंसायां॰ चु॰

अर्द्द॰ गतौ याचने च॰ भ्वा॰ प॰

अर्व॰ हिंसायां॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰

अर्व॰ गतौ॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰

अर्व्वन्॰ वधे॰ कवि कल्प॰

अर्ह॰ पूजायाम्॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰

अल॰ भूषणपर्य्याप्तिवारणेषु॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰

अव॰ रक्षण॰ गति॰ कान्ति॰ स्पृहा॰ प्रीति॰ तृप्ति॰ श्रुति॰ शोभा॰ स्तुति॰ आकारण॰ प्राप्ति॰ श्लेष॰ आलिङ्गन॰ प्रार्थना॰ याञ्चा॰ वेश॰ प्रवेश॰ भाव॰ संताप॰ वृद्धि॰ ग्रह॰ दान॰ आदान॰ वध॰ सामर्थ्य॰ अवगम॰ कृति॰ करण॰ काम॰ इच्छा॰ उत्पादनेषु॰ इति कविकल्पद्रुम टीकायाम्॥

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

अव॰ रक्षणकांतिगतिप्रीतितृप्त्य
वगमप्रवेशश्रवणस्वाम्य
र्थयाचनक्रियेच्छादीप्त्यवा
प्त्यालिंगनहिंसादानभाव
वृद्धिषु॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰
इतिपाणिनिः

अवधीर॰ धैर्ये॰ कवि कल्प॰ अ
वधीरयति

अश॰ भोजने॰ क्र्या॰ प॰

अश॰ व्याप्तिसंहत्योः॰ अशिश्य
ते अशिष्यते

अशि॰ भोजने॰ उ॰ उइन्॰ क्र्या॰ प॰

अशूङ्॰ व्याप्तौ संघाते च॰ अ॰ स्वा॰ प॰

अष॰ गतिदीप्त्यादानेषु॰ उ॰ सइन्॰ भ्वा॰ उभ॰

अस॰ गतिदानयोः॰ क्र्यादिः॰ कवि क॰

अस॰ भुवि॰ उ॰ उइन्॰ अ॰ प॰

अस॰ भावे विद्यमानतायां च॰ क्र्यादिः॰ कविक॰

अस॰ गतिदीप्त्यादानेषु॰ सइन्॰ भ्वा॰ उभ॰

असु॰ उपतापे॰ दि॰ प॰

असु॰ क्षेपणे॰ उ॰ उइन्॰ दि॰ प॰

असूञ्॰ उपतापे॰ चु॰ उभ॰

अह॰ व्याप्तौ॰ छंदसि॰ उ॰ उइन्॰ स्वा॰ प॰

अहि॰ भाषार्थः चु॰ प॰

अहि॰ गतौ॰ उइन्। भ्वा॰ आ।

अहिक॰ भासे॰ दीप्तौ॰ कविक॰

अत॰ व्याप्तौ॰ भ्वा॰ प॰

अतन्॰ व्याप्तौ॰ संहतौ च॰ कविक॰

अत्ल्॰ व्याप्तौ॰ संहतौ च॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰

आङ्॰ क्रंद॰ सातत्ये॰ चु॰ प॰

आङ्॰ शासि॰ इच्छायां भ्वा॰ आ॰

आङ्॰ शास॰ इच्छायां॰ उ॰ अइन्॰ अ॰ आ॰

आङ्॰ षद्॰ पद्यर्थे॰ चु॰ प॰

आञ्छि॰ आयामे॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰

आन्दोल॰ दोलने॰ चु॰ प॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

आप्यायी॰ वृद्धौ॰ उ। अइत्॰ भ्वा॰ आ॰

आप्लृ॰ व्याप्तौ॰ स्वा॰ प॰

आलृ॰ अलंबने॰ चु॰ प॰

आस॰ उपवेशने॰ उ॰ अइत्॰ अ॰ आ॰

इ॰ गतौ॰ चु॰ प॰ कविक॰

इक॰ स्मरणे॰ अ॰ अ॰ प॰ अधिपूर्वः

इख॰ गतौ॰ उ॰ उइत्। भ्वा॰ प॰

इखि॰ गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प

इग॰ गतौ॰ भ्वा॰ प॰

इगी॰ गतौ॰ उ। उइत्॰ भ्वा॰ प॰

इङ्॰ अध्ययने। अ॰ अ॰ आ॰

इज॰ गतिकुत्सनयोः उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰

इट॰ गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

इण॰ गतौ॰ अ॰ अ॰ प॰

इन॰ शब्दे॰ दि॰ आ॰ कविक॰

इदि॰ परमैश्वर्ये॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

इनरौ॰ हिंसासंक्लेशनयोः। भ्वा॰ प॰

इन्धी॰ द्युतौ॰ भ्वा॰ प॰

इभ॰ —

इभि॰ संग्रहे। चु॰ आ॰

इरस्॰ ईर्ष्यायां॰ दि॰ प॰

इरज्। ईर्षायां॰ दि॰ आ॰

इरञ्॰ ईर्षायां॰ दि॰ आ॰

इलक॰ क्षेपे॰ भ्वा॰ उभ॰ कविक॰

इलष॰ शयने॰ गतौ च॰ कवि क॰

इल॰ स्वप्न॰ क्षेपणयोः उ॰ उइत्॰ तु॰ प॰

इल॰ क्षेपे गतौ च॰ भ्वा॰ प॰

इल॰ क्षेपे गतौ च॰ चु॰ प

इल॰ प्रेरणे॰ चु॰

इला॰ विलासे॰ चु॰ प॰

इष॰ इच्छायां। उ॰ उइत्॰ तु॰ प॰

इष॰ गतौ॰ उ॰ उइत्॰ दि॰ प॰

इष॰ आभीक्ष्ण्ये॰ उ॰ उइत्॰ क्र्या॰ प॰

ई॰ गतौ॰ अ॰ प॰

ईङ्॰ गतौ॰ चु॰ आ॰ ईयते।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

ईख॰ गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
ईखि॰ गमने॰ भ्वा॰ प॰
ईज॰ गतौकुत्सनेच॰ भ्वा॰ प॰ कविक॰
ईजि॰ गतौ॰ कुत्सायांच। भ्वा॰ आ॰
ईजि॰ गतिकुत्सनयोः। दि॰ आ॰
ईजिन्॰ निंदायां। गतौच॰ भ्वा॰ उभ॰
ईजिर्॰ कुत्सायां॰ कविक॰
ईजिङ्॰ कुत्सायां॰ कवि कल्प॰
ईङ्॰ गतौ॰ अ॰ दि॰ आ॰
ईड्॰ गतौ कंपनेच॰ उ॰ अइत्॰ अ॰ आ॰
ईड्॰ स्तुतौ॰ चु॰ प॰
ईङ॰ स्तुतौ॰ अ॰। आ॰
ईति॰ वंधने॰ भ्वा॰ प॰
ईति॰ वंधने॰ दि॰ आ॰ ईन्यते॰
ईदि॰ परमैश्वर्ये। कविक॰
ईय॰ गत्याम्॰ कवि कल्प॰ ईयते
ईर॰ गतौ॰ कंपनेच॰ उ॰ अइत्॰ अ॰ आ॰
ईर॰ लेपे॰ चु॰ प॰

ईर्ष्य॰ ईर्ष्यायां॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
ईश॰ ऐश्वर्ये॰ उ॰ अइत्॰ अ॰ आ॰
ईश॰ पूतीभावे। उ। स्वइत्। दि॰ उभ॰
ईल॰ गतिकांतिआसिलेष भजन
लोदनेषु॰ क॰ क॰
ईष॰ उंछे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
ईष॰ गतिहिंसादर्शनेषु॰ उ॰ भ्वा॰ आ॰
ईषु॰ संग्रहे — ईषति
ईह॰ चेष्टायाम्॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ आ॰
ईक्ष॰ दर्शने॰ उइत्॰ भ्वा॰ आ॰
ईर्ष्य॰ ईर्षायां॰ ईर्ष्यति॰

उ॰ शब्दे॰ कवि कल्प॰ अवते
उख॰ गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
उखि॰ गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
उङ॰ शब्दे॰ कवि कल्पद्रु॰ त॰ आ॰
उवते
उच॰ समवाये॰ उ॰ उइत्॰ दि॰ प॰
उचिर्॰ समवाये मिश्रणेच॰ क॰ कल्प

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

उञ्छिप॰ उंछे॰ कवि कल्पद्रु॰

उञ्छि॰ उंछे उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰

उच्छि॰ बंधे॰ समवायेच॰

उच्छिश॰ बंधे समापनेच॰

उच्छी॰ विवासे॰ भ्वा॰ प॰ कौ॰

उच्छी॰ विवासे॰ उ॰ उइन्॰ तु॰ प॰

उच्छृदिर्॰ दीप्तिदेवनयोः॰ उ॰ अइ-
न्॰ रु॰ आ॰ उकारइन्

उज॰ त्यागे॰ कवि क॰ उजिजियति

उज॰ उत्सर्गे॰ उ॰ उइन्॰ तु॰ प॰

उझ॰ परित्यागे॰

उञ्छ॰ संग्रहे॰ भ्वा॰ प॰ उञ्छति॰

उठ॰ उपघाते॰ कवि कल्प॰

उठ॰ मुष्टिप्रहारोपघातयोः॰ भ्वा॰
प॰ ओठति

उड॰ संहतौ॰ सौत्रधातुरयं॰ इति क॰ क॰

उतृदिर्॰ हिंसानादरयोः॰ उ॰ अइन्॰
उदित्॰ रु॰ आ॰

उञ्ज॰ निक्षेपे॰ उञ्जति

उद्झ॰ त्यागे॰ कवि कल्प॰ तु॰ प॰

उद्ज॰ सरलेर्थे॰ उज्जति

उध्रस॰ उंछे॰ चु॰

उध्रस॰ उंछे॰ उ॰ उइन्॰ रु॰ प॰

उध्रसक॰ उत्क्षेपे॰ उंछेच॰ कवि क॰

उन॰ शुनौ॰ कवि कल्प॰ उनति

उन्दी॰ क्लेदने॰ उ॰ उइन्॰ रु॰ प॰

उन्दिर्॰ निशामने॰ उ॰ सइन्॰ भ्वा॰ उभ॰

उब्ज॰ आर्जवे॰ उ॰ उइन्॰ तु॰ प॰

उभ॰ पूरणे॰ उ॰ उइन्॰ तु॰ प॰

उम्भ॰ पूरणे॰ उ॰ उइन्॰ तु॰ प॰

उय॰ वधे॰ दहनेच॰ क॰ कल्प॰ उयति

उर॰ गतौ॰ सौत्रोधातुः॰ कवि कल्प॰

उर्द॰ माने॰ क्रीडायांच॰ उ॰ अइन्॰ भ्वा॰ आ॰

उर्द॰ स्वादे॰ कवि कल्प॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

उर्वी॰ हिंसायाम्·क·कस्य·उर्वति
उर्वी॰ प्रहारे·उर्वति·कविकल्प·
उल॰ दाहे·सौत्रोधातुः·उलति
उष॰ दाहे·उ·उइत्·भ्वा·प·
उष॰ वधे॰ कविकल्प·उषति
उक्षु॰ प्रहारे·हिंसायांच·ओषति
उहिर॰ अर्द्दने·वधेच उ·उइत्·भ्वा·प
उन्द॰ सेचने·उ·उइत्·भ्वा·प·

ऊई॰ सेवने·क·कस्य·ऊयते
ऊठ॰ उपघाते·उ·उइत्·भ्वा·प·
ऊन॰ परिहाणे·चु·
ऊयिङ्॰ सेवने·तन्तुसन्तानेच·कविक·
ऊयी॰ तन्तुवायकर्मणि·ऊयति
ऊह॰ वितर्के उइत्·भ्वा·आ·

ऋ॰ गतौ·प्रापणेच·ऋा·प·
ऋ॰ गति चालये·उ·उइत्·भ्वा·प·

ऋ॰ गतौ·जु·प·
ऋ॰ गतिदानयोः।उ·अइत्·भ्वा·आ·
ऋ॰ गतिप्रापणयोः उ·अ·प·
ऋच॰ स्तुत्यांस्तुतौच·उ·उइत्·तु·प
ऋछ॰ गतौ·मोहेच·भ्वा·प·कवि
ऋञ्छ॰ गत्यां·कविक·भ्वा·प·
ऋछ॰ गतीन्द्रियप्रलयमूर्त्तिभावेषु
ऋज॰ गतिस्थानार्जनोपार्जनेषु·
उ। अइत् भ्वा·आ·
ऋजि॰ भर्जने॰उ·अइत्·भ्वा·आ·
ऋणु॰ गतौ·उ·स्वइत्·तु·उभ·
ऋत॰ गतिस्पर्धेयार्येघृणासु·
कविकल्प·
ऋत॰ गतौवैषम्येच·क·कल्प·
ऋधु॰ वृद्धौ·उ·उइत्·दि·प· ऋनति
ऋधु॰ वृद्धौ·उ·उइत्·स्वा·प·
ऋप॰ हिंसायां·तु·प·
ऋफ॰ हिंसायां·उ·उइत्·तु·प·

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

ऋफ॰ हिंसायां·उ·उइत्·तु·प·
ऋय॰ गतौ·ऋयति·क·कल्प·
ऋश॰ गतिस्तुत्योः॰सौत्रोऽयंधातुः·क·कल्प·
ऋष॰ ग्रहणे·ऋषति
ऋषि॰ गतौ·उ·उइत्·तु·प·
ऋह॰ नरस्यबधे·कविकल्प·
ऋह॰ हिंसायां·ऋह्णोति

ॠ॰ गतिदानयोः·उ·उइत्·तु·प·
ॠणि॰ गत्यां·कविकल्प·ॠणोति·

एक॰ वर्चायाम्·उ·अइत्·भ्वा·आ·
एज॰ दीप्तौ·उ·अइत्·भ्वा·आ·
एज॰ कंपने·उ·उइत्·भ्वा·प·
एठ॰ विबाधायां·उ॰अइत्·भ्वा·आ·
एध॰ वृद्धौ·उ·अइत्·भ्वा·आ·
एष॰ गमने·कविकल्प·एषते·
एट्ठ्॰ गतौ·भ्वा·आ·कविकल्प·

ओखृ॰ शोषणालमर्थयोः·अलम सामर्थ्यनिवारणेभुचेति कविकल्पद्रुमः·उ·उइत्·भ्वा·प·

ओज॰ बल तेजसोः·
ओज॰ बलप्राणनयोः·भ्वा·प·
ओण॰ अपनयने·उ·उइत्·भ्वा·प·
ओविजी॰ भयसंचलनयोः·उ·अइत्·तु·आ·
ओविजी॰ भयसंचलयोः·उ·उइत्·रु·प·
ओवै॰ शोषणे·भ्वा·प·
ओव्रश्चू॰ छेदने·उ·उइत्·तु·प·
ओलजि॰ क्षेपणे·कविकल्प·
ओलजी॰ व्रीडने·तु·आ·
ओलडि॰ उत्क्षेपे·चु·ओकारोधात्ववयवइत्येकेओलण्डयति
ओलस्जी॰ व्रीडने·तु·आ·

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

ओहाक॰ त्यागे॰ अ॰ जु॰ उभ॰ जहाति

ओहाङ्॰ गतौ॰ अ॰ जु॰ आ॰

अमी ओदितः

ऊ॰ पाके॰ भ्वा॰ प॰

कक॰ लौल्ये॰ इच्छागर्व ऋजनेष्वे तिकविकल्पद्रुमः

ककि॰ गत्यर्थः॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰

कक्क॰ हासे॰ कविकल्प॰ कक्कति

कक्क॰ हसने॰ कक्कति

ककथ॰ हासे॰ क॰ कल्प॰

कक्क॰ हसने॰ कक्कति

कख॰ हसने॰ उ॰ इत्॰ भ्वा॰ प॰

कख॰ श्लाघायां॰ क॰ कल्प॰ कखते॰

कग॰ क्रियामात्रे॰ कविकल्प॰

कगे॰ संवरणे॰ उ॰ इत्॰ भ्वा॰ प॰

कच॰ रवे॰ कविकल्प॰

कच॰ बंधने॰ उ॰ इत्॰ भ्वा॰ आ॰

कचि॰ दीप्तिबंधनयोः॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ आ॰

कज॰ व्याकुलीभावे॰ भ्वा॰ आ॰

कजि॰ जन्मनि॰ सौत्रोयं धातुः

कट॰ गमने॰ कविकल्प॰ कटति

कटि॰ गमने॰ कविकल्प॰ कंटति

कटे॰ वर्षावरणयोर्ह्रस्वीच॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

कठ॰ मदनिवासयोः॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

कठ॰ कृच्छ्रजीवने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

कठि॰ शोके॰ चु॰

कठि॰ आध्याने॰ उत्कंठापूर्वकस्मरणे

कठि॰ शोके॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ आ॰

कठिङ्॰ आध्याने॰ इतिकविकल्पद्रुमः

कठी॰ आध्याने॰ इतिकविकल्प॰

कड॰ मदे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

कड॰ मदे॰ उ॰ उइत्॰ तु॰ प॰

कडि॰ भेदनरक्षणयोः॰ चु॰ प॰

कडि॰ मदे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ आ॰

कडिङ्॰ दर्पेदर्पेच॰ कविकल्प॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

कडु॰ कार्कश्ये॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰
कण॰ निमीलने॰चु॰
कण॰ गतौ॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰
कण॰ शब्दार्थः॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰
कण्ठ॰ आर्त्तस्वरे॰ ऋकारान्तः इति कविकल्पद्रुमः
कत्थ॰ श्लाघायां॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰
कत्र॰ शैथिल्ये॰चु॰प॰कत्रयति॰कत्रापयति
कथ॰ वाक्यप्रबंधे॰चु॰प॰
कद॰ वैक्लव्ये॰भ्वा॰प॰उभ॰कदने॰कदति
कद॰ वैक्लव्ये॰चु॰प॰कदयति
कदि॰ आह्वाने रोदने च॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰
कदि॰ वैक्लव्ये॰उ॰अइत्॰भ्वा॰प॰
कदड॰ कार्श्ये॰ कविक॰
कनी॰ दीप्तिकान्तिगतिषु॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰
कपु॰ चलने॰सौत्रो धातुः॰कविक॰
कपि॰ चलने॰उ॰अइत्॰भ्वा॰प॰

कमु॰ कान्तौ॰उ॰अइत्॰भ्वा॰आ॰
कमुङ्॰ स्पृहायां॰भ्वा॰आ॰
कम्ब॰ गतौ॰भ्वा॰प॰
कय॰ वधे॰भ्वा॰प॰कयति॰
कर्ब॰ गतौ॰चु॰कर्बयति॰
कर्ज॰ व्यथने॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰
कर्ण॰ निमीलने॰चु॰
कर्ण॰ भेदे कविक॰
कर्ण॰ छिद्रीकरणे॰चु॰प॰कर्णयति
कर्द॰ शैथिल्ये॰ कविक॰
कर्त्त॰ कर्त्तने चु॰प॰कर्त्तयति
कर्द॰ कुत्सिते शब्दे॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰
कर्व॰ गतौ॰दर्पे च॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰
कर्त्तल॰ शैथिल्ये॰कर्त्तयति॰कर्त्तापयति॰
कल॰ क्षेपे॰चु॰
कल॰ गतौ संख्याने च॰चु॰
कल॰ शब्दसंख्यानयोः॰उ॰अइत्॰भ्वा॰आ॰
कल॰ अशब्दे॰उ॰अइत्॰भ्वा॰आ॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

कल॰ शब्दसंख्यापनयोः॰भ्वा॰आ॰
कल्ल॰ उःखिन शब्दे॰ भ्वा॰आ॰
कल्लङ्॰। कूजने॰भ्वा॰आ॰कल्लने॰
कव॰ व्याख्याने॰भ्वा॰प॰कवते
कव॰ स्तुतौ रागेच॰भ्वा॰आ॰कवते
कवृङ्॰। स्तुतौ॰वर्णेच॰ कविक॰
कव॰ वर्णे॰ भ्वा॰आ॰
कश॰ गतिशासनयोः॰उ॰अइत्॰अ॰आ॰
कश॰ शब्दे॰भ्वा॰प॰कशति॰
कष॰ हिंसायां। वधेच॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰
कस॰ गतौ॰ ध्वंसेच॰उ॰ इइत्॰भ्वा॰प
कस॰ गति शासनयोः।उ॰अइत्॰अ॰आ॰
कसि॰ गतिशासनयोः।उ॰अइत्॰अ॰आ॰
कसिङ्॰ ध्वंसेगतौच॰ कविक॰

काचि॰ दीप्तिबंधनयोः उ॰अइत्॰भ्वा॰आ॰
काल॰ कालोपदेशे॰चु॰प॰
काश॰ उत्पत्तौ॰भ्वा॰प॰ कविक॰

कास॰ शब्दकुत्सायां॰उ॰उइत्॰भ्वा॰आ॰
कालि॰ कांतायां॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰

कि॰ ज्ञाने॰चिकेति जु॰प॰
किट॰ गतौ॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰
किट॰ त्रासे॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰
कित॰ निवास। रोगापनये च्छा संश
ये च॰उ॰भ्वा॰ प॰
किति॰ मानकर्त्तरि॰क॰ कल्प॰
किल॰ क्रीडने॰उ॰उइत्॰भ्वा॰उभ॰
किष्कि॰ हिंसायाम्॰चु॰

कीट॰ वर्णे॰चु॰
कील॰ क्रीडने॰ चैत्येच॰भ्वा॰उभ॰
कील॰ बंधने॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰

कु॰ शब्दे॰अ॰उइत्॰अ॰प॰
कुक॰ आदाने॰उ॰अइत्॰भ्वा॰आ

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

कुङ॰ शब्दे·उ·उइत्·भ्वा·आ·

कुच॰ शब्दे·उ·उइत्·भ्वा·प·

कुच॰ संकोचने·उ·उइत्·भ्वा·उभ·

कुच॰ संपर्चनकौटिल्यप्रतिष्टंभविलेखनेषु·उ·उइत्·भ्वा·प·

कुजि॰ शब्दे·कुंजति

कुज॰ स्तेयकरणे·उ·उइत्·भ्वा·प·

कुन्॰ शब्दे·कुनाति·कुनीते।

कुन्च॰ गतिकौटिल्याल्पीभावयोः उ·उइत्·भ्वा·प·

कुन्च॰ कौंछे। संकोचेचेति कविकल्पद्रुमः

कुट॰ कौटिल्ये·तु·प·

कुट॰ प्रतापने·चु·

कुटुंब॰ परिवारे·कुटुंबयते·

कुट्ट॰ प्रतापने·चु·

कुट्ट॰ छेदनभर्त्सनयोः·चु·

कुठि॰ प्रतिघाते·उ·उइत्·भ्वा·प·

कुठि॰ वृंतनालस्यवैकल्येषु·कविकल्प·

कुड॰ बाल्ये·अदनेच·उ·उइत्·तु·प·

कुडि॰ रक्षणे·चु·

कुडि॰ वैकल्ये·उ·उइत्·भ्वा·प·

कुडि॰ दाहे·उ·अइत्·भ्वा·आ·

कुडि॰ अनृतभाषणे·चु·

कुण॰ आमंत्रणे·चु·

कुण॰ उपकरणे·शब्देच·कविक तु·प·

कुण॰ आभाषणामन्त्रणयोः·क·क·

कुत्स॰ अपक्षेपणे·निंदायांच· कविकल्पद्रु·चु·

कुथ॰ पूतीभावे·उ·उइत्·दि·प·

कुथ॰ श्लेषणे·उ·उइत्·क्र्या·प·

कुथि॰ हिंसासंक्लेशनयोः·उ·उइत्·भ्वा·प·

कुद्रि॰ मिथ्याभाषणे·कुंद्रयति

कुन्थ॰ क्लेशेश्लेषेच·कविकल्प·

कुन्थ॰ संश्लेषणे·कुथ्नाति

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

कुप॰ भाषार्थः॰ दि॰प॰
कुप॰ भाषार्थः॰ चु॰
कुप॰ युक्तौ॰ कविकल्प॰
कुप॰ कोपे॰ कविकल्प॰
कुवि॰ छादने॰ चु॰
कुवि॰ छादने॰ भ्वा॰प॰
कुभि॰ पिधाने॰ चु॰प॰
कुमार॰ क्रीडायां॰ चु॰प॰
कुमार॰ क्रीडायां॰ भ्वा॰प॰
कुर॰ शब्दे॰ उ॰उदृत्॰तु॰उभ॰
कुर्द॰ क्रीडायामेव॰ उ॰अदृत्॰भ्वा॰ आ॰
कुल॰ क्रोधे॰। भ्वा॰प॰
[illegible] कविक॰
कुल॰ शब्दे॰ कविक॰
कुल॰ संस्त्याने॰ संहतौ बंधुषु ग तौ च॰ चु॰आ॰
कुष॰ निष्कर्षे॰ कविक॰
कुश॰ क्रोधे॰ उ॰उदृत्॰ दि॰प॰
कुशि॰ शब्दोपकरणयोः॰ उ॰उदृत् तु॰उभ॰

कुशि॰ भाषार्थः॰ चु॰प॰
कुशिर्॰ आलिंगने कविक॰
कुशिर्॰ आर्त्तस्वरे कविक॰
कुष॰ निष्कर्षे॰ उ॰उदृत्॰ क्र्या॰प॰
कुस॰ संश्लेषणे॰ दि॰प॰
कुसि॰ भाषार्थः॰ चु॰
कुसिर्॰ श्लेषे॰ भ्वा॰प॰
कुसिर्॰ आलिंगने॰ दि॰प॰
कुस्म॰ कदर्शनहृष्टिकारणईषत् हासेषु
कुस्म॰ गंधे॰ चु॰प॰ कविक॰
कुह॰ विस्मापने॰ चु॰प॰

कूं॰ आर्त्तस्वरे॰ कविक॰
कूङ्॰ शब्दे॰ भ्वा॰ आ॰
कूङ्॰ शब्दे॰ दि॰प॰
कूज॰ अव्यक्ते शब्दे॰ उ॰उदृत्॰ भ्वा॰प॰
कूट॰ अप्रदाने॰ अवसादे इत्येके॰ चु॰प॰
कूठ॰ परितापे॰ परिदाह इत्येके॰ चु॰प॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

कृड्· घनीभावे·
कृण· संकोचे· तु·प·
कृप· दौर्बल्ये· तु·प·
कृर्द· क्रीडायां· तु·प·
कृल· आवरणे· उ·उइत्· भ्वा·प·
कृड· घनत्वे· उ·उइत्· त·प·
कृन्· हिंसायां· स्व·सा·उभ·
कृञ्· हिंसायां· उ·क्र्या·उभ·
कृती· संवेष्टने· उ·उइत्· रु·प·
कृती· छेदने· उ· त· प·
कृप· कल्पने·
कृप· दौर्बल्ये· तु·उभ·
कृप· कृपायां गतौ च· भ्वा·प·
कृप· गतौ· चित्रे· कल्पने च·
कृपू· सामर्थ्ये· कल्पने· दि· आ·
कृपि· कल्पने· तु·प·
कृश· विचारे·
कृवि· हिंसाकरणयोः। उ·उइत्· भ्वा·प·

कृश· तनूकरणे कार्श्ये· उ·उइत्· भ्वा·प·
कृष· विलेखने· अ·अइत्· त·उभ·
कृष· विलेखने· अ·उइत्· भ्वा·प·
कृष्ण· बंधे· कविक·
कृष्णाद्· कृतौ· कविक·

कॄ· विक्षेपे· उ। त·प·
कॄ· हिंसायां। उ· क्र्या· प·
कॄड्·। विज्ञाने· कविक·
कॄत· प्रशंसायां। कीर्तयति
कॄत· संशब्दने· तु·प· कविक·

केत· आमंत्रणे· तु·
केपृ· कंपने· गतिचालनयोरित्येके चित्· क· उ· अइत्· भ्वा·प·
केवृ· वर्णे· सेवने च· उ· अइत्· भ्वा·आ·
केलृ· कंपनगमनयोः· केलति

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

केल॰ चलने॰उ॰उइन्॰भ्वा॰प॰
केल॰ चारणगतौ॰ कविक॰
कै॰ शब्दे॰अ॰भ्वा॰प॰

क्रथ॰ प्रतिहर्षे॰ कविकल्प॰
क्रथ॰ हिंसायाम्॰ उ॰उइन्॰भ्वा॰प॰
क्रद॰ सातत्ये॰ चु॰प॰
क्रदि॰ रोदने॰ कविकल्प॰
क्रदि॰ वैक्लव्ये॰उ॰अइन्॰भ्वा॰आ॰
क्रन्द॰ आह्वाने॰रोदनेच॰ क्रन्दते॰
क्रन्द॰ शब्दसातत्ये॰ कविकल्प॰
क्रप॰ कृपायांगतौच॰भ्वा॰प॰
क्रम॰ गतौ॰ कविकल्प॰
क्रम॰ वधे॰कृ॰ क्रमयति क्रमति
क्रमु॰ पादविक्षेपे॰उ॰उइन्॰भ्वा॰प॰
क्रसु॰ कौटिल्ये॰ कविकल्प॰
क्रसु॰ दीप्तौ॰ कविकल्प॰

क्रीड॰ विहारेखेलनेच॰उ॰उइन्॰भ्वा॰प॰
क्रीड॰ द्रव्यपरिवर्जने॰ कविकल्प॰

क्रुड॰ शब्दे॰उ॰नु॰प॰
क्रुन्च॰ गतिकौटिल्याल्पीभावयोः उ॰उइन्॰भ्वा॰प॰
क्रुड॰ निमज्जने॰उ॰उइन्॰नु॰प॰
क्रुथ॰ संयोगेसंश्लेषणेच॰ क्रुथ्नाति
क्रुध॰ कोपे॰अ॰उइन्॰दि॰प॰
क्रुश॰ आह्वाने॰रोदनेच॰उ॰उइन्॰भ्वा॰प॰
क्रुसु॰ हरणदीप्त्योः॰उ॰उइन्॰दि॰प॰
क्रुस्य॰ श्लेषेक्लेशेच
क्रू॰ कृतौ॰ क॰कल्प॰
क्रूञ्॰ शब्दे॰उ॰क्र्या॰उभ॰
क्रेड॰ संहतिसंहतौः मज्जे॰क॰कल्प॰ क्रेडति॰
क्रेट॰ सेवने॰भ्वा॰प॰

क्रथ॰ वधे॰ कविकल्प॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

क्लदि॰ वैक्लव्ये॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰

क्लदि॰ आह्वाने रोदने च॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

क्लप॰ व्यक्तायां वाचि॰ चु॰ प॰

क्लम॰ ग्लानौ॰ कविक॰

क्लमु॰ परिश्रमे॰ क्लाम्यति

क्लव॰ भये॰ कवि॰ क्लवते

क्लसु॰ ग्लानौ॰ उ॰ उइत्॰ दि॰ प॰

क्लिद॰ आर्द्रीभावे॰ उ॰ उइत्॰ दि॰ प॰

क्लिदि॰ परिदेवने॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰

क्लिदि॰ परिवेदने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

क्लिश॰ उपतापे॰ उ॰ अइत्॰ दि॰ आ॰

क्लिशू॰ विबाधने॰ उ॰ उइत्॰ क्र्या॰ प॰

क्लीबृ॰ आवश्ये॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰

क्लीबृ॰ आधार्ष्ट्ये अप्रगल्भीभावे च॰ कविक॰

क्लुङ्॰ शब्दे॰ उ॰ भ्वा॰ आ॰

क्लुङ्॰ बाधने॰ भ्वा॰ आ॰

क्लेदि॰ आक्रानेरोदने च॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

क्लेश॰ अव्यक्तायां वाचि॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ आ॰

क्लेश॰ बधे उपतापे च॰ क॰ क॰

क्वण॰ शब्दे॰ भ्वा॰ आ॰ क्वणते॰

क्वथ॰ निष्पचने॰ कविक॰

क्वथे॰ क्वाथे॰ भ्वा॰ प॰ क्वथति

क्वेलृ॰ कंपनगतौ॰ क्वेलति

खक्ख॰ हासे॰ कविक॰ ति॰

खच॰ पवित्रीकरणे॰ खचयति

खच॰ संपत्तिप्रादुर्भावे॰ भूतप्रादुर्भावे च॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

खच· दुर्भावेच उ·उइत्· क्र्या·प·
खच॰ बंधने· कविक· चु
खर्ज॰ मेघे·उ·उइत्·भ्वा·प·
खजि॰ गतिवैकल्ये·उ·उइत्·भ्वा·प·
खट॰ आकांक्षायां उ·उइत्·भ्वा·प·
खट्ट॰ संवरणे·चु·प·
खड॰ भेदने चु·
खडि॰ मंथे ·उ·अइत्·भ्वा·आ·
खड्ड॰ वृत्तौ· कविक·
खद॰ स्थैर्ये· हिंसायांच·उ·उइत्·भ्वा·प·
खनु॰ अवदारणे·उ·ऊइत्·भ्वा·उभ·
खम्ब॰ गतौ·कवि·खंबति
खर्ज॰ पूजने·उ·उइत्·भ्वा·प·
खर्ज॰ व्यथायां·कविक·
खर्द॰ दंदशूके·उ·उइत्·भ्वा·प·
खर्ब॰ गतौ·क·क·खर्बति·

खर्व॰ गतौ·उ·उइत्·भ्वा·प·
खर्व॰ हिंसायां·उ·उइत्·भ्वा·प·
खर्व॰ गर्वे·कवि· खर्वति
खल॰ संचलने·उ·उइत्·भ्वा·प·
खव॰ पवित्रीकरणे· खौनाति
खव॰ भूतप्रादुर्भावे·उ·उइत्· क्र्या·प·
खष॰ हिंसायां॰उ·उइत्·भ्वा·प·
खाद॰ भक्षणे·उ·उइत्·भ्वा·प·
खिट॰ त्रासे· उइत्·भ्वा·प·
खिद॰ परिघाते·अ·उइत्·तु·प·
खिद॰ दैन्ये·अ·अइत्·रु·आ·
खिदी॰ दैन्ये·अ·अइत्·रु·आ·
खिल॰ उंछे·तु·प·
खुङ्॰ शब्दे·खुवते·
खुज॰ चौर्ये·खोजति·
खुड॰ विपाने·खुडति·खोडति·खोडयति·

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

खुड॰ स्तेये }
खुड॰ भेदे } कविकल्प॰
खुड॰ संवरणे॰ तु॰ प॰
खुड॰ ध्वनौ॰ कविकल्प॰
खुडि॰ आच्छादने॰ खुंडति॰ खुं डयति॰
खुडि॰ खंडने॰ चु॰
खुडि॰ भेदे॰ कविकल्प॰
खुद॰ छेदने॰ उ॰ उइत्॰ तु॰ प॰
खुर॰ छेदने॰ तु॰ प॰
खुर॰ कंडूयने त्वरवत्कर्त्तनेच॰ खुरति॰
खुर्द॰ क्रीडायामेव॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰
खूज॰ स्तेयकरणे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
खेट॰ भक्षणे॰ चु॰
खेलृ॰ चलने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
खेवृ॰ सेवने॰ कविकल्प॰

खेला॰ विलासे॰ चु॰ प॰ खेलायति॰
खै॰ खदने॰ अ॰ भ्वा॰ प॰
खै॰ स्थैर्यखनने च॰ कविक॰
खोट॰ उपक्षेपे॰ कविकल्प॰
खोट॰ भक्षणे॰ चु॰ प॰
खोडृ॰ गत्याघाते॰ क॰ कल्प॰
खोडृ॰ गतिप्रतिघाते॰ खोडति
खोडृ॰ खोटने॰ कविकल्प॰
खोर॰ प्रतिघाते॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
खोर्ऋ॰ खोटने॰ गतिवैकल्ये च कविकल्प॰
खोलृ॰ गतिप्रतिघाते॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
ख्या॰ प्रकथने॰ अ॰ अ॰ प॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

गग्घ॰ हसने॰ गग्घति॰
गघ॰ हसने॰ गघति
गज॰ शब्दे॰ चु॰
गज॰ शब्दार्थः॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
गज॰ मन्यने च॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
गजि॰ शब्दार्थः॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
गडु॰ सेचने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
गडि॰ वदनैकदेशे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
गण॰ संख्याने॰ चु॰
गद॰ व्यक्तायां वाचि॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
गद॰ अभ्रध्वनौ॰ कवि॰
गद॰ भावे॰ कवि॰
गदी॰ देवशब्दे॰ चु॰
गद्गद॰ वाक्स्खलने॰ चु॰
गन्ध॰ अर्दने॰ चु॰
गम्ब॰ गतौ॰ कवि॰ गम्बति॰
गम्लृ॰ गतौ॰ अ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
गर्ब॰ गतौ॰ गर्बति॰

गर्ज॰ शब्दे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
गर्ज॰ शब्दे॰ तु॰
गर्ज्ज॰ शब्दार्थः॰ चु॰
गर्द॰ शब्दे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
गर्द॰ शब्दे॰ चु॰
गर्द्ध॰ लिप्सायां॰ कवि॰
गर्द्ध॰ अभिकांक्षायाम्॰ चु॰
गर्व॰ दर्पे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
गर्व॰ माने॰ चु॰
गर्व॰ गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
गर्ह॰ कुत्सायां॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
गर्ह॰ निंदने॰ चुरादि॰
गल॰ स्रवणे॰ चु॰
गल॰ अदने स्रावे च॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
गल्भ॰ धार्ष्ट्ये॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰
गह्व॰ गह्वनस्थाने॰ चु॰ प॰
गल्ह॰ कुत्सायां॰ भ्वा॰ आ॰

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

गा॰ स्तुतौ॰ अ॰ जु॰ प॰
गाङ्॰ गतौ॰ कविक॰
गाङ्॰ स्तुतौ॰ उ॰ भ्वा॰ आ॰
गाधृ॰ प्रतिष्ठालिप्सायां॰ ग्रंथे
च॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰

गाजं॰ शैथिल्ये॰ कविक॰
गाहू॰ विलोडने॰ कविक॰
गाहू॰ विलोडने॰ भ्वा॰ आ॰
गाहॢ॰ विलोडने॰ भ्वा॰ आ॰

गु॰ पुरीषोत्सर्गे॰ अ॰ तु॰ प॰ आ
गुङ्॰ अव्यक्ते शब्दे॰ उइत्॰ भ्वा॰
गुज॰ शब्दे ध्वनौ च॰ उ॰ उइत्॰ तु॰ प॰
गुजि॰ अव्यक्ते शब्दे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
गुटि॰ वेष्टने॰ कविक॰
गुठि॰ वेष्टने॰ चु॰ प॰
गुड॰ ध्वनौ॰ कविक॰

गुड॰ रक्षायां उ॰ उइत्॰ तु॰ प॰
गुडि॰ वेष्टने॰ चु॰ प॰
गुडि॰ वेष्टने॰ रक्षणे चूर्णीकर
णे च॰ कविक॰

गुरी॰ उद्यमने॰ उ॰ उइत्॰ तु॰ प॰
गुण॰ आमंत्रणे॰ चु॰
गुद॰ क्रीडायामेव॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰
गुद॰ रोषे॰ कवि॰
गुजु॰ लेखे॰ कविक॰
गुद्रि॰ मिथ्योक्तौ॰ चु॰ प॰ गुंद्रय
ति॰ कविक॰

गुध॰ क्रीडायां॰ भ्वा॰ आ॰ गोधते॰
गुध॰ रोषे॰ उ॰ उइत्॰ क्र्या॰ प॰
गुध॰ परिवेष्टने॰ उ॰ उइत्॰ तु॰ प॰
गुध॰ परिवेष्टने॰ दि॰ प॰
गुधू॰ क्रीडायां॰ कविक॰
गुपू॰ गोपने॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰
गुपु॰ व्याकुलत्वे॰ उ॰ उइत्॰ दि॰ प॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

गुप० भाषार्थे · चु ·
गुपि० व्याकुलीभावे · कविक ·
गुपि० निंदायां · भ्वा · प ·
गुपू० रक्षणे · उ · उइत् · भ्वा · प ·
गुफ० ग्रंथे · उ · उइत् · तु · प ·
गुंफ० ग्रंथे · उ · उइत् · तु · प ·
गुरी० उद्यमे · उ · उइत् · भ्वा · प ·
गुरी० हिंसागत्योः · उ · अइत् ·
गुर्द० क्रीडायामेव · दि · आ ·
उ · अइत् · भ्वा · आ ·
गुर्द० ऊर्ध्वनिकेतने कूर्दने च
गुर्द० निकेतने · चु · प · कवि ·
गुर्वी० चेष्टोद्योगयोः · भ्वा · प ·
गुर्वी० उद्यमे · भ्वा · प · गुर्वति
गुरु० संहतौ · कविक ·
गुहू० संवरणे · उ · स्वइत् · भ्वा · उभ ·
गू० विट्स्जौ · कविक ·

गू० मलत्यागे · गुवति · भ्वा · प ·
गृम्० सेके · कविक ·
गृज० ध्वनौ · कविक ·
गृजि० ध्वनौ · कविक ·
गृ० उद्यमने · चु · उभ ·
गृरी० वधे गत्यां च · कविक ·
गूर्द० क्रीडायां · गूर्दने · गूर्दयति
गूर्द० निकेतने · कूर्दने च · कविक ·
गृहू० ग्रहणे · उ · उइत् · भ्वा · आ ·
गृ० सेचने · उ · अइत् · भ्वा · प ·
गृ० विज्ञाने · चु · उभ ·
गृ० निगरणे · उ · तु · प ·
गृजि० शब्दार्थः · उ · उइत् · भ्वा · प ·
गृपि० उपलिप्सायां · कविक ·
गृधु० अभिकांक्षायां · उ · उइत्
गृहू० निंदायाम् · भ्वा · आ · दि · प ·
गृहू० ग्रहणे · चु · प ·
गृ० निगरणे · कविकल्प ·

6369.

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

गॄ॰ शब्दे॰ क्र्या॰ प॰
गॄ॰ विज्ञापने विज्ञाने च॰ कल्प
गेपृ॰ कंपने॰ गतौ च॰ भ्वा॰ प॰
गेवृ॰ सेवने॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰
गेवृ॰ अन्वेषणे॰ कवि॰
गेष्टृ॰ अन्विच्छायाम् उइत्॰ भ्वा॰ आ॰
गै॰ गाने॰ कविकल्प॰
गै॰ शब्दे॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ प॰
गोम॰ उपलेपने॰ चु॰
गोष्टृ॰ संघाते॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰
गोष्टृ॰ संघाते॰ कविक॰
ग्रचु॰ स्तेयकरणे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
ग्रथि॰ कौटिल्ये॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰
ग्रन्थ॰ संदर्भे॰ ग्रंथने च॰ उ॰ उइत्॰ क्र्या॰ प॰
ग्रन्थ॰ बंधने॰ चु॰

ग्रस॰ ग्रासे॰ चु॰
ग्रसु॰ अदने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ आ॰
ग्रह॰ उपादाने॰ उ॰ स्वइत्॰ क्र्या॰ प॰
ग्रहृ॰ ग्रहणे॰ कविकल्प॰
ग्रहृ॰ आदाने॰ कविकल्प॰
ग्राम॰ आमंत्रणे॰ चु॰
ग्रुचि॰ स्तेयकरणे॰ भ्वा॰ प॰
ग्रै॰ पाके॰ अइत्॰ भ्वा॰ प॰
ग्लप॰ व्यक्तायां वाचि॰ चु॰
ग्लसु॰ अदने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ आ॰
ग्लहृ॰ अदने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ आ॰
ग्लहृ॰ अदने॰ ग्रहणे च॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ आ॰
ग्लुञ्॰ ग्रहणे॰ भ्वा॰ प॰ चु॰
ग्लुचु॰ स्तेयकरणे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
ग्लुंचु॰ गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
ग्लेपृ॰ दैन्ये कंपने च॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

ग्लेहृ० सेवने·उ·अइत्·भ्वा· आ·
ग्लेषृ० अन्वेषणे· कवि· कृ·
ग्लै० हर्षक्षये·उ·अइत्·भ्वा·प·

घग्घ० हसने·भ्वा·प·
घघ० हसने·उ·उइत्·भ्वा·प·
घट० संघाते·उ·उइत्·भ्वा·प·
घट० चेष्टायां·उ·स्वइत्·भ्वा· आ·
घट० संघाते·चु·उभ·
घट० भाषार्थः·घटनमेवार्थः·चु·उभ·
घटि० भाषार्थः·चु·उभ·
घट्ट० चलने·उ·अइत्·भ्वा· आ·
घट्ट० चलने·चु·
घंड० प्रकाशे·भ्वा·उभ· घंडति·घंडते·
घंख० गतौ·कविक·

घर्ब० गतौ· कविक·उ· प·
घर्व० गमने·चु·प·
घषि० हरणे·कविक·
घसि० हरणे·कविक·
घसि० अर्पणेसेवने च·घंसते
घिणि० ग्रहणे·उ·अइत्·भ्वा· आ·
घिन० ग्रहणे·कविक·
घुङ्० शब्दे·उ·भ्वा·आ·
घुङ्० ध्वनौ·कविक·
घुडि० परिवर्तने·कविक·
घुट० परिवर्तने·उ·स्वइत्·भ्वा·
घुट० प्रतिघाते·उ·उइत्·तु·प· उभ·
घुरि० भाषार्थः·चु·उभ·
घुण० भ्रमणे·उ·उइत्·भ्वा·आ·
घुण० भ्रमणे·उ·अइत्·तु·प·
घुणि० ग्रहणे·उ·अइत्·भ्वा· आ·
घुर० भीमार्थशब्दयोः· उ·उइत्·तु·प·

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

घुषि॰ कान्तिकरणे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ आ॰
घुषिर्॰ अविशब्दार्थः॰
उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ आ॰
घुषिर्॰ विशब्दने॰ चु॰

घृणि॰ ग्रहणे॰ कविक॰
घूर्ण॰ भ्रमणे॰ उ॰ उइत्॰ तु॰ प॰
घूर्ण॰ भ्रमणे॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰
घूरी॰ हिंसायांवयोहानौच॰ दि॰ आ॰
घूरी॰ संतापे॰ दि॰
आ॰ घूर्यते॰
घृ॰ शोके॰ कविक॰
घृ॰ सेचने॰ अ॰ भ्वा॰ प॰
घृ॰ प्रस्रवणे॰ चु॰
घृ॰ क्षरणदीप्त्योः॰ अ॰ जु॰ प॰
घृणि॰ ग्रहणे॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰
घृण॰ दीप्तौ॰ कविक॰
घृणु॰ दीप्तौ॰ उ॰ उइत्॰ तु॰ उभ॰

घृमि॰ क्षरणदीप्त्योः॰ जु॰ प॰
घृष॰ संहर्षे॰ अइत्॰ भ्वा॰ प॰
घृष॰ संहर्षे घर्षेच॰ कविक॰
घृषु॰ संघर्षणपेषणयोः॰ भ्वा॰ प॰
घोर॰ अश्ववद्गत्यां॰ भ्वा॰ प॰

ङु॰ ङु॰ शब्दे ध्वनौच॰ उ॰ भ्वा॰ आ॰

चक॰ तृप्तौप्रतिघातेच॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰
चक॰ तृप्तौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
चकासृ॰ दीप्तौ॰ उ॰ उइत्॰ अ॰ प॰
चकी॰ भ्रान्तौ॰ कविक॰
चक्क॰ गतौ॰ कविक॰
चक्क॰ व्यथने॰ चु॰ उभ॰
चङ्क॰ गतौ॰ कविक॰
चच॰ चपेटादाने॰ चक्रोति
चच॰ चानने॰ कविक॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

चञ्चु॰ गतौ· उ· उदित्· भ्वा· प·
चट॰ भेदने· चु·
चटे॰ वर्षावरणयोः· उ· उदित् भ्वा· प·
चड॰ रोषे· कविक·
चडि॰ कोपे· उ· इदित्· भ्वा· आ·
चण॰ गतौ· हिंसे चेति· कविकल्पस्य चणयति चाणयति
चण॰ दाने· उ· उदित्· भ्वा· प·
चण॰ शाठ्ये· गतौ च· कविक·
चते॰ याचने· उ· स्वरित्· भ्वा· उ·
चद॰ याचने· कविक·
चदि॰ आह्लादने दीप्तौ च· उ· इदित्· भ्वा· प·
चदे॰ याचने· उ· स्वरित्· भ्वा· उ·
चन॰ हिंसायां· उ· उदित्· भ्वा· प·
चप॰ सान्त्वने· उ· उदित्· भ्वा· प·
चपि॰ गत्यां· चु·
चमु॰ अदने· उ· उदित्· भ्वा· प·
चमु॰ भक्षणे· उ· उदित्· स्वा· प·

चम्ब॰ गमने· भ्वा· प·
चय॰ गतौ· उ· अदित्· भ्वा· आ·
चर॰ संशये· चु·
चर॰ गतौ· भक्षणेच· उदित्· भ्वा· प·
चर्ग॰ गतौ· उ· उदित्· भ्वा· प·
चर्च॰ गतौ· भ्वा· प·
चर्च॰ अध्ययने· चु·
चर्च॰ परिभाषणभर्त्सनतर्जनयोः उ· उदित्· तु· प·
चर्ब॰ परिभाषणहिंसातर्जनेषु· उ· उदित्· भ्वा· प·
चर्ब॰ गतौ· कविक·
चर्ब॰ अदने· उ· उदित्· भ्वा· प·
चल॰ विलसने· विलासे च· उ· उदित्· तु· प·
चल॰ कंपने· उ· उदित्· भ्वा· प·
चल॰ गतौ· कविक·
चल॰ भृतौ· चु·

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

चलि० कंपने·उ·उइत्·भ्वा·प·
चष० भक्षणे·उ·स्वइत्·भ्वा·उभ·
चष० हिंसायां·भ्वा·प·
चह० परिकल्पने·मित्·चु·
चह० परिकल्पने·उ·उइत्·भ्वा·प·
चह० परिकल्पने·चु·उभ·
चदिङ्० व्यक्तायां वाचि· अ·
अइत्·अ·आ·
चायृ० पूजानिशामनयोः·उ·
स्वइत्·भ्वा·उभ·
चिक्क० पीडायां·चु·
चिञ्० चयने·मित्·चु·
चिञ्० चित्यां·कविक·
चिञ्० चयने·अ·स्वा·उभ·
चिट० प्रेषे·कविक·
चिट० परप्रैष्ये·उ·उइत्·भ्वा·प·
चित० संचेतने·चु·
चिति० स्मृत्यां·चु·

चिती० संज्ञाने·उ·उइत्·भ्वा·प·
चित्र० अद्भुते·लेख्येक्षणिके
चित्रकरणे च·कविक·
चित्र० चित्रकर्मणि·चु·
चिरि० हिंसायां·उ·उइत्·स्वा·प·
चिरु० प्रतीभावे·उ·स्वइत्·दि·उभ·
चिल० वसने·उ·उइत्·तु·प·
चिल्ल० शैथिल्ये भावकरणे
च·उ·उइत्·भ्वा·प·
चिह्न० अंकने·सौत्रः·चु·प·
चीक० मर्षणे·चु·प·
चीभृ० विस्मारणे·भ्वा·आ·
चीभृ० प्रशंसायां·कविक·
चीवृ० ग्रहणावर्षणयोः·
भ्वा·उभ·
चीर० प्रशंसायां·कविक·
चीवृ० ग्रहणेसंहृतौच·कवि·
चीव० प्रकाशालापयोः·चु·प·

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

चीक॰ भाषार्थः॰ चु॰प॰
चीक॰ दीप्तौ॰ भ्वा॰आ॰ आ॰
चीहृ॰ कथने॰ उ॰अ३त॰भ्वा॰
चीवृ॰ आदानसंवरणयोः॰
उ॰उ३त॰भ्वा॰उभ॰
चुक्क॰ व्यथने॰ चु॰प॰
चुक्कृ॰ दंडनिपातने॰ चु॰प॰
चुगि॰ वर्जने॰ उ॰उ३त॰भ्वा॰प॰
चुच्य॰ अभिषेके॰
चुच्य॰ अभिषवे॰ तु॰प॰
चुच्यी॰ विंडनिपानेस्नानेच॰
चोच्यति॰
चुट॰ संवरणे॰ भ्वा॰प॰
चुट॰ छेदने॰ चु॰
चुटि॰ अल्पीभावे॰ भ्वा॰प॰
चुटि॰ छेदने॰ कविक॰
चुटो॰ भुंजने॰ कविक॰ प॰
चुड॰ गंधे॰ अल्पीभावेच॰ चु॰

चुट्ट॰ छले॰ कविक॰
चुड॰ संवरणे॰ उ॰उ३त॰ तु॰प॰
चुडि॰ अल्पीभावे॰ छलेच॰
उ॰उ३त॰ भ्वा॰प॰
चुडि॰ छेदे॰ कविक॰ कवि॰
चुड्ड॰ छले॰ अल्पीभावेच॰
चुड्ड॰ भावकरणे॰ उ॰उ३त॰
भ्वा॰प॰
चुड्ड॰ हृष्यायोतने॰ चुड्डति॰
चुति॰र॰ क्षरणे॰ कविक॰
चुद॰ संचोदने॰ चोदनं॰ प्रे
रणं॰ चु॰
चुदि॰ क्षरे॰
चुण॰ विभागे॰ चिन्हनेच॰ चु
चुप॰ भावकरणे णति॰
उ॰उ३त॰ भ्वा॰प॰
चुप॰ मंदगतौ॰ चोपति॰
चुबि॰ वक्रसंयोगे॰ भ्वा॰प॰
चुबि॰ हिंसायां॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

चुबी० चुम्बने० कवि०
चुर० स्तेये० चु०
चुरण० चौर्ये० क० क० णकारः
किमर्थकः
चुल० समुच्छ्राये० चु०
चुलुम्प० लोले० क० क०
चुलुम्प० कर्त्तने० चुलुंपति०
चुल्ल० हावकृतौ० क० क०
चुल्ल० भावकरणे० शैथिल्ये
च० उ० उदित्० भ्वा० प०
चूण० पणबंधे० शारन० इजा
रा० चु० प०
चूरी० दाने० उ० अनिट्० दि० आ०
चूरी० दाहे० क० क०
चूर्ण० रणे० संकोचने च० चु०
चूष० पाने० उ० उदित्० भ्वा० प०
चृत० प्रज्वालने० चर्त्तति० चर्त
यति०

चृती० हिंसाग्रन्थनयोः० उ०
उदित्० तु० प०
चृत्० संदीपने० क०
चृप० संदीपने० चु०
चेल्ट० चलने० उ० उदित्० भ्वा० प०
चेल्ल० विचारे० भ्वा० प०
चेष्ट० चेष्टायां० उ० अनिट्० भ्वा० आ०
च्यु० हसने० सहने० इत्येके० चु०
च्युङ्० गतौ० उ० भ्वा० आ०
च्युङ० गत्यां० कवि० क०
च्युतिर्० आसेचने० उ० उदित्० भ्वा० प०
च्युतिर्० क्षरणे० कवि० क०
च्युस० हसने० सहने इत्येके० चु०

छद० आच्छादने० चु०
छद० अपवारणे० चु०
छद० ऊर्जने० कवि० क०
छद० संहृतौ० कवि० क०

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

छदि॰ संवरणे॰ चु॰
छदि॰ तर्जने॰ भ्वा॰ प॰
छपि॰ गमने॰ भ्वा॰ प॰
छपि॰ गमने॰ चु॰ प॰
छमु॰ अदने॰ उ॰ उदित्॰ भ्वा॰ प॰
छर्द॰ वमने॰ चु॰
छष॰ हिंसायां॰ उ॰ स्वरित्॰ भ्वा॰ उभ॰
छिदि॰ गतौ॰ कवि॰
छिदिर्॰ द्वैधीकरणे॰ अ॰ स्वरित्॰ रु॰ उभ॰
छिद्र॰ कर्णभेदने॰ चु॰
छुट॰ छेदने॰ उ॰ उदित्॰ तु॰ प॰
छुड॰ संवरणे॰ तु॰ प॰
छुड॰ पिधाने॰ भ्वा॰ प॰
छुप॰ स्पर्शे॰ अ॰ उदित्॰ तु॰ प॰
छुर॰ छेदने॰ उ॰ उदित्॰ तु॰ प॰
छुर॰ लोपे॰ कविक॰
छृद॰ उच्चक्रीडने॰ दीप्तौ॰

वमने चेति॰ कविक॰
छृदी॰ द्वैधीकरणे॰ उ॰ स्वरित्॰ रु॰ उभ॰
छृदी॰ संदीपने॰ चु॰
छृप॰ संदीपने॰ चु॰
छेद॰ द्वैधीकरणे॰ चु॰
छो॰ छेदने॰ अ॰ दि॰ प॰
छ्यु॰ गमने॰ भ्वा॰ प॰
छ्युड॰ गतौ॰ कविक॰

जज॰ युद्धे॰ कविक॰
जज॰ युद्धे॰ उ॰ उदित्॰ भ्वा॰ प॰
जजि॰ युद्धे॰ उ॰ उदित्॰ भ्वा॰ प॰
जञ्ज स॰ दुःखे॰ क॰ क॰ जञ्ज सते
जट॰ संघाते॰ उ॰ उदित्॰ भ्वा॰ प॰
जन॰ जनने॰ उ॰ उदित्॰ जु॰ प॰
जनी॰ प्रादुर्भावे॰ उ॰ उदित्॰ दि॰ आ॰
जप॰ व्यक्तायां वाचि॰ उ॰ उदित्॰ भ्वा॰ प॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

जर्च० कथने·
जर्च० उक्तौ भर्त्सने चेति· कविकल्पद्रुमः
जर्छ० भर्त्सने· वाचि चेति· कविकल्प·
जर्छ० कथनापवादयोः भ्वा· प·
जर्ज० हिंसापरिभाषणतर्जनेषु· उ· उदात्· भ्वा· प·
जर्ज० परिभाषणसंतर्जनयोः उ· उदात्· तु· प·
जर्झ० भर्त्सने· उक्तौ चेति· कविक·
जर्झ० कथनापवादयोः भ्वा· प·
जर्त्स० कलंकापवादयोः भ्वा· प·
जर्त्स० ऊर्ज० रक्षणे च· कवि·
जल० अपवारणे· चु·
जल० जीवनोपयोगिक्रियायां· कवि·

जल० घातने· उ· उदात्· भ्वा· प·
जला० वाचि० कविक·
जल्प० व्यक्तायां वाचि· उ· उदात्· भ्वा· प·
जवि० प्रकाशे· चु·
जष० हिंसायां· उ· उदात्· भ्वा· प·
जसि० रक्षणे· चु·
जसु० ताडने· चु·
जसु० हिंसायां· चु·
जसु० मोक्षणे· उ· उदात्· दि· प·
जक्ष० भक्षणहसनयोः उ· उदा· अ· प·
जाद्वि० दाने· कविक·
जागृ० निद्राक्षये· उ· उदात्· अ· प·
जि० जये· उ· उदात्· भ्वा· प·
जि० अभिभवे· भ्वा· प·
जि० भाषार्थः· चु·
जितु० भक्षणे· कविक·
जिपि० भाषार्थः चु·
जिमु० भोजने· भ्वा· प·

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

जिरि॰ रणहिंसायां॰ कविक॰	जुवी॰ वधे॰ कविक॰
जिरि॰ हिंसायां॰ जिरिणोति	जुल॰ पेषणे॰ जोलयति॰ चु॰ प॰
जिवि॰ प्रीणने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰	जुल॰ चूर्णीकरणे॰ कवि जोलयति
जिषु॰ सेचने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰	जुवि॰ भाषार्थः॰ चु॰
जीव॰ प्राणधारणे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰	जुष॰ परितर्कणे॰ चु॰
	जुष॰ तर्केदीप्तौच॰ कविक॰
जु॰ शीघ्रगमने॰ भ्वा॰ प॰	जुषी॰ प्रीतिसेवनयोः॰ उ॰ ग्रइत्॰ तु॰ आ॰
जुगि॰ वर्जने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰	
जुड॰ बंधने॰ तु॰ प॰	जूरी॰ वयोहानौ॰ कविक॰
जुड॰ प्रेरणे॰ चु॰	जूरी॰ हिंसावमोहनयोः दि॰ आ॰
जुड॰ वक्रे॰ कविक॰	जृ॰ न्यक्कारे॰ कविक॰
जुड॰ गतौबंधनेच॰ उ॰ उइत् तु॰ प॰	जृभि॰ जृंभायां॰ भ्वा॰ प॰
जुन॰ गमने॰ जुनति॰	जृभि॰ जृंभायां॰ चु॰ प॰
जुत॰ भासने॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰	जृभि॰ गात्रविनामे॰ भ्वा॰ आ॰
जुर॰ ह्रासे॰ कविक॰	जृभि॰ जृंभायां॰ जृंभते
जुरी॰ हिंसावमोहनयोः॰ उ॰ अइत्॰ दि॰ आ॰	जृभी॰ जृंभायां॰ कविक॰
	जृ॰ गतवयोभावे॰ कवि॰
जुर्व॰ हिंसायां॰ जुर्वति॰	जृवि॰ गात्रविनामे॰ उ॰ अइत् भ्वा॰ आ॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

जॄ॰ वयोहानौ॰ चु॰ जारयति
जॄ॰ वयोहानौ॰ भ्वा॰ प॰
जॄ॰ वयोहानौ॰ उ॰ क्र्या॰ प॰ जृणाति॰
जॄ॰ वयोहानौ॰ उ॰ उदित्॰ दि॰ प॰ जीर्यति
जेषृ॰ गतौ॰ उदित्॰ भ्वा॰ आ॰ जेषते
जेहृ॰ यत्ने लोभेच॰ भ्वा॰ आ॰
जै॰ क्षये॰ कविक॰ जायति॰
ज्ञै॰ क्षये॰ भ्वा॰ प॰
ज्या॰ वयोहानौ॰ उ॰ क्र्या॰ प॰
ज्युङ्॰ गतौ॰ उ॰ भ्वा॰ प॰
ज्युत॰ दीप्तौ॰ क॰ ज्योतते वेदः
ज्युतिर्॰ दीप्तौ॰ क॰ ज्योतते
ज्यो॰ नियमे॰ व्रतादेशे॰ उपनी
नौच॰ कविक॰ ज्यवते
ज्रि॰ वयोहानौ॰ भ्वा॰ प॰
ज्रि॰ अभिभवे॰ जये॰ भ्वा॰ प॰
ज्रयते शार्ङ्गबली

ज्री॰ हठनार्थो। क॰ जिनाति
ज्रयति। ज्रावयति।
ज्वर॰ रोगे॰ चु॰ ज्वरयति।
ज्वर॰ रोगे। उ॰ उदित्॰ भ्वा॰ प॰
ज्वल॰ दीप्तौ॰ उ॰ उदित्॰ भ्वा॰ प॰
ज्वल॰ चलनार्थोः॰ ज्वालयति॰
ज्वलयति॰ क॰
झट॰ संघाते॰ उ॰ उदित्॰ भ्वा॰ प॰
झटति क्लेशः पुंस्यं लग्नः स्या
दित्यर्थः
झमु॰ अदने॰ उ॰ उदित्॰ भ्वा॰ प॰
झर्च॰ परापवादे॰ भ्वा॰ प॰
झर्झ॰ उक्तौ भर्त्सनेच॰ कविक॰
झर्छ॰ परापवादे॰ भ्वा॰ प॰
झर्छ॰ उक्तौ भर्त्सनेच॰ कविक॰
झर्ज॰ परापवादे॰ भ्वा॰ प॰
झर्झ॰ परिभाषणहिंसातर्जने
षु॰ उ॰ उदित्॰ भ्वा॰ प॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

ऋर्ज॰ परिभाषण संतर्जनयोः॰ उ॰ उइत्॰ त॰ प॰

ऋष॰ हिंसायां॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

ऋष॰ आदानसंवरणयोः॰ उ॰ स्वइत्॰ भ्वा॰ उभ॰

ऋ॰ गमने॰ ऋवति॰

ॠष॰ वयोहानौ॰ कविक॰

ॠष॰ हिंसायां॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

इति ऋवर्गादयः

ॠ॰ वयोहानौ॰ उ॰ क्र्या॰ प॰

ॠष्॰ वयोहानौ॰ उ॰ उइत्॰ दि॰ प॰

लीर्कांति

ऌ॰ गतौ॰ प्लुवते॰

ऌङ्॰ गत्यां॰ कविक॰

ञिइन्धी॰ दीप्तौ॰ उ॰ अइत्॰ रु॰ आ॰

ञितृषा॰ पिपासायां॰ उ॰ उइत्॰ दि॰ प॰

ञित्वरा॰ संभ्रमे॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰

ञिधृषा॰ प्रागल्भ्ये॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

ञिफला॰ विशरणे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

ञिभी॰ भये॰ अ॰ जु॰ प॰

ञिमिदा॰ स्नेहने॰ उ॰ स्वइत्॰ भ्वा॰ उभ॰

ञिमिदा॰ स्नेहने॰ उ॰ उइत्॰ दि॰ प॰

ञिष्वप्॰ शये॰ उ॰ उइत्॰ अ॰ प॰

ञिक्ष्विदा॰ स्नेहनमोचनयोः॰ उ॰ स्वइत्॰ भ्वा॰ उभ॰

ञिष्विदा॰ गात्रप्रक्षेपे॰ अ॰ उइत्॰ दि॰ प॰

ञितृष्॰ सहने॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰

ञिक्ष्विदा॰ स्नेहनमोहनयोः॰ उ॰ उइत्॰ दि॰ प॰

ञिक्ष्विदा॰ अव्यक्तेशब्दे॰ उ॰ भ्वा॰ प॰

अत्र सर्वत्र ञिरिति ञीतानगीतिर्त्वार्थः

टकि॰ बंधने॰ चु॰ टंकयति

टल॰ वैक्लव्ये॰ विह्वलीभावे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

टिकृ॰ गत्यर्थे॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ उभ॰

टिप॰ क्षेपे॰ कवि॰ चु॰ टेपयति॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

टिप॰ प्रेरणे॰ चु॰ प॰

टीकृ॰ गत्यर्थे॰ उ॰ अइन्॰ भ्वा॰ आ॰ टीकते

टुओश्वि इत्यारभ्य टुलुशब्दे इत्यन्ताः टुलवर्ज्जाः ट्विताः

टुओश्वि॰ गतिवृद्ध्योः॰ उ॰ भ्वा॰ प॰

टुओस्फूर्जा॰ वज्रनिर्घोषे॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰

टुनदि॰ समृद्धौ॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰

टुवप॰ बीजसंताने॰ अ॰ स्इन्॰ भ्वा॰ उभ॰

टुवम॰ उद्गिरणे॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰

टुवेपृ॰ कंपने॰ उ॰ अइन्॰ भ्वा॰ आ॰

टुभ्राजृ॰ दीप्तौ॰ उ॰ अइन्॰ भ्वा॰ आ॰

टुभ्राशृ॰ दीप्तौ॰ उ॰ अइन्॰ भ्वा॰ आ॰

टुभ्लाशृ॰ दीप्तौ॰ उ॰ अइन्॰ भ्वा॰ आ॰

टुमस्जो॰ शुद्धौ॰ अ॰ उइन्॰ तु॰ प॰

टुयाचृ॰ याच्ञायां॰ उ॰ स्इन्॰ भ्वा॰ उ॰

टल॰ विक्लवे॰ चु॰

टुलु॰ शब्दे॰ उ॰ अ॰ प॰

टीकृ॰ गतौ॰ भ्वा॰ टीकते

ट्वल॰ वैक्लव्ये॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰

डप॰ संघाते॰ चु॰

डप॰ संहतौ॰ कवि॰ डापयते॰ डापयति

डपि॰ संचये॰ डुंपयति॰ ते॰

डब॰ प्रेरणे॰ क॰ डम्बयति

डबि॰ आज्ञाप्रेषणयोः॰ डुंबयति

डभि॰ संहनने॰ क॰ डुम्भयति॰ ते

डाटृ॰ विशरणे॰ भ्वा॰ प॰ कौ

डिप॰ संघाते॰ प्रेरणे च॰ डिपयति॰ डेपयति॰

डिप॰ क्षेपे॰ चु॰

डिप॰ क्षेपे॰ उ॰ उइन्॰ तु॰ प॰

डिपि॰ राशीकरणे॰ क॰ चु॰ प॰

डिपि॰ एकत्रीकरणे॰ भ्वा॰ प॰

डिवि॰ प्रेरणे॰ क॰ डिंवयति

डिभि॰ संघाते॰ क॰ डिंभयति

डिभि॰ संचये॰ चु॰ प॰

डिम॰ हिंसायां॰ सौत्रोयंधातुः

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

डीङ् ० विहायसा गतौ · दि · आ ·

डीङ् ० गतौ · कविक · उपतेयद्डी ङितः · डुकृञादयो डुलभषन्ताः

डुकृञ् ० करणे · अ · त · उभ ·

डुक्रीञ् ० द्रव्यविनिमये · अ · क्र्या · उभ ·

डुदाञ् ० दाने · अ · जु · उभ ·

डुधाञ् ० धारणपोषणयोः · अ · जु · उभ ·

डुपचष् ० पाके · अ · स्वइत् · भ्वा · उभ ·

डुभृञ् ० धारणपोषणयोः · अ · जु · उभ ·

डुमिञ् ० क्षेपणे · अ · स्वा · उभ ·

डुलभष् ० प्राप्तौ · अ · अइत् · भ्वा · आ ·

ढुडि ० अन्वेषणे · भ्वा · प ·

ढौकृ ० गत्यर्थः · उ · अइत् · भ्वा · आ ·

ढ्रौकृ ० गत्यर्थः · उ · अइत् · भ्वा · आ ·

णख ० गतौ · उ · उइत् · भ्वा · प ·

णखि ० गतौ · उ · उइत् · भ्वा · प ·

णट ० नृतौ · उ · उइत् · भ्वा · प · प्रणटति

णट ० नत्यहिंसयोः · चु · प्रणाटयति

णद ० भाषि · दीप्तौ · क · नादयति

णद ० भाषार्थः · चु · प ·

णद ० अव्यक्ते शब्दे · उ · उइत् · भ्वा · प ·

णप ० गतौ · उ · अइत् · भ्वा · आ ·

णभ ० हिंसायां · उ · उइत् · क्र्या · प ·

णभ ० हिंसायां · उ · स्वइत् · भ्वा · उभ ·

णभ ० हिंसायां · उ · उइत् · दि · प ·

णम ० प्रह्वत्वे शब्दे च · अ · उइत् · भ्वा · प ·

णम ० औ · शब्दे गतौ च · कविक · नमयति नामयति

णय ० प्रापणे गतौ रक्षणे च · कवि · नयते:

णर्द ० शब्दे · वर्ज्जने च · कवि · नर्दति

णल ० बंधने · उ · उइत् · भ्वा · प ·

णश ० अदर्शने · नश्यति ·

णश ० अदर्शने · उ · उइत् · दि · प ·

णस ० कौटिल्ये · उ · उइत् · भ्वा · आ ·

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

णह॰ बंधने॰ अ॰ स्वइत्॰ दि॰ उभ॰
णल॰ गतौ॰ नलति
णाथृ॰ आशिषि॰ उपतापे च॰ नाथति॰ ते॰ कवि॰ भ्वा॰ उभ॰
णाधृ॰ नाथे॰ वर्जनेपि॰ कवि॰ भ्वा॰ आ॰ नाधते
णासृ॰ शब्दे॰ गतौच॰ उइत्॰ भ्वा॰ आ॰
णिक्ष्॰ अंगान्निरसे॰ उ॰
णिजि॰ शुद्धौ॰ उ॰ अइत्॰ अ॰ आ॰
णिजिर्॰ शौचपोषणयोः॰ अ॰ स्वइत्॰ जु॰ उभ॰
णिदि॰ कुत्सायां॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
णिदृ॰ कुत्सासन्निकर्षयोः॰ उ॰ स्वइत्॰ भ्वा॰ उभ॰
णिल॰ गहने॰ उ॰ उइत्॰ तु॰ प॰
णिवि॰ सेचने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
णिश॰ समाधौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
णिषु॰ सेचने॰ नेषति
णिसि॰ चुंबने॰ उ॰ अइत्॰ अ॰ आ॰
णिक्ष॰ चुम्बने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ निक्षति

णीञ्॰ प्रापणे॰ उ॰ भ्वा॰ उभ॰
णीव॰ स्थौल्ये॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
णील॰ वर्णे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
णु॰ स्तुतौ॰ प्रसवेच॰ उ॰ अ॰ प॰ नौति
णुद॰ प्रेरणे॰ भ्वा॰ उभ॰ नुदति॰ नुदते
णुद॰ प्रेरणे॰ उ॰ तु॰ प॰
णू॰ स्तवने॰ उ॰ तु॰ प॰
णून्॰ स्तवने॰ कदि॰ अ॰ प॰ नौति
णेदृ॰ कुत्सासन्निकर्षयोः॰ उ॰ स्वइत्॰ भ्वा॰ उभ॰
णेषृ॰ गतौ॰ उइत्॰ भ्वा॰ आ॰

नक्क॰ हसने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
नकि॰ कृच्छ्रजीवने॰ दि॰ प॰ नंक्यते
नकि॰ कृच्छ्रजीवने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
नगि॰ स्खलनेच कृच्छ्रजीवने॰ गतावपि॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
नञ्जु॰ गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
नञ्चू॰ संकोचने॰ उ॰ उइत्॰ रु॰ प॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

तञ्चू॰ संकोचने॰ तनक्ति॰
तट॰ उच्छ्राये॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
तड॰ आघाते॰ चु॰
तड॰ आहतौ॰ दीप्तौ च॰ चु॰ ताडयति॰
तड॰ आघाते॰ चु॰
तड्ड्॰ आहतौ॰ तंडयते॰ तंडते॰
तडि॰ ताडने॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰
तत्रि॰ कुटुंबधारणे॰ तंत्रयते॰ चु॰
तंत्रयते॰ तन्त्रतं इत्याद्यः
१ तद्रि॰ सादे॰ मोहे॰ सौत्रो धातुः क॰ भ्वा॰ प॰
१ तन्द्रि॰ सादे॰ मोहे॰ } इत्येके वित्
तन्द्रि॰ सादे॰ मोहे॰ }
तनु॰ विस्तारे॰ उ॰ इइत्॰ त॰ उभ॰
तनु॰ उपकृतौ॰ श्रद्धाघाते॰ शब्दोपतापयोश्च। उपकृतिरुपकारः॥
तनु॰ विस्तारे॰ तनोति॰ श्रद्धाने हिंसावर्जने॰ चु॰
तञ्चु॰ संकोचे॰ तञ्चित्वा॰ तक्त्वा

तञ्चु॰ इतौ॰ तञ्चित्वा॰ तक्त्वा
तञ्जु॰ संकोचे॰ तञ्जित्वा॰ तङ्क्त्वा
तन्द्रीः॰ सादे॰ मोहे॰ सौत्रधातुरयम्
इति दुर्गादासः भ्वा॰ प॰
तप॰ ऐश्वर्ये॰ उ॰ अइत्॰ दि॰ आ॰
तप॰ रक्षणे॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰
तप॰ संतापे॰ अ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
तप॰ दाहे॰ चु॰ कवि॰ भ्वा॰ प॰
तप॰ उपतापे॰ उपताप॰ ईश्वरीभावः
तमु॰ कांक्षायां॰ उ॰ उइत्॰ दि॰ प॰
तमु॰ खेदेच्छयोः॰ ताम्यति लोकः
दि॰ प॰ उत्तमस्यादिन्यायः
इति दुर्गादासः
तम्ब॰ गतौ॰ कचि॰ तम्बति॰ भ्वा॰ प॰
तय॰ गतिरक्षयोः॰ तयते॰ भ्वा॰ आ॰
तर्क॰ दीप्तौ॰ वितर्कणे च॰ चु॰
तर्ज॰ भर्त्सने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
तर्ज॰ वर्जने॰ चु॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

नर्द॰ हिंसायां॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰
नर्व॰ गतौ॰ नर्वति॰ कवि॰ भ्वा॰ प॰
नल॰ अतिष्ठायां॰ चु॰ नालयति
नल॰ गतौ॰ सौत्रधातुरयम्॰ कवि॰ भ्वा॰ प॰
नसि॰ अलंकृतौ॰ दि॰ आ॰
नसि॰ अलंकारे॰ चु॰ भ्वा॰ प॰
नस्ति॰ अलंकारे॰ भ्वा॰ प॰
नस्ति॰ अलंकारे॰ दि॰ आ॰
नह॰ उन्नेपे॰ उ॰ उइन्॰ दि॰ प॰ क॰ न स्यति ष्टुलिवायुः
नद॰ प्रचने॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰ नदने॰ संवारणं नञ्चातिकार्यं॰ न नैनामरः
नक्ष॰ धर्मरोगग्रहणे॰ कवि॰ भ्वा॰ प॰
नक्ष॰ कार्श्ये॰ नतिष्यति॰ नस्यति॰ भ्वा॰ प॰ न तति वा॰ काष्ठत्ता इति
नाथृ॰ पालनसंतन्वोः संततिः विहाराः॥ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ आ॰ नाधेत विद्यां स्तुधीरिविमिंदास

निक॰ आक्रंदने॰ वधेच॰ स्वा॰ प॰ निक्नौति
निक॰ आक्रंदे॰ क्र्या॰ प॰
निकृ॰ गत्यर्थः उ॰ अइन्॰ भ्वा॰ आ॰
निग॰ हिंसाक्रंदयोः क॰ निग्नोति
निघ॰ हिंसायां॰ निघ्नाति॰ कवि॰
निज॰ ज्ञानौ निशानेच॰ चु॰ प॰
निज॰ क्षमायां॰ भ्वा॰ प॰
निप॰ सेवने॰ भ्वा॰ आ॰
निष्ट॰ ज्ञाणार्थः॥ उ॰ अइन्॰ भ्वा॰ आ॰
निम॰ आर्द्रीभावे॰ निम्यति॰ उ॰ उइन॰ दि॰ प॰
निल॰ गतौ॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰
निल॰ लेहने॰ उ॰ उइन्॰ तु॰ प॰
निल॰ लेहने॰ चु॰ प॰
निलृ॰ गतौ॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰
नीकृ॰ गत्यर्थः॥ उ॰ अइन्॰ भ्वा॰ आ॰
नीम॰ आर्द्रीभावे॰ दि॰ प॰ नीम्यति
नीर॰ कर्मसमाप्तौ॰ चु॰ उभ॰
नील॰ हिंसायां॥ हुलौच॰ नीलति भ्वा॰ प॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

तीव॰ वृद्धौ॰ भ्वा॰ प॰

तीव॰ स्थौल्ये॰ कवि॰ तीवति॰

तु॰ गति॰ वृद्धि॰ हिंसनेषु॰ तौति॰

तु॰ गतिवृद्धि हिंसनेषु॰ भ्वा॰ प॰ तवीति॰

तुछ॰ आवरणे॰ तु॰ प॰

तुज॰ हिंसायां॰। भ्वा॰ प॰

तुजि॰ हिंसाबलादाननिकेतने षु॰ चु॰ प॰ तुंजति तुंजयति

तुजि॰ जीवने॰ क्लेश॰ कवि॰

तुजि॰ भाषार्थः चु॰ प॰

तुजि॰ पालने॰ भ्वा॰ प॰

तुट॰ कलहकर्मणि॰ उ॰ उइत्॰ तु॰ प॰

तुड॰। भेदे। उपहनने च॰ तुडति

तुड॰ तोडने॰ उ॰ उइत्॰ तु॰ प॰

तुडि॰ तोडने॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰

तुड्ड॰ तोडने॰ भ्वा॰ प॰

तुडृ॰ तोडने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

तुड्ड॰ अनादरे॰ भ्वा॰ प॰ कवि॰

तुण॰ कौटिल्ये॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

तुत्थ॰ आच्छादने॰ चु॰ प॰

तुत्थ॰ विसर्गे॰ कवि॰ तुत्थय ति तुत्थापयति

तुद॰ व्यथने॰ अ॰ अइत्॰ तु॰ उभ॰

तुप॰ हिंसार्थः उ॰। उइत्॰ भ्वा॰ प॰

तुप॰ हिंसायां। उ॰ उइत्॰ तु॰ प॰

तुंप॰ हिंसायां। उ॰ उइत्॰ तु॰ प॰

तुफ॰ हिंसार्थः उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

तुंफ॰ हिंसायां। उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ तोफति

तुंफ॰ हिंसायां॰ उ॰ उइत्॰ तु॰ प॰

तुबि॰ अर्दने॰ चु॰ उभ॰

तुबि॰ अर्दने हिंसायां च। उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

तुबी॰ हिंसायां। उ॰ उइत्॰ क्र्या॰ प॰

तुभ॰ हिंसायां। उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ उभ॰

तुभ॰ हिंसायां। उ॰ उइत्॰ दि॰ प॰

तुर॰ त्वरणे॰ उ॰ उइत्॰ तु॰ प॰

तुर्वी॰ हिंसायां। कवि॰ भ्वा॰ प॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

तुर्वी॰ हिंसायां। भ्वा॰प॰

तुल॰ उन्माने॰ चु॰

तुज॰ हनो॰ हिंसायांच॰ भ्वा॰प॰

तुल॰ परिमाणे॰ कवि॰ तोलने॰ भ्वा॰
आ॰

तुवि॰ अदर्शने॰ भ्वा॰प॰

तुविंदिर्॰ निशामने॰ भ्वा॰उभ॰ कै॰

तुष॰ प्रीतौ॰ उ॰ अइत्। दि॰प॰

तुष॰ तुष्टौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰प॰

तुस॰ शब्दे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰प॰

तुहिर्॰ अर्दने वधेच॰ भ्वा॰प॰

तूड॰ अनादरे॰ कवि॰ भ्वा॰प॰

तूण॰ प्रपूरणे॰ चु॰ उभ॰

तूण॰ संकोचे॰ कवि॰ चु॰प॰

तूरी॰ गतित्वरणहिंसनयोः उ॰
अइत्॰ दि॰आ॰

तूल॰ पूरणे॰ चु॰आ॰ तूलयते॰

तूल॰ निष्कर्षे॰ माननिश्चये॰ चु॰प॰

तूष॰ तुष्टौ॰ भ्वा॰प॰ तूषति॰

तृणु॰ अदने॰ उ॰ खइत्॰ त॰प॰ तृ
णोति॰ तर्णोति॰ तृणुते। त
र्णुते॰

तर्द॰ हिंसे॰ तर्दति

तृदिर्॰ अनादरे॰ हिंसेच॰ तृणत्ति॰ तृन्ते॰

तृद्दी॰ अनादरे॰ कवि॰

तृम्प॰ प्रीणने॰ कवि॰

तृम्फ॰ प्रीणने॰ कवि॰

तृन्हू॰ हिंसायाम्॰ तृंहति॰

तृप॰ प्रीणने॰ उ॰ उइत्॰ दि॰प॰

तृप॰ तृप्तिसंदीपनयोः तु॰प॰

तृप॰ तृप्तौ॰ संदीपनेच॰ चु॰उभ॰

तृंप॰ तृप्तौ॰ संदीपनेच॰ चु॰

तृफ॰ तृप्तौ॰ उ॰ उइत्॰ तु॰प॰

तृफ॰ त्राणने॰ तृफति

तृंफ॰ तृप्तौ॰ उ॰ उइत्॰ तु॰प॰

तृफ॰ हर्षे॰ भ्वा॰प॰

तृक्ष॰ बनतारणयोः॰ उ॰ भ्वा॰आ॰

तृह॰ हिंसायां॰ तृहति कवि॰

तृ॰ प्लवनतरणयोः भ्वा॰प॰ तरति

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

तृषिर्॰ ञितृषा॰पिपासायां।दि॰प॰
तृहू॰ हिंसायां।उ॰उदूत्॰ रु॰प॰
तृंहू॰ हिंसार्थः।उ॰उदृत्॰ तु॰प॰
तृक्ष॰ गतौ॰उ॰उदृत्॰भ्वा॰प॰
तॄ॰ तरणे॰ अभिभवे॰ प्लवनां॰ प्लु
ति मंजनाभावः तरतिमेंदी
मेलया मांघः मेला॰ स्न छ॰
भ्वा॰प॰ तरति॰
तेज॰ पालने॰उ॰उदृत्॰भ्वा॰प॰
तेपृ॰ क्षरणार्थः।उ॰अदृत्॰भ्वा॰आ॰
तेपृ॰ कंपने॰उ॰अदृत्॰ भ्वा॰आ॰
तेवृ॰ देवने॰उ॰अदृत्॰भ्वा॰आ॰
देवनमिह क्रीडा मेवनेवाल
तोड॰ अनादरे॰ भ्वा॰प॰
तौकृ॰ गतौ॰ भ्वा॰आ॰
त्यज॰ हानौ॰अ॰उदृत्॰भ्वा॰प॰
त्रकि॰ गतौ॰दि॰आ॰त्रंकते॰त्रंक्तै
त्रकि॰ गतौ॰ कवि॰ भ्वा॰प॰

त्रखि॰ गतौ॰ भ्वा॰प॰
त्रगि॰ गतौ॰ दि॰ आ॰
त्रगि॰ गतौ॰ भ्वा॰प॰
त्रदि॰ चेष्टायां॰ कवि॰ त्रन्दते॰ त्रंदे
त्रपूष्॰ लज्जायां॰उ॰अदृत्॰भ्वा॰आ॰
त्रस॰ धृतौ॰ निषेधे च॰ कवि॰ चु॰प॰
त्रस॰ भये॰ त्रस्यति।त्रासयति
त्रसि॰ भासि॰ कवि॰ त्रंसते॰
त्रंसयति॰ त्रंसति
त्रसी॰ भये॰ कविक॰ त्रसति
त्रा॰ पालने॰ कविक॰ त्राति
त्रिखि॰ गतौ॰ त्रिंखति
त्रुट॰ छेदने॰ कविक॰ त्रोटयते॰ त्रुटति
त्रुप॰ वधे॰ कविक॰ त्रोपति॰ इतिउ गेदासः
त्रुंप॰ वधे॰ कविक॰ त्रुंपति
त्रुफ॰ वधे॰ त्रोफति
त्रुंफ॰ वधे॰ कविक॰ त्रुंफति
त्रै॰ पालने॰ कविक॰ त्रायते

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

त्रैङ्· पालने· उ· भ्वा· आ·

त्रौकृ· गतौ· कविक· त्रौकते·

त्वगि· गति· कंपनयोः उ·उइत्· भ्वा·प·

त्वच· संवरणे· उ·उइत्· तु·प·

त्वच· संवरणे· त्वचति· कवचेन देहं वीरः· क·

त्वच· गतौ· उ·उइत्· भ्वा·प·

त्वचि· गतौ· कविक· त्वंचति·

त्वंचु· गतौ· संकोचे· कु· च·

त्वर· त्वरायां· भ्वा· उभ·

त्वर· वेगे· चु·प·

त्विष· दीप्तौ· अ· अइत्· भ्वा·उभ·

त्सर· छद्मगतौ· उइत्· भ्वा·प·

त्वक्ष· त्वचोग्रहणे· त्वक्षति कायं

त्वक्ष· तनूकरणे· उ·उइत्· भ्वा·प·

त्वक्ष· तनूकरणे· दि·प· त्वक्ष्यति

थुड· संवरणे· उ·उइत्· तु·प·

थुड· आच्छादने· भ्वा·प·

थुरी· हिंसावयो हान्योः उ·उइत् दि·आ·

थुर्दि· वधे· कविक·

थुर्वी· हिंसायां· भ्वा·प·

दक्ष· घातने· पालनेच· उ·उइत्· भ्वा·प·

दक्ष· घाते· हिंसायां· दक्षोति क·

दक्षि· त्यागे अवनेच· कवि· दंक्षते अवनेरक्षणं

दण्ड· निपाने· चु· दंडयति· दंडः

दद· दाने· धृतौच· उ· अइत्· भ्वा· आ·

दध· दानन पालनयोः सा·प·

दध· धारणे· उ· अइत्· भ्वा· आ·

दध· दाने· धृतौच· क· दधते·

दभ· नोदे· दाभयति· चु·

दभि· आज्ञायां· चु·

दंभु· दंभे· उ·उइत्· स्वा·प· दभ्नोति

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

दमु॰ उपशमने·उ·उइत्·दि·प·दाम्यति
दम्भ॰ संघाते·दंभयते·क·
दय॰ दानगतिरक्षणहिंसादाने
षु·उ·अइत्·आ·आ·
दरिद्रा। दुर्गतौ·उ·उइत्·अ·प·
दल॰ विशरणे·गतौच·उ·उइत्·आ·प·
दल॰ विदारणे·चु·दलयति
दल॰ भेदे·दालयति·
दलि॰ शब्दे·आ·प·कौमुदी
दवि॰ गतौ·आ·प·
दंश॰ दशने·अ·उइत्·आ·प·
दश॰ संख्याने·आ·प·
दशि॰ दर्शने·दंशनेच·क·दंशयते
दशि॰ दीप्तौ·कवि·दंशयति
दशि॰ दंशने·भाषार्थोपि·।चु·
दसि॰ दंशनदर्शनयोः·चु·
दसि॰ भाषार्थः·चु·
दसु॰ उपक्षेपे·उ·उइत्·दि·प·

दसु॰ उपक्षये·दि·प·
दह॰ दीप्तौ·भस्मीकरणे·अ·उइत्·आ·प·
दहि॰ दीप्तौ·हद्देच·कवि·दंहयति
दास॰ गतिहिंसनयोः·उ·अइत्·आ·आ·
दास॰ कुट्टौ·शीघ्रार्थेच·उ·उइत्·आ·आ·
दा॰ दाने·कवि·ददाति·दत्ते·
दाण॰ दाने·अ·आ·प·
दा॰ लवने·कवि·दाति
दान॰ अवखंडने·सइत्·आ·उभ·
दीदांसति·ने·
दान॰ आर्जवे·ऋजुकरणे·कवि·
दाम॰ दाने·प्रतिहार्यं प्रयोगोयच्छा
देशः यच्छति
दान॰ छेदे·दानति·ने·इतिवोपदेवः
दाप्॰ लवने·कवि·दीयते·
दाप॰ लवणे·अ·अ·प·
दाय॰ दाने·आ·प·दायते·
दाश॰ हिंसायां·उ·उइत्·स्वा·प·दाश्नोति·

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.
CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

दाश॰ दाने॰उ॰सइन्॰भ्वा॰उभ॰
दाशृ॰ दाने॰ दाशयते॰
दास॰ वधे॰ क॰ दास्नोति
दासृ॰ दाने॰उ॰सइन्॰भ्वा॰उभ॰
दिवु॰ परिकूजने॰ क॰ चु॰
दिम्प॰ संघाते॰ चु॰उभ॰ दिंपयति ते
दिंभ॰ संघाते॰ कवि॰ दिंभयते
दिम्भ॰ आज्ञायां॰ दिंभति
दिभि॰ प्रेरणे॰ कविक॰ दिंभयति
दिम्प॰ आज्ञायां–दिंपति॰दिंपते॰
दिंपयते॰
दिवि॰ प्रीणने॰उ॰उइन्॰भ्वा॰प॰
दिवु॰ मर्दने॰परिकूजनेच॰चु॰
दिवु॰ क्रीडाविजिगीषाव्यवहा
र द्युतिस्तुतिमोदमदस्व
प्नकांतिगतिषु॰उ॰उइन्॰ दि॰प॰
दिश॰ अतिसर्जने॰अ॰सइन्॰तु॰ उभ॰
दिह॰ अर्दने॰कवि॰देवयति॰

दिवि॰ प्रीतौ॰दिन्वति दिन्वते॰
दिह॰ उपचये॰ लेपनेच॰ उपचयो
वृद्धिः अ॰सइन्॰अ॰उभ॰
दीङ्॰ क्षये अ॰दि॰आ॰ दीधीते
दीधीङ्॰ दीप्तिदेवनयोः॰उ॰अ॰आ॰
दीपी॰ दीप्तौ॰उ॰अइन्॰दि॰आ॰
दीक्ष॰ मौंड्येज्यापनयननियम
व्रतादेशेषु॰उ॰उइन्॰भ्वा॰आ॰
मौंड्यं॰ मुंडितमस्तकीभावः
इज्या॰ यजनं॰ दीक्षते मुंडि
डितमस्तकःस्यादित्यर्थः
दीक्षतेजनो॰ यजतीत्यर्थः
दीक्षते याज्ञिको नियमी
स्यादित्यर्थः दीक्षते॰पंडि
तोजनं व्रतमुपदिशती
त्यर्थः दीक्षते पुत्रं विप्रः
व्रतमुपनयतीत्यर्थः क
विकल्पद्रुमः

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

दु· गतौ· अ·भ्वा·प·
दु· उपतापे·अ·स्वा·प· दुनोति
दुःख· तत्क्रियायां· चु·
दुन· हिंसागति कौटिल्येषु·तु· प·
दुर्वी· हिंसायां· भ्वा·प·
दुल· उत्क्षेपे·चु·क· दोलयति
दुल· आंदोलने· भ्वा·प·
दुष· वैकृत्ये· अ·उइत्·दि·प·
दुघ· अस्वहो हूषणेच· दि·प·
दुह· प्रपूरणे· अ·स्वइत्·अ·उभ
दुहिर्· अर्दने·उ·उइत्·भ्वा·प·
दूङ्· परितापे खेदेच·उ·दि·आ·
दृ· विदारणे·शब्देच·उ·क्र्या·प·
दृ· भये·उ·उइत्·भ्वा·प·
दृ· विदारणे·कवि· दारयति·
दृङ्· आदरे·अ·तु·आ·द्रियते
दृम्प· उत्क्लेशे·कवि·दृम्पति·दे पति
दृप· हर्षमोहनयोः·उ·उइत्·दि·प·

दृप· संदीपने·चु·दर्पयति दर्पति
दृप· उत्क्लेशे उत्क्लेशेवा·उ·उइत्·तु·प·
दृफ· हिंसायां· भ्वा·प·
दृफ· क्लेशे· कवि· दृफति·
दृफ· उत्क्लेशे· दृफति· दृम्फति
दृभ· संदर्भणे·क·दृभति·दर्भति· दर्भयति
दृभी· भये·क·दर्भयति·दृभति·दृभति·
दृभी· ग्रंथे·उ·उइत्·तु·प·
दृम्प· उत्क्लेशे·उ·उइत्·तु·प·
दृम्फ· संताने·ओष्ठवर्गशेषोपधः
दृम्फयति दृंपयते संता
नो राशीकरणं
दृम्फ· उत्क्लेशे· भ्वा·प·
दृशिर्· प्रेक्षणे·अ·उइत्·भ्वा·प· पश्यति
दृह· वृद्धौ·उ·उइत्·भ्वा·प·दर्हति
दृहि· वृद्धौ· दृंहाने कवि·
दृहि· वृद्धौ·उ·उइत्·भ्वा·प·
दॄ· भये· दारयति· चु·

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

दॄ॰ विदारणे॰ दृणाति॰ दृणीते॰
दॄ॰ विदारणे॰ दीर्यति
देङ्॰ रक्षणे॰ उ॰ आ॰ आ॰ दयते॰
देवृ॰ देवने॰ उ॰ अइन्॰ आ॰ आ॰
देवनमिह क्रीडा देवनेल
लः कं ड कौटिल्यमितिह
लाघुध
दैप्॰ शोधने॰ अ॰ आ॰ आ॰
दो॰ अवखंडने॰ अ॰ दि॰ प॰
द्यु॰ अभिगमने॰ उ॰ अ॰ प॰
द्युत॰ दीप्तौ॰ उ॰ सइन्॰ आ॰ उभ॰
द्यै॰ न्यक्करणे॰ अ॰ आ॰ प॰ द्यायति
द्रम॰ गतौ॰ उ॰ उइन्॰ आ॰ प॰
द्रक्ष॰ परिमाणपरिचारणयोरि
त्येके चित्
द्रा॰ कुत्सायांगतौच॰ अ॰ अ॰ प॰
द्रा॰ स्वप्ने॰ पलायनेच॰ द्राति॰ नि पू
र्वः स्वप्ने॰ निद्राति
द्राखृ॰ शोषणालमर्थयोः॰ आ॰ प॰
द्राघृ॰ सामर्थ्यायामयोः॰ उ॰ अइ
न्॰ आ॰ आ॰

द्राडृ॰ विशरणे॰ उ॰ अइन्॰ आ॰ आ॰
द्राहृ॰ निद्राक्षये॰ निक्षेपेच॰ उ॰ उइन्॰
आ॰ आ॰
द्राक्षि॰ घोरवासिते॰ आ॰ प॰
घोरवासितं पक्षिमेदूकादि
शब्दः इति का के:
द्रु॰ गतौ॰ अ॰ आ॰ प॰
द्रु॰ उपतापे॰ अ॰ स्वा॰ प॰
द्रु॰ गतौ॰ हिंसायांच॰ क्र॰ द्रुणाति॰
ने॰ द्रुणाति॰ ते॰
द्रुञ्॰ हिंसायां॰ उ॰ क्रा॰ उभ॰
द्रुड॰ मज्जने॰ कवि॰ द्रुडति॰ द्रोडति
द्रुण॰ हिंसागतिकौटिल्येषु॰ उ॰ उइ
न्॰ तु॰ प॰
द्रुण॰ हिंसागतिकौटिल्येषु॰
कविक॰ द्रुणति
द्रुवी॰ हिंसायां॰ उ॰ उइन्॰ आ॰ प॰
द्रुह॰ जिघांसायां॰ उ॰ उइन्॰ दि॰ प॰
द्रूञ्॰ हिंसागमनयोः द्रूणाति॰ द्रूणी
ते॰
द्रेकृ॰ शब्दोत्साहयोः॰ उ॰ अइन्॰ आ॰
आ॰
द्रै॰ स्वप्ने॰ अ॰ आ॰ प॰ द्रायति

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

द्विष॰ अप्रीतौ·अ·अइन्·अ·उभ·

ह्वृ॰ संवरणे·वकारोपधः·क·ह्वृति

धक॰ नाशने·चु·

धक्क॰ नाशने·कवि·धक्कयति

धण॰ शब्दे·कवि·भ्वा·प·धणति

धन॰ शब्दे·उ·उइन्·भ्वा·प·

धन॰ धान्ये·धान्यमिह·धान्यक्रि
या·उ·उइन्·जु·प·

धम॰ ध्माने·क·सौत्रो धातुः पर
स्मैभाषा·भ्वा·प·धमति

धवि॰ गतौ·कवि·धन्वाते

धवि॰ गतौ·उ·उइन्·भ्वा·प·

धाञ्॰ धारणे पुष्टौ दाने च·डुधा
ञ्·इतिकविकः·दधाति·धत्ते

धावु॰ शीघ्रगतिशुद्ध्योः·ऊइन्·भ्वा·उभ·

धि॰ धारणे·कविकः·धियति

धि॰ धारणे·तु·तु·प·

धिवि॰ प्रीणनार्थे·गतौ ·प्रीतौच·
उ·उइन्·भ्वा·प·

धिवि॰ प्रीतौ गतौ च·धिन्वते·
धिनोति·कवि·

धिष॰ शब्दे·उ·उइन्·जु·प·

धिक्ष॰ संदीपनक्लेशनजीवनेषु·
उ·उइन्·भ्वा·आ·

धीङ्॰ आधारे·अ·दि·आ·

धीङ्॰ अनादरे चेति कवि· धीयते·

धुञ्॰ कंपने·स्वा·उभ·कौमुदी·

धुर्वी॰ हिंसायां·उ·उइन्·भ्वा·प·

धुक्ष॰ संदीपनक्लेशनजीवनेषु·
उ·उइन्·दि·आ·

धुक्ष॰ संदीपने·क्लेशे·जीवे च·क
वि·धुक्षते·

धू॰ विधूनने·उ·तु·प·

धूञ्॰ कंपने·भ्वा·उभ·

धूञ्॰ कंपने·चु·धावयति·ते·कवि

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

धूञ्॰ कंपने॰कविक॰धूनोति॰धूनुते॰	धृण॰दीप्तौ॰उ॰स्वइत्॰त॰उभ॰
धूञ्॰कंपने॰उ॰ऋा॰प॰	धृष॰शक्तेर्बंधने॰क॰धर्षयते॰वधृः
धूप॰ संतापे॰उ॰उइत्॰धूपायति॰ते॰ कविक	धृष॰क्रोधे॰अभिभवेच॰कवि॰धर्षति॰ धर्षयति॰
धूप॰ भाषार्थः॰चु॰	धृषु॰ संहतौ॰हिंसेच॰कविक॰धर्षति॰ प्र सने धर्षयते॰
धूप॰दीप्तौ॰कविक॰ धूपयति॰ यते॰	धॄ॰ वृद्धौ॰धृणाति॰धृणीते॰
धूरी॰ हिंसागत्योः॰उ॰अइत्॰दि॰आ॰धू॰	धेक॰दर्शने॰चु॰प॰कौ॰
धूश॰ कांतौ॰चु॰	धेङ्॰पाने॰ धयते॰ कवि॰
धूष॰ कांतौ॰ चु॰	धेट्॰ पाने॰अ॰भ्वा॰प॰
धूस॰ कांतौ॰चु॰	धै॰ तृप्तौ॰भ्वा॰प॰कौ॰
धृङ्॰ धृतौ॰कविक॰ धारयति॰	धोर्ऋ॰ गतिचातुर्ये॰कविक॰धोरति
धृङ्॰ अवध्वंसने॰स्थापने॰इतिगो विंदमहः॰भ्वा॰उभ॰	धृ॰ हूर्छने॰ अइत्॰ भ्वा॰प॰
धृङ्॰स्थितौ॰धृतौच॰क॰ध्रियते॰	ध्मा॰शब्दाग्निसंयोगयोः॰ उ॰अइत्॰ भ्वा॰प॰धमति॰
धृज॰गतौ॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰	ध्मांक्षि॰ कांक्षेघोरहनेच॰घोरशब्द स्तिरश्चामेवेहध्मांक्षतिकाकः
धृजि॰गतौ॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰	ध्यै॰ चिंतायाम्॰अइत्॰भ्वा॰प॰ध्यायति
धृजि॰ गतौ॰ कविक॰ धृञ्जयते॰	ध्रज॰गतौ॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰
धृन्॰ अवस्थाने॰त॰आ॰	
धृञ्॰ धारणे॰भ्वा॰उभ॰	

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

ध्रजि॰ गतौ॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰
ध्रजि॰ गतौ॰कविक॰ध्रंज्यते॰
ध्रण॰ शब्दे॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰
ध्रस॰ उत्क्षेपे॰ध्रासयति
ध्रस॰ उंछे॰ध्रस्नाति शस्यं दीनः
ध्राख॰ शोषणालमर्थयोः॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰
ध्राड़ृ॰ विशरणे॰उ॰उइत्॰भ्वा॰आ॰
ध्राक्षि॰ कांक्षे॰घोररुतेच॰घोररुतमि
हतिध्वामेव घोरशब्दः ध्रां
क्षति पक्षी भ्वा॰प॰
ध्रिज॰ गतौ॰ध्रेजति॰ कविक॰
ध्रु॰ स्थैर्ये॰अइत्॰भ्वा॰प॰ ध्रवति॰
ध्रु॰ गतौ॰स्थैर्येच॰ क॰ ध्रुवति॰
ध्रु॰ गतिस्थैर्ययोः तु॰प॰
ध्रुव॰ गतिस्थैर्ययोः तु॰प॰कौ॰
ध्रू॰ स्थैर्ये॰ध्रुवति॰
ध्रण॰ आशाविशंकयोः चु॰आ॰कौ॰
ध्रेक्ष॰ शब्दोत्साहयोः॰उ॰अइत्॰भ्वा॰आ॰

ध्रै॰ तृप्तौ॰अइत्॰भ्वा॰प॰
ध्वज॰ गतौ॰भ्वा॰प॰कविक॰
ध्वजि॰ गतौ॰कविक॰ध्वञ्ज्यते॰
ध्वण॰ ध्वाने॰ध्वणति मृदङ्गः
ध्वन॰ अव्यक्ते शब्दे॰ध्वनयति मृदंगः
ध्वन॰ रवे॰ध्वनयति॰ध्वानयति मृदंगः
ध्वंसु॰ अधःपतने॰क॰भ्वा॰आ॰
ध्वृ॰ कौटिल्ये॰वकारोपधः कौटिल्य
मिह कुटिली करणं ध्वरति तृणं वायुः

नक॰ नाशने॰चु॰
नक्ष॰ नाशने॰कोपधः नाशनं नष्टी
करणं नक्षयति पापं गंगा इति कवि॰
नख॰ गतौ॰भ्वा॰प॰
नज॰ ओनजी॰लज्जायां॰भ्वा॰आ॰
नजङ्॰ गतौ॰ कविक॰
नट॰ नृतौ॰हिंसेच॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰
नट॰ नृतौ॰अधःपतनेच॰कवि॰नटति

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

नट॰ भाषार्थः॰ चु॰

नठ॰ भाषार्थः॰ चु॰ इत्यन्ये

नड॰ भ्रंशे॰ क॰ नडति॰ नडयति॰ नाडयति

नद॰ गंभीरे शब्दे॰ चु॰

नद॰ गंभीरे शब्दे॰ भ्वा॰ प॰

नदि॰ टुनदि॰ समृद्धौ॰ भ्वा॰ प॰

नभ॰ [illegible]॰ भ्वा॰ प॰

नम॰ प्रह्वत्वे शब्दे च॰ नमयति॰ नामयति॰ कविक॰

नमस॰ नमस्कारे॰ दिवादिः उभ॰

पितॄन्नमस्येद्देवा कृतिगणत्वात्
नमस्येइत्या

नंब॰ गतौ॰ नंबति॰

नर्द॰ शब्दे॰ उ॰ उदित्॰ भ्वा॰ प॰

नय॰ प्रापणे॰ नयति॰ ते॰ भ्वा॰ उभ॰

नर्व॰ गत्यर्थः भ्वा॰ प॰

नल॰ प्रकाशे॰ बंधने च॰ चु॰ नालयति॰ कवि॰

नह॰ ओनह॰ बंधने॰ दि॰ उभ॰ नह्यति॰ ते॰

नाथृ॰ याच्ञोपतापैश्वर्याशीःषु॰

उ॰ ऋदित्॰ भ्वा॰ उभ॰

नाधृ॰ याच्ञोपतापैश्वर्याशीःषु॰

उ॰ ऋदित्॰ भ्वा॰ आ॰

निग॰ आक्रंदने॰ भ्वा॰ प॰ कौ॰

निदि॰ निन्दायां निन्दति॰

निवास॰ आच्छादने॰ चु॰ निवासयति

निष्क॰ परिमाणे॰ चु॰ आ॰

निस्स॰ [illegible] प्रतिपादने
च॰ उ?

निल॰ गुंबने। निलति॰ भ्वा॰ प॰

नीव॰ स्थौल्ये॰ भ्वा॰ प॰ कौ॰

नील॰ वर्णे॰ भ्वा॰ प॰ कौ॰

नुड॰ वधे॰ भ्वा॰ प॰

नुद॰ प्रेरणे॰ भ्वा॰ प॰ कौ॰

नृ॰ नये॰ उ॰ उदित्॰ कवि॰ नरति नरम

नृति॰ नीतौ॰ क॰ (नि॰ भ्वा॰ प॰)

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

नृती॰ गात्रविक्षेपे॰ उ॰ उइत्॰ दि॰ प॰

नृ॰ नीतौ॰ नारयति॰ कदि॰

नॄ॰ नीतौ॰ क॰ नृणाति नीतिः प्रापणं

---

३ पचि॰ व्यक्तीकरणे॰ पंच्यते॰ पंचतेस्व गुणं भिक्षुकः

२ पचि॰ विस्तारवचने॰ चु॰ पंचयति धीरो ग्रंथार्थं

१ पच॰ व्यक्तीकरणे॰ पचते स्वगुणं भिक्षुकः

पजि॰ रोधे॰ कदि॰ पंजति स्रोतधान्‌ १णम्

पञ्चि॰ व्यक्तीकरणे॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰

पट॰ आधार्यः। चु॰

पट॰ वेष्टने॰ ग्रंथे॰ दीप्तौच॰ चु॰

पट॰ संसर्गे॰ चु॰

पट॰ गतौ॰ भ्वा॰ प॰

पटि॰ नामधातुः॰ पटुमाचष्टे॰ पटयति॰

पठ॰ व्यक्तायांवाचि॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

पडि॰ गतौ॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰

पडि॰ गतौ॰ कदि॰ पंडयते॰

पडि॰ संहतौ॰ कदिक॰ पंडयति॰ चु॰

पडि॰ नाशने॰ चु॰

पण॰ व्यवहारे स्तुतौच॰ उ॰ अइत्॰ पणते पणायति पणायते आयांतत्वा उभयपदीति वोपदेवः

पत॰ गतौ॰ निराकारोपस्कारयोः॰ चु॰

पत॰ ऐश्वरीभाव पतनयोः॰ क॰ पात [illegible]

पत॰ ऐश्वर्ये॰ क॰ पत्यते

पति॰ निराकारोपस्कारयोः॰ चु॰

पत्लृ॰ गतौ॰ पतनेच॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ पतति॰ पतयति॰ पातयति क॰

पथ॰ प्रक्षेपे॰ चु॰

पथ॰ गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ पथति॰ पाथयति॰ क॰

पथि॰ गत्यां॰ चु॰ कदि॰ पंथयति॰

पद॰ स्थैर्ये॰ कदिक॰ पदाति

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

पद० गतौ·चु·पदयते·
पद० गतौ· अ· अइत·दि·आ·
पन० व्यवहारे स्तुतौच·उ·अइत·भ्वा
३५· पनायति·ते·विपांधीरः
पन्थ० गतौ·ओष्ठवर्गशेषोपधः कवि
पन्थति·
पथ० गतौ·उ·अइत·भ्वा·आ·
पर्द० कुत्सिते·शब्दे·अधोवातोत्सर्गे·
उ·अइत·भ्वा·आ·
पर्ण० हरित्ये पीतवर्णभावेः क
चु·पर्णयति·पर्णापयति·
चंपके
पर्व० गतौ·क· पर्वति
पंपस्० दुःखे·पंपस्यते· कंड्वादि
पयस्० प्रसृतौ·पयस्यते· कं·
पर्व० पूर्तौ·उ·उइत·भ्वा·प·पर्व
ति पयसा कुंभं चेटी निरुर्ग
तासः
पर्व·स्नेहे·आर्द्रीभावे·कविक·
पर्षते पयसा· घटः
पल० रक्षणे·कवि·पालयति
पालति·पलति

पल० गतौ·उ·उइत·भ्वा·प·
पल्पूल० लवनपवनयोः·चु·प·
ल्पूलयति जलं गंगा
पस्पूल० लवनपवनयोः·चु·
पल्ल ० गतौ·कविक· पल्लति
पश० बंधने·चु·
पश० स्पर्शगत्योः कविक·पशति
पष० बाधा·ग्रंथ·ग्रंथन ग्रंथस्पर्शनेषु·कविक·पषति
पष० बंधे·कविक· पाषयति
पस० बाधे·ग्रंथेच·कविक·पसति·पसते·
पस० बंधे·कविक·पासयति
पसि० नाशने·चु· पंसयति·
पल० परि ग्रहे·चु·पलयति·पलापयति·
पत्० वचने·उ·उइत·भ्वा·प·
पा० पाने·अ·भ्वा·प·पिबति
पा० रक्षणे· अ·प· पाति
पार० कर्मसमाप्तौ·चु·पारयति

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

पाल॰ रक्षणे·चु·पालयति
पि॰ गतौ·पियति·पयः·कविक
पिच्च॰ छेदने·कविक·पिच्चयति
पिच्छ॰ कुट्टने·चूर्णीकरणे·चु·पि
च्छति·पिच्छयति·
पिजि॰ हिंसा·भाषा·बलादान·नि
केतनेषु·चु·पिंजयति·
पिजि॰ वर्णे·स्रजनेच·उ·अइत्·आ·
पिजि॰ वर्णे·स्रजनेच·पिञ्जते·
पिजि॰ संपर्चने·चु·आ·
पिट॰ शब्दसंघातयोः·उ·उइत्·भ्वा·प·पेटति
पिठ॰ हिंसासंक्लेशनयोः·उ·उइत्·
भ्वा·प· पेठति
पिडि॰ संघाते· पिंडते·
पिडि॰ संघाते·चु· पिंडयति
पिडि॰ संघाते·दि·आ·पिंडयते·
पिल॰ प्रेरणे·प्रेषणेः·चु·पेलयति·
पिवि॰ सेचने·उ·उइत्·भ्वा·प·दिवा
दीपि पिन्वति पिन्वते·

पिश॰ अवयवे·उ·तु·प·पिशति
पिष॰ गतौ·उ·उइत्·रु·प·
पिष॰ चूर्णीकरणे·कविक·पिनष्टि·
पिष॰ चूर्णीकरणे·पेषयति·पेषति
पिष्लृ॰ संचूर्णने·अ·उइत्·रु·प·
पिस॰ गतौ·चु·प·पिंसयति
पिसि॰ दीप्तौ·कविक·पिंसति·पिंस
यति·पिंस्यते
पिसि॰ भाषार्थः भसार्थ इत्येके·चु·
पिसृ॰ गत्यां·कविक·पेसति·पेसयति
पीङ्॰ पाने·माने इत्येके·अ·दि·आ·पीयते·
पीड्॰ अवगाहने·चु·
पीड॰ बाधे·कविक·पीडयति·
पीव॰ स्थौल्ये।उ·उइत्·भ्वा·प·
पीय॰ प्रीणने·सौत्रो धातुरयम्·क
पील॰ रोधने·उ·उइत्·भ्वा·प·पीलति पयम
पीव॰ स्थौल्ये·कवि·पीवति·
पुच्छ॰ प्रमादे अनुकृष्टभाषणेच·पुच्छति

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

पुट॰ मर्दने·उ·उइत्·भ्वा·प·

पुट॰ संश्लेषणे·उ·उइत्·तु·प·पुटति

पुट॰ भाषार्थः भासार्थ इत्येके·चु·

पुट॰ अल्पीभावे·अनादरे च·चु·

पुट॰ दीप्तौ·कविक· पोटयति

पुट॰ नोच्छ्रो नोच्छ्रमल्पीभावः कुटि पुटयति·

पुठि॰ भाषार्थः·चु·पुंठयति·कौ·

पुड॰ उत्सर्गे·उ·उइत्·तु·प· भ्वा·प

पुडि॰ खंडने वैकल्यमर्दनेषु·उ·उइत्·

पुडि॰ मर्दने पुंडने·

पुण॰ मर्दने— तनादिः

पुण॰ शुद्धौ·भ्वा·प· पुणति

पुणि॰ कर्मणि शुभे·उ·उइत्·तु·प·

पुत॰ गतौ सौत्रधातुरयम् इति उ णादास

पुथ॰ हिंसायां·उ·उइत्·दि·प·पुथ्यति

पुथ॰ भाषार्थः भासार्थ इत्येके·चु·

पुथ॰ कान्तौ·कवि· पोथयति

पुथि॰ हिंसासंक्लेशनयोः·उ·उइत्· भ्वा·प·

पुथि॰ क्रन्थे·क्रंथने·कवि·

पुर॰ अग्रगमने·उ·उइत्·तु·प·पुरति·

पुर्व॰ पूरणे·उ·उइत्·भ्वा·प·पूर्वति

पुल॰ महत्वे·उ·उइत्·भ्वा·प·पोलति· कविक·

पुल॰ उच्छ्रितौ·उच्छ्रितिरुच्चीकरणं कविक· पोलयति

पुल॰ महत्वे·कवि· पुलति·

पुष॰ पुष्टौ· भ्वा·प·

पुष॰ पुष्टौ·उ·अइत्·दि·प·

पुष॰ पुष्टौ·उ·क्र्या·प·

पुष॰ धारणे·अनौच·चु·प·कौ·पोषयति

पुष्प॰ विकसने·उ·उइत्·दि·प·पुष्पति कुंदकोरकम्

पुंस॰ अभिवर्धने·चु·

पुस्त॰ बंधे आदरानादरयोश्च·चु· कवि· पुस्तयति

पूङ॰ शोधने·भ्वा·आ·पवते पापं गंगा इति उणादासः

पुष॰ पैर्यै·व

पुसि॰ विभा

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

पूज० पूजायां० चु० पूजयति
पूञ्० पवने० उ० क्र्या० उभ० पुनाति०
पुनीते० पूयते०
पूण० संघाते० कवि० क० पूणयति
धान्यं लोकः राशीकरोती
त्यर्थः
पून० संघाते० उ० उइत्० भ्वा० प०
पूयी० दुर्गन्धे भेदने च० कवि० पूय
ते मत्स्यः दुर्गन्धः स्यादित्यर्थः
पूरी० आप्यायने० चु० पितॄन् पूरय
ति आह्वे हव्यैः कव्यैश्च यः स
दा इति हलायुधः
पूरी० आप्यायने० उ० उइत्० दि० आ०
पूर्यते०
पूर्ण० पूरणे पूर्णयति० चु०
पूर्व० निकेतने० निकेतनं० निमं
त्रणं० निवासो वा० पूर्वति०
पूर्वयति० कवि०
पूर्ब० निकेतने० चु०
पूल० संहतौ० चु० प० पूलयति

पूल० संघाते० भ्वा० प० पूलति
पूयी० विशरणे दुर्गन्धे च० उ० अइत्
भ्वा० आ०
पूक्ष० हृष्टौ० भ्वा० प०
र्ति
पृ० पालन पूरणयोः उ० ह्वा० प० पिपर्ति
पृ० प्रीतौ० स्वा० प० पृणोति
पृ० पूर्तौ० परति पारयति पयसा कुं
भमिति कविकल्पद्रुमः
पृ० पूरण० तर्पणयोः क्र्या० प० कौ०
पृङ्० व्यापारे० उ० तु० आ०
पृङ्० व्यापारे० आङ्पूर्वः धर्मे व्याप्रि
यते सुधीः कविक०
पृड्० सुखने० उ० उइत्० तु० प०
पृच० संयमने० चु० प० कौ०
पृच० संपर्के० कवि० पर्चयति
पृची० संपर्चने० उ० अइत्० अ० आ०
पृची० संपर्के० उ० उइत्० रु० प०
पृजि० संपर्के० एके० पृञ्जने० कवि०
पृजी० वर्णे० उ० अइत्० अ० आ० पृक्ते

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

पृड• सुखे• पृडति दीनं दाताऽहमिति
दुर्गादासः
पृण• प्रीणने• उ• उड्त• त• प• पृणति
पृथ• प्रक्षेपे• चु• पर्थयति गुरुमौषधे जनः कवि
पृच• संपर्के• कविक•
पृषु• सेचने• सेचनहिंसादाने
पृचेतिकेचित् पर्षति•
उ• उड्त• भ्वा• प•
पॄ• पूरणे• चु• प• पारयति
पॄ• पालनपूरणयोः• उ• क्र्या• प•
पृणाति पिपर्तीति• कविक•
पेलृ• पेषणगतिसंप्रेषेषु• कविक• पेलति
पेलृ• कंपे• गतौ च• उ• उड्त• भ्वा• प• पेलति
पेवृ• सेवने• उ• अड्त• भ्वा• आ• पेवते
पेषृ• सेवनासामिलोषणे• भ्वा• आ• पेषते
पेसृ• गतौ• उ• उड्त• भ्वा• प•
पै• ओ• वै• शोषणे• अ• भ्वा• प•

पै• शोषणे• पायति• आतपेन धान्यं
पैलृ• गतिप्रेरणश्लेषणेषु• उ• उड्त• भ्वा• प•
पैणृ• गतौ• भ्वा• प• कौमुदी
प्यायी• ओप्यायी• वृद्धौ• कविक•
प्यायते
प्युष• उत्सर्गे• कविक• प्योषयति
धनं दाता
प्युषिर्• दाहे भागे• प्युष्यति• प्युष्यति
प्युस• दाहे• प्युस्यति•
प्युसिर्• विभागे• कविक• प्युस्यति
धनं दायादः
प्यैङ्• वृद्धौ• उ• भ्वा• आ• प्यायते
प्रच्छ• ज्ञीप्सायां• अ• उड्त• त• प•
पृच्छति वार्तां गुरुं शिष्यः
प्रथ• प्रख्याने• उ• अड्त• भ्वा• आ•
प्रथते प्रथयतीति क•
प्रथ• प्रक्षेपे• चु•
प्रथ• संभवे• चु• प• कौ•

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

प्रस॰ विस्तारे·प्रसवेच·उ·अ इत्·
भ्वा·आ·प्रसते प्रसयति इ
ति दुर्गादासः
प्रा॰ पूरणे·अ·अ·प·प्राति
प्रीङ्॰ तर्पणे गतौ· प्रीणनेच·
प्रीङ्॰ प्रीतौ·गतौच·कविक·प्रीयते
प्रीङ्॰ प्रीणने तर्पणेच·प्रीयते
प्रीञ्॰ तर्पणे·प्रयति·ते·कविक·
प्रीञ्॰ कान्तौ तर्पणेच·प्रीणाति· प्रीणीते
प्री॰ तर्पणे·प्राययति·ते·
प्रुङ्॰ गतौ· उ·भ्वा·आ· प्रवते·
प्रुण॰ प्रतिज्ञाने·उ·उ इत्·तु·प·
प्रुषु॰ दाहे·उ·उ इत्·भ्वा·प·प्रोषति
प्रुष॰ स्नेहनसेवनपूरणेषु·क्र्या·प·
प्रेषृ॰ गतौ·उ·ऋ इत्·भ्वा·आ·प्रेषते
प्रै॰ हतौ·भ्वा·उभ·
प्रोथृ॰ प्रख्याने·चु·
प्रोथृ॰ सामर्थ्ये·परिपूर्णतायामि
ति गोविन्दभट्ट·क·प्रोथति·ते·

प्रोथृ॰ पर्याप्तौ·उ·ऋ इत्·भ्वा·उभं·
प्लव॰ गत्यां·प्लवते·प्लुङ् इत्यनेनै
वेष्टसिद्धे अस्य पाठः शब्दिष्य
तैरुक्तादिसिद्ध्यर्थः इति दुर्गादासः
प्लत॰ भक्षणे·प्लतति·ते· प्लवते
प्लिह॰ गत्यां·कविक·प्लेहते
प्ली·गतौ· प्लीनाति·
प्लुङ्॰ प्लवने·भ्वा·आ·
प्लुष॰ स्नेहने·सेके·पूर्त्तौच उ·क्र्या· प्लुष्णाति·
प्लुषु॰ दाहे·उ·उ इत्·भ्वा·प·प्लोषति
प्लुष॰ दाहे·प्लुष्यति·प्लुष्णाति·
प्लुसिर्॰ दाहे·प्लुस्यति·
प्लेवृ॰ सेवने·कविक·प्लेवते
प्सा॰ भक्षणे·अ·अ·प·प्साति

फक्क॰ मन्दगतौ·नीचगतौच·फ
क्कति खलः कुत्सितकर्मक
रोत्यर्थः
फण॰ गतौ·कवि·फणयति फाणय
ति उ·उ इत्·भ्वा·प·

नी

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

फण॰ गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
फण॰ निःस्नेहस्य नायासे नोत्पत्तौ
च॰ कविक॰ फणति॰
फर्व॰ पूरणे॰ भ्वा॰ प॰ कौ॰
फल॰ निष्पत्तौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
फुल्ल॰ विकसने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
फेल्ल॰ गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
क्कल॰ संजीवने॰ क्कलति

वठ॰ स्थौल्ये सामर्थ्ये च॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
वठि॰ एकचर्यायां उ॰ भ्वा॰ प॰
वण॰ शब्दार्थः उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
वद॰ व्यक्तायां वाचि॰ स्थैर्ये च॰
क॰ उ॰ भ्वा॰ उभ॰
वद॰ संयमने॰ चु॰ वादयति॰ ते
वध॰ बंधने॰ कविक॰ वाधयति
वध॰ निंदायां॰ बंधने च॰ कवि॰ वधते
वध॰ तिरस्कारबंध॰ शत्रुभावेषु।
वीभत्सते॰ वधति॰ वाधयते॰ ते

वुंध॰ बंधने॰ चु॰ क्रा॰ प॰ वध्नाति
वन्धयति इति कविक॰
वन॰ संभक्तौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
वनु॰ याचने॰ उ॰ ऋइत्॰ त॰ ग्रा॰ वनुते
वभ्र॰ गतौ भावकरणे च॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
वस्ख॰ गतौ॰ कविक॰ वस्खति
वर्व॰ गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
वर्ह॰ पिडे॰ भ्वा॰ प॰
वर्ह॰ व्रतिहिंसादानवाक्षु॰ वर्हते इति दुर्गदा
वल॰ धान्यावरोधे॰ जीवने च॰ कवि॰
वलति ७ एषहीनविधिः ७
एषहीनस्य समर्हिं प्रतिवस्तोत्यर्थः
वल॰ दानवधनिरूपणेषु॰ कवि॰
वलने इति दुर्गादासः
वल॰ प्राणने॰ चु॰ वलयति॰
वल॰ निरूपणे॰ वालयते धर्मधीः
वहि॰ वृद्धौ॰ वंहने॰
वहु॰ गतौ॰ हिंसायां॰ दाने॰ काचिर
वहुते॰ वहुयति॰ कवि॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

वाहि॰ इच्छायां॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ वांछति
१ बाधृ॰ विलोडने॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰
बाडृ॰ स्नाने॰ आप्लवनेच॰ कविकं बाडते॰ भ्वा॰ आ॰
बाशृ॰ शब्दे॰ उ॰ अइत्॰ दि॰ आ॰
बाहृ॰ उद्यमायां॰ बाहते॰
विट॰ शब्दे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ वेटति
विट॰ आक्रोशे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
विद॰ ज्ञाने॰ उ॰ उइत्॰ अ— प॰
विदि॰ अवयवे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
विल॰ लेपे॰ भेदनेच॰ तु॰
विल॰ संवरणे भेदेपि॰ उ॰ उइत्॰ चु॰ प॰
विस॰ प्रेरणे॰ उ॰ उइत्॰ दि॰ प॰
बुक्क॰ भषणे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
बुक्क॰ व्यक्तभाषणेपि॰ चु॰
बुक्क॰ आविष्कारे भाषणेच॰ चु॰ आ॰
बुट॰ अस्वीभावे॰ प्रहारेच॰ चु॰
बुदिर्॰ निशामने॰ बुंदति॰ बुंदते॰

बुदिर्॰ अवज्ञाने॰ बुदति॰ ते॰
बुंद॰ उन्दिर्॰ संवरणे॰ बुंदति॰ बुंदते
बुध॰ औबुध॰ विज्ञापने॰ कविक॰ बोधति बुध्यते
बुंध॰ बंधे॰ बुंधयति॰
बुंधिर्॰ उबुन्धिर्॰ निशामने॰ कविक॰ बुन्धति॰ ते॰
बुधिर्॰ बोधने॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ उभ
बुधिर्॰ दर्शने॰ बुंधति॰ ते॰
बुल॰ मज्जने॰ बोलयति॰
बुस॰ परित्यागे॰ बुस्यति
बुसिर्॰ हानौ॰ कविक॰
बुस्त॰ आदरे अनादरेच॰ बुस्तयति॰ एतं लोकः बुस्तयति धीरः साधुः
बृ॰ वरणे॰ अ॰ भ्वा॰ प॰
बृञ्॰ आवरणे॰ चु॰
बॄ॰ आवरणे॰ बृणाति॰

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

व्यध॰ ताडने॰ विध्यति॰

प्लुष॰ दाहे॰ प्लुष्यति॰

प्लुष॰ उत्सर्गे॰ प्लोषयति॰ धनंदा
त्याइति दुर्गादा

प्लाहृ॰ कार्यासक्तेनायांप्लाहयति॰ प्लो

प्लण॰ शब्दे॰ पीडायांच॰ प्लणति॰

प्लज॰ गतौ॰ १॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

प्लिन्॰ आवरणे॰ चु॰

प्रीङ्॰ प्रीणात्यर्थे॰ प्र॰ दि॰ आ॰

प्रुञ्॰ उक्तौ॰ कविक॰ प्रवीति॰ प्रूते

प्लुञ्॰ प्लवायांवासि॰ १॰ प्र॰ उभ॰

प्लो॰ वारणे॰ प्र॰ क्र्या॰ प॰

भज॰ सेवायां॰ प्र॰ स्वइत्॰ भ्वा॰ उभ॰

भज॰ विश्राणे॰ चु॰ भजयति

भजि॰ भाषार्थः चु॰ भंजयति

भंजो॰ दीप्तौ॰ कविक॰ भंजयति॰

भंजो॰ ओभंजो॰ आमर्दने॰ रु॰ उइत्॰ रु॰ भनक्ति

भजौ॰ भागसेवायोः विभजति॰ विभजते
धनंश्यानाके॰

भट॰ भृतौ॰ भृतिरिह॰ पोषणं॰ भटति
निभृत्यंस्वामी॰ १॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

भट॰ परिभाषणे॰ कविक॰ भटयति

भटि॰ परिभाषणे॰ भंटयति

भडि॰ कल्याणे॰ वाचिक॰ भंडयति

भडि॰ कल्याणे॰ दि॰ आ॰ भंडते॰

भडि॰ परिभाषणे॰ १॰ उइत्॰ भ्वा॰ उभ॰ भंडति॰ते॰

भण॰ शब्दे॰ १॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

भदि॰ कल्याणेसुखेच॰ १॰ प्र॰ इत्॰ भ्वा॰ उभ

भदी॰ हर्षे॰ शुभे॰ प्रीतौच॰ कविक॰
भंदते भंदते॰ भंदयति॰

भर्त्स॰ तिरस्कारे॰ चु॰ उभ॰ भर्त्सयति॰
भर्त्सयते॰

भर्भ॰ हिंसायां॰ भर्भति॰ भ्वा॰ प॰

भर्व॰ हिंसायां॰ भर्वति॰ भ्वा॰ प॰

भल॰ आभरणे आभंडनेच॰ चु॰ भलयते॰ कवि॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

भल॰ परिभाषणहिंसादाननिरू
पणेषु·उ·अइन्·भ्वा·आ·
भलते
भल्ल॰ परिभाषणहिंसादानेषु·उ·
अइन्·भ्वा·आ·
भष॰ भर्त्सने·उ·उइन्·भ्वा·प·भषति
भस॰ भर्त्सनदीप्त्योः·उ·उइन्·
भ्वा·प·ज्ञः·बभस्ति
भक्त॰ भक्तणे·भक्त·ति·ते·इतिद्र
गौप
भल॰ अदने·अर्दनेच·उ·भलयति
भा॰ दीप्तौ·अ·अ·प·
भाज॰ पृथक्कर्मणि·उ·भाजयति·
भाम॰ क्रोधे·उ·अइन्·भ्वा·आ·भामते·
भाम॰ क्रोधे·उ·भामयति·
भाष॰ व्यक्तायांवाचि·उ·उइन्·
भ्वा·आ·भाषते·
भास॰ दीप्तौ·उ·उइन्·भ्वा·आ·
भासते
भिदि॰ अवयवे·भ्वा·प·
भिदिर्॰ विदारणे·अ·स्वइन्·रु·उभ·
भिनत्ति·भिंते

भिल॰ पृथक्कर्मणि·भेलयति
भिषज्॰ रुग्जये·सौत्रधातुरयम्
इतिकविकल्पद्रुमः·भिष
क्भेषजमिति दुर्गादासः
भिष्णज्॰ उपसेवायां·कविकः·
भिक्ष॰ भिक्षायां याच्ञायां लाभेऽ
लाभेच·उ·उइन्·भ्वा·आ·
भिक्षते
भी॰ भीत्यां·ञिभी·कविकः·बि
भेति·भयति·भाययति·
भुज॰ निमज्जने·उ·उइन्·तु·प·
भुजति
भुज॰ पालनाभ्यवहारयोः·अ·
इइन्·रु·भुनक्ति·भुंक्ते
भुजो॰ ओभुजो·अवकल्कने·उ·
भुवो॰ अवकल्कने·उ·कौ·
प·
भूष॰ शोभनार्थः·उ·उइन्·भ्वा·
भृञ्॰ धारणपोषणयोः·कंड्वादि
भृ॰ संज्ञायां·उ·भ्वा·प·
भृ॰ संज्ञायां·भ्वा·आ·मुग्धबोधः

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

भू॰ प्राप्तौ·चु·उभ·भावयति·ते·
भू॰ शुद्धि·चिन्त·मिश्रणेषु·कति
न्नणवद्भावयति ह्रिधः स
र्वान् जयोऽर्था इति दुर्गादा
सः
भूष॰ अलंकारे·उ·उदित्·भ्वा·प·
भूष॰ अलंकारे·चु·भूषयति
भृ॰ निंदाविस्मृत्योः भृणाति·
भृजी॰ भर्जने भर्जनंपाकविशे
षः उ·अइत्·भ्वा·आ·भर्जे
ते
भृञ्॰ भरणे·उ·भ्वा·उभ·भरति·ते
श्यति
भृशु॰ अधःपतने·कविकं·भृ
भृशि॰ भाषार्थः चु·
प·
भृंशु॰ अधःपतने·उ·उदित्·दि·
भृ॰ भर्त्सने·वयोहानौ च·उ·क्र्या
प·भृणाति
भ्यस॰ भये·भ्यसते इति दुर्गादासः
भ्राशे च
भ्रण॰ शब्दे·उ·उदित्·भ्वा·प·भ्र
णति

भ्रमि॰ चलने·कविकं·भ्रमति
लुङि अभ्रमत् अभ्रमीत्
मति
भ्रमु॰ चलने·उ·उदित्·भ्वा·प·भ्र
भ्रमु॰ अनवस्थाने·उ·उदित्·दि·प
भ्रम्यति भ्राम्यति
भ्रंशु॰ अधःपतने·उ·उदित्·दि
प·भ्रश्यति
भ्रस्ज॰ ओभ्रस्ज·पाके·अ·स्वरित्
ते·प·भृज्जति·ते·
भ्रंसु॰ अवस्रंसने·भ्वा·प·कौ·
भ्राजृ॰ टुभ्राज·दीप्तौ·उ·अइ
त्·भ्वा·आ·भ्राजते·
भ्राशृ॰ टुभ्राशृ·दीप्तौ·कवि·भ्री
शते·भ्राश्यते·
भ्लाशे
भ्रासृ॰ दीप्तौ·भ्वा·आ·कविके·
भ्लाशृ॰ दीप्तौ·दि·आ·भ्लाश्यते
भी॰ भये·भीणाति·भिणीते·
भुड॰ आच्छादने·भुडति

भेषृ॰ भये गतौ च·उ·स्वरित्·भ्वा·उभ·भेषति·ते·

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

म्लल॰ आशायां· तु· आ· म्लणुते
म्रेज॰ दीप्तौ· उ· अइत्· भ्वा· आ· म्रेजते
म्रेघृ॰ गतौ· उ· अइत्· भ्वा· उभ·
म्रेघति· ते·
म्लेषृ॰ अदने· अपे· चलने च· उ·
स्इत्· भ्वा· उभ·
म्लेत॰ अदने· उ· स्इत्· भ्वा· उभ
म्लेतति· ते·
म्लाशृ॰ टुम्लाशृ· दीप्तौ· म्लाशते
म्लाश्यते· क·
म्लेवृ॰ गतौ· अयेव· म्लेवति· म्लेवते·

मक्क॰ गतौ· कविक· मक्कते· ते·
मकि॰ उ· अइत्· भ्वा· आ· मंकते
मख॰ गतौ· उ· उइत्· भ्वा· प·
मखि॰ गतौ· उ· उइत्· भ्वा· प·
मगध॰ परिवेष्टने· नीचदास्ये
च· मगध्यति

मगि॰ गतौ· उ· उइत्· भ्वा· प·
मगि॰ सर्पणे· कविक· मंग्यते·
मचि॰ कैतवे· त्यागे च· उ· अइत्·
भ्वा· आ· मंचते
मठि॰ मंडने· उ· उइत्· भ्वा· प·
मच॰ कल्कने कल्कनं दंभः शा
ठ्यं च· उ· अइत्· भ्वा· आ· मचते
मचि॰ धारणोच्छ्रायपूजनेषु· उ·
अइत्· भ्वा· आ· मंचते
मंचु॰ गतौ· मंचति
मट॰ मदनिवासयोः उ· उइत्· भ्वा· प· २
मंज॰ शब्दे मार्जने च· मंजति· मंजयति
मठ॰ मदनिवासयोः· उ· उइत्· भ्वा· प·
मठि॰ शोके· उ· अइत्· भ्वा· आ·
मडि॰ मोदे· चु· मंडयति·
मडि॰ भूषायां· उ· उइत्· भ्वा· प·
मंडति· ते· मंडयति· क·
मण॰ शब्दे· उ· उइत्· भ्वा· प·

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

मठि॰ शुभभाषणे॰ मंठति॰ मंठय
ते॰ मंठयतेनृपोयमितिमुग्धः
मथि॰ हिंसासंक्लेशनयोः॰ उ॰
उइत्॰ भ्वा॰ प॰
मथि॰ विलोडने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
मथे॰ विलोडने॰ भ्वा॰ प॰
मद॰ तृप्तियोगे॰ गर्वेच॰ चु॰ माद
यति॰ मदयते॰ मादयते॰
मदि॰ स्तुतिमोदमदस्वप्नकां
तिगतिषु॰ उ॰ अइत्॰ मन्दति
मदिर्॰ हर्षे॰ मादति॰ कविक॰
मदी॰ हर्षग्लपनयोः॰ उ॰ उइत्॰
भ्वा॰ प॰ मादयति॰ मादय
ते॰ इतिकेचित्
मदी॰ हर्षे॰ उ॰ उइत्॰ दि॰ प॰ माद्यति
मन॰ स्तंभे॰ चु॰ मानयति॰ ते॰
मन॰ अर्चायां॰ गर्वेच॰ मनतिइ
तिदुर्गादासः

मन॰ ज्ञाने॰ अ॰ अइत्॰ दि॰ आ॰ मन्यते
मनस्॰ परामर्शे॰ मनस्यति॰ कुंडः
मनु॰ अवबोधने॰ उ॰ अइत्॰ त॰ आ॰ मनुते॰
मन्तु॰ अपराधे॰ रोषेच॰ मन्तूयति॰ मंतूयते॰
मन्थ॰ विलोडने॰ मन्थतिक॰
मन्थ॰ विलोडने॰ दि॰ प॰ मथ्नाति॰
मभ्र॰ गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ मभ्रति
मय॰ गतौ॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰ मयते॰
मय्य॰ बंधने॰ इत्येके॰ मय्यति॰
मर्क॰ गतौ॰ सौत्रोधातुरयमिति
कविकल्पद्रुमः
मर्च॰ शब्दे॰ गतौच॰ मर्चति॰
मर्च॰ शब्दे गतौच॰ चु॰ मर्चयति
मर्व॰ ग्रहणे॰ सौत्रधातुरयमिति
कविकल्पद्रु
मर्व॰ शब्दे॰ गतौच॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰
प॰ मर्वतिपयसाकुंभंचेरी
तिदुर्गादासः

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

मल॰ धारणे॰ अ॰ अइत्॰ भ्वा॰ उभ॰ मलति॰ ते॰

मल॰ धारणे॰ चु॰ मलयति॰

मल्ल॰ धारणे॰ अ॰ अइत्॰ भ्वा॰ उभ॰ मल्लति॰ ते॰

मव॰ बंधने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ मवति॰

मव्य॰ बंधने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ मव्यति॰

मश॰ शब्दे॰ रोषकृतेच॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

मष॰ हिंसायां॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

मसि॰ परिणामे परिमाणेच॰ कवि॰ मसति॰

मसी॰ परिणामे उ॰ उ॰ इत्॰ दि॰ प॰ मस्यति॰

मस्क॰ गत्यर्थः उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰ मस्कते॰

मस्ज॰ टुमस्जोः स्नाने॰ कविक॰ मज्जति

मह॰ पूजायां॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ महति

मह॰ पूजायां॰ महयति चु॰

महि॰ वृद्धौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ आ॰ मंहते

महि॰ दीप्तौ॰ चु॰ कौ॰ मंहयति

मही॰ भाषार्थः दीप्तौच॰ चु॰

मत्त॰ मंथाने॰ रोधेच॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ मत्तति

मा॰ माने॰ अ॰ प॰ माति॰

माङ्॰ माने॰ दि॰ आ॰ मायते

माङ्॰ परिमाणे॰ मङ्ति॰ मङ्ते॰

माथि॰ हिंसायां॰ माथति॰

मान॰ पूजायां॰ उ॰ भ्वा॰ आ॰

मान॰ पराक्षोन्वेषणयोः मीमांसने॰ मानति॰ क॰

मान॰ पूजायां॰ चु॰

मार्ग॰ संस्कारसर्पणे॰ मार्गति मीणेच॰ मार्गयति॰ ते॰

मार्ग॰ अन्वेषणे॰ गतौच॰ मार्गति॰

मार्ज॰ मार्जने॰ ध्वनौच॰ कविक॰ मार्जयति

माहृ॰ माने॰ उ॰ स्वइत्॰ भ्वा॰ उभ॰

माहृ॰ माने॰ भ्वा॰ उभ॰ कौ॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

माक्षि॰ कांक्षायां॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰
मिछ॰ बाधे॰उत्क्रोशेच॰उ॰उइत्
तु॰प॰ मिच्छति॰
मिजि॰ भाषार्थः॰चु॰ ति॰मिंजते
मिन्॰ टुमिन्॰ विकीर्णने॰मिनो
मिद्॰ मेधाहिंसनयोः॰उ॰स्वइत्
भ्वा॰उभ॰मेदति॰मेदते
मिथृ॰ वधे॰मेधायांच॰मिथति॰
मिथते॰
मिथृ॰ हिंसावमोहनयोः॰मेथति
मिद्॰ स्नेहने॰चु॰मेदयति॰मेदते
मिद्॰ स्नेहे॰ मेदयतिवर्तिकाले नेन
मिदि॰ स्नेहे॰मिंदति॰मिंदयति
मिदृ॰ वध॰मेधयोः॰मेदति॰मेदते
कविके॰ अमिमेदत्
मिवि॰ सेके॰मिन्वति॰कविके॰
मिल॰ संगमे॰ग्र॰स्वइत॰तु॰उभ
मिश॰ शब्दे रोषकृतेच॰उ॰उइत
भ्वा॰प॰मेशति॰

मिश्र॰ संपर्के॰चु॰मिश्रयति॰मिश्रा
पयति हृते नान्नं इति उगो॰
मिष॰ स्पर्द्धायां॰उ॰उइत॰तु॰प॰
मिषु॰ सेचने॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰मि
षति मेषति॰
मिस्व॰ संपर्के॰मिस्वयति॰मिस्वाप यति
मिह्॰ स्नेहने सेचनेच॰ग्र॰उ॰उइत्॰ भ्वा॰प॰
मिह्॰ सेचने॰लुङि॰अमिक्षत्
मी॰ गतौ॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰
मी॰ गतौ॰चु॰
मी॰ वधे॰मयति॰माययति॰उगो॰
मीङ्॰ टुमीङ्॰ हिंसायांमानेच॰ग्र
दिवा॰ मीयते॰
मीञ्॰ हिंसायां॰ क्र्या॰उभ॰ कौ॰मी
नाति मीनीते॰
मीव॰ हृद्दौ॰स्थौल्येच॰मीवति॰
मीमृ॰ गतौ॰शब्देच॰मीमति॰भ्वा॰प॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

मील॰ निमेषणे॰उ॰उइन्॰भ्वा॰प॰ मीलति

मुच॰ प्रमोदे॰चु॰

मुचि॰ कल्कने॰कल्कनं दंभः शाठ्यं च॰उ॰अइन्॰भ्वा॰आ॰

मुचि॰ कल्कने मुंचते॰मुंचते॰

मुच्ऌ॰ मोक्षणे॰अ॰स्वइन्॰तु॰उ॰भ॰

मुज॰ शब्दार्थः॰उइन्॰भ्वा॰प॰मोजति॰ मोजयति

मुजि॰ शब्दार्थः॰उ॰उइन्॰भ्वा॰प॰मुञ्जति॰ मुंजयति

मुञ्च॰ गतौ॰ मुंचति॰ कविक॰

मुट॰ आक्षेपप्रमर्द्दनयोः॰उ॰उइन्॰तु॰प॰मुटति मुटयते

मुट॰ संचूर्णने॰चु॰

मुट॰ मर्दने॰उ॰उइन्॰भ्वा॰प॰मोटति

मुटि॰ मर्द्दने॰मुण्टति॰इति शाब्दिकसंडु

मुठि॰ पालने॰उ॰अइन्॰भ्वा॰उभ॰मुण्ठति॰ते

मुड॰ महीत्वापुनर्दाने॰आच्छादने च॰मुडति।

मुडि॰ विभाजने॰खंडने॰मार्जने च॰उ॰उइन्॰भ्वा॰उभ॰मुण्डति॰ते

मुडि॰ मज्जने॰मुंडने॰मुंडने मलरोजले इति कविकल्पद्रु॰

मुण॰ सीकारे॰मुणति॰

मुण॰ प्रतिज्ञाने॰चु॰

मुथि॰ हिंसायां॰मुंथति॰

मुद॰ हर्षे॰उ॰अइन्॰भ्वा॰आ॰मोदते॰

मुद॰ संसर्गे॰चु॰मोदयति हुते नान्नं सूपकारः इति दुर्गादा॰

मुत्रु॰ गत्यां॰मुक्ता॰मुंचित्वा॰

मुर॰ संवेष्टने॰उ॰उइन्॰तु॰प॰मुरति

मुर्छा॰ मोहसमुच्छ्राययोः॰उ॰उइन्॰भ्वा॰प॰मूर्छति रोगी

मुर्वी॰ बंधने॰उ॰उइन्॰भ्वा॰प॰मूर्वति

मुष॰ स्तेये॰त्र्या॰प॰कौ॰मुष्णाति॰कं मोषति॰मुष्यति॰इति शाब्दिकस्य

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

मुस्त॰ प्रतिसंचये संघाते ·चु· मुस्तयति

मुह॰ वैचित्ये·उ·उइत्·दि· प· मुह्यति

मूङ्॰ बंधे· मवते

मूत्र॰ प्रस्रवणे·चु·मूत्रयति

मूल॰ रोहणे·संघाने च·चु·मूलयति

मूल॰ प्रतिष्ठायां·उ·उइत्·भ्वा· उभ· मूलति·ते·

मूष॰ स्तेये·वधे च·उ·उइत्·भ्वा·कौ· प· मोषति·मूषति·

मूष॰ छेदे·मुष्णाति विपर्यं·

मृस॰ खंडने· मृस्याति

मृह॰ वैचित्ये· मृह्याति

मृ॰ गतौ· मारणेच· म्रियते

मृग॰ अन्वेषणे·चु·मृगयते मार्गयति

मृग॰ अन्वेषणे·चु·मृगयंते म्रि·ति·श्क·

मृङ्॰ प्राणत्यागे·भ्र·त·भ्रौ·म्रियते

मृच॰ गतौ·मृचति

मृज॰ स्खलने·चु· मार्जयति·क·

मृजू॰ शौचालंकारयोः·मार्जति

मृजू॰ शौचालंकारयोः मार्ष्टि

मृक्ष॰ मुद्दौ·उ·उइत्·भ्र·भ्रा·

मृड॰ रोषे·उ·उइत्·क्रा·प·मृड्णाति

मृड॰ सुखने·उ·उइत्·तु·प·मृडति

मृण॰ हिंसायां·उ·उइत्·तु·प·मृणति

मृद॰ क्षोदे·रोषेच·उ·उइत्·क्रा·प· मृद्नाति

मृद॰ घर्षणे·मृदते·

मृधु॰ उंदे·उ·ऊइत्·भ्वा·उभ·मर्धति·ते·

मृशौ॰ आमर्शने स्पर्शे·अ·उइत्·तु·प·मृशति

मृष॰ तितिक्षायां·चु·मर्षयति·ते·
मर्षयति मृषति इति दुर्गः·

मृष॰ तितिक्षायां·उ·ऊइत्·दि·उभ

मृषु॰ सेचने·मर्षयति·मर्षति·ते

मृषु॰ सहने·भ्वा·प·कौ·मर्षति·ते

मृषु॰ सेचने·उ·उइत्·भ्वा·प·

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

म्रक्ष॰ म्लेच्छने॰ चु॰ म्रक्षयति
म्रक्ष॰ संघाते॰ उ॰ उइत्॰ म्रक्षति
मृ॰ हिंसायां॰ उ॰ क्र्या॰ प॰ मृणाति
मे॰ विनिमये॰ मोऽनेपि॰ मयते॰
मेङ्॰ प्रणिदाने॰ उ॰ भ्वा॰ आ॰
मेदृ॰ मेधाहिंसनयोः॰ उन्मादे धः च॰
मेदति॰ ते॰ उ॰ स्वइत्॰ भ्वा॰ उभ॰
मेडृ॰ उन्मादे॰ मेडति॰
मेढृ॰ उन्मादे॰ मेढति॰
मेथृ॰ संगे॰ वधे॰ मेधायांच॰ मेथति॰ ते॰
मेधा॰ आशुग्रहणे॰ मेधायति॰ कं ड्वादिः
मेदृ॰ वधमेधयोः॰ मेदति॰ ते॰ उभ॰
मेधृ॰ मेधाहिंसनयोः॰ उ॰ स्वइत्॰ भ्वा॰
मेपृ॰ गतौ॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰ मेपते
मेवृ॰ सेवने॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰ मेव ते इति उ॰
मेवृ॰ सेवने॰ अन्तस्थोपधः॰ मेवते॰
मोक्ष॰ असने॰ मोचनेच॰ मोक्षति
मोक्षयति॰ कवि॰

म्ना॰ अभ्यासे॰ मनति
म्रक्ष॰ संग्रहलेपनाभ्यंगेषु॰ म्रक्ष-
ति॰ म्रक्षयति॰
म्रक्ष॰ संघाते॰ म्रक्षति पयसा म्र [illegible]
म्रच॰ गत्यां॰ म्रचति
म्रज॰ छेदने मर्दनेच॰ चु॰
म्रद॰ मर्दने॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰ म्रदते
म्रुचु॰ गत्यर्थे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ म्रोचति
म्रुञ्चु॰ गत्यर्थे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ म्रुञ्चति
म्रेदृ॰ उन्मादे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ म्रेडति
म्रेडृ॰ उन्मादे॰ म्रेडति
म्लज॰ छेदने॰ चु॰
म्लक्ष॰ म्लेच्छने॰ अस्पष्टोच्चारणेपि
भाषणेच॰ म्लक्षयति॰
म्लुचु॰ गत्यर्थः॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ म्लोचति
म्लुंचु॰ गत्यर्थः॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ म्लुंचति
म्लै॰ हर्षक्षये॰ गात्रविनामेच॰ भ्वा॰ प॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

म्लेछ॰ ग्राम्याकौ·अव्यक्तेशब्देच·
म्लेछति· म्लेछयति

म्लेटृ॰ उन्मादे· म्लेटति

म्लेडृ॰ उन्मादे·म्लेडति· इतिदुर्ग (ढपः)

म्लेढृ॰ उन्मादे· म्लेढति·

म्लेपृ॰ दैन्ये·भ्वा·प·म्लेपति·

म्लेवृ॰ सेवने·म्लेवने·भ्वा·आ·

म्लै॰ हर्षक्षये·गात्रविनामेच·भ्वा·
प·म्लायति म्लापयति·

यज॰ देवपूजासंगतिकरणदा
नेषु·भ्वा·उइत्·भ्वा·प·

यत्र॰ जुगुप्सायां·चु·

यत॰ खेदोपस्कारयोः ताडनेच
यातयति·

यती॰ प्रयत्ने·उ·अइत्·भ्वा·आ·
यतते यातयति (आ·)

यस॰ आसने·उ·अइत्·भ्वा·आ·

यंत्र॰ संकोचे·यंत्रति यंत्रयति

यत्रि॰ संकोचने·चु·यंत्रयतिमंत्रे
णमयं जांगलिकः

यभ॰ यभौ·मैथुने·भ्वा·उइत्·भ्वा·प·

यम॰ उपरमे·भ्वा·उइत्·भ्वा·प·

यम॰ परिवेषणे·परिवेष्टनेच·
चु·कौ·यमयति·यामयति

यम॰ ओयमु·परिवेष्टने·यच्छति

यसि॰ प्रयत्ने· यसति

यसु॰ प्रयत्ने·उ·उइत्·दि·प·य (स्यति)

यल॰ पूजायां·चु·कौ·

यत्न॰ महत्ने·यत्नयते·

या॰ प्रापणे·भ्वा·अ·प·याति

याचृ॰ टुयाचृ·याचने·याचति·याचते·

यु॰ जुगुप्सायां·चु·यावयति·ते·

यु॰ मिश्रणामिश्रणयोः·उ·भ्वा· (प·यौति)

युप॰ विमोहने·उ·उइत्·दि·प·

युगि॰ वर्जने·उ·उइत्·भ्वा·प·युंगति

युङ्॰ निंदने·पावयते·कविक·यु नाति·युनीते

युछ॰ प्रमादे·उ·उइत्·भ्वा·प·युच्छति·

युज॰ समाधौ·अ·अइत्·दि·आ·युज्यते

युज॰ निंदने·क· योजयते

युज॰ संयमने·चु·योजयति·योजते

युज॰ बंधने·अ·क्रा·उभ·

युजिर्॰ योगे·अ·स्वइत्·रु·उभ·युनक्ति·युंक्ते·

युट्॰ संसर्गे·चु·

युट्॰ अनादरे· चु·

युत॰ युत्॰ दीप्तौ· योतति·

युत्॰ भाषणे·भाजनेच·भ्वा·आ·

युध॰ ऊयुध॰ प्रहारे·अ·अइत्·दि·आ·युध्यते·

युप॰ विमोहे·युप्यति·

युपीर्॰ आकुलीभावे·युप्यति·

युष॰ विमोहे·दि·प·कौ·

युष॰ भजने·सौत्रोयंधातुः

यूष॰ हिंसायां·उ·उइत्·यूषति·

येषृ॰ प्रयत्ने·उ·उइत्·भ्वा·आ· येषते

यौटृ॰ संबंधे·भ्वा·प·यौटति

यौडृ॰ संबंधे·यौडतिकाष्ठा।

रक॰ आस्वादने·चु·राकयति

रख॰ गतौ·उ·उइत्·भ्वा·प·रखति

रखि॰ गतौ रंखति

रग॰ शंकायां·उ·उइत्·भ्वा·प·

रग॰ शंकायां· चु· रागयति·

रगि॰ गतौ·रंगयते· रंगति·

रघ॰ आस्वादने·चु·

रघि॰ दीप्तौ·रंघयति·

रघि॰ भाषार्थः· चु·

रघि॰ गत्यर्थः·उ·उभत्·भ्वा·आ·

रघि॰ गतौ·दि·आ·रंघते·

रच॰ प्रयत्ने· चु·

रंज॰ रागे· भ्वा· स्वइत्· भ्वा· उभ·
रंज॰ रागे· भ्वा· स्वइत्· दि· उभ· प·
रट॰ परिभाषणे· उ· उइत्· भ्वा·
रठ॰ परिभाषणे· भ्वा· प·
रण॰ शब्दे· उ· उइत्· भ्वा· प·
रण॰ गतौ· चु· रणयति
रण॰ गतौ· उ· उइत्· भ्वा· प·
रथि॰ सर्पणे· रंथते·
रद॰ विलेखने· उ· उइत्· भ्वा· प·
रुद॰ अस्वाने· रुदति भिंकिदिः
रध॰ हिंसा· संराध्योः· उ· उइत्·
श्व· राध्यते· दि· प·
रप॰ गतौ· उ· अइत्· भ्वा· श्वा·
रप॰ व्यक्तायांवाचि· उ· उइत्·
भ्वा· प· रपति रपयति·
रफ॰ गतौ· बंधनेच· भ्वा· प·
रफि॰ गतौ· उ· उइत्· भ्वा· प·
रभ॰ ओरभ· राभस्ये· आ· अइत्· भ्वा
आ· रभते·

रभि॰ शब्दे· रंभते· रंभ्यते· के·
रम॰ ओरमु· क्रीडायां· गतौच· भ्वा·
अइत्· भ्वा· उभ· रमति· ते·
रय॰ गतौ· रयते· कविक·
रयि॰ अतिशब्दे गतौच· उ· अइत्· भ्वा· आ·
रव॰ शब्दे· रवति· कविक·
रवि॰ गतौ· रंव्यते· कविक·
रवि॰ गतौ· रम्व्य ते· संतस्योपधः
रश॰ स्वने· सौत्रोयंधातुः
रस॰ आस्वादनस्नेहनयोः· चु· रसयति
रस॰ शब्दे· उ· उइत्· भ्वा· प· रसति
रह॰ त्यागे· उ· उइत्· भ्वा· प·
रह॰ त्यागे· चु·
रहि॰ भाषार्थः· चु· प·
रहि॰ गत्यां रंहते· कविक·
रहि॰ गतौ· उ· उइत्· भ्वा· प· रंहति
रल॰ पालने· उ· उइत्· भ्वा· प· रलति
रा॰ आदाने· दानेच· भ्वा· अ· प· राति

राखृ॰ शोषणालमर्थयोः॰ उ॰ उइत॰ भ्वा॰ प॰ राखति
राघृ॰ सामर्थ्ये॰ उ॰ अइत॰ भ्वा॰ आ॰ राघते
राजृ॰ दीप्तौ॰ उ॰ स्वइत॰ भ्वा॰ उभ॰ राजति॰ ते
राध॰ ओराध॰ संसिद्धौ॰ अ॰ स्वा॰ प॰ राध्यति॰ राध्नोति॰ क॰ वि॰
राधो॰ अकर्मकात॰ वृद्धावेव॰ अ॰ उइत॰ दि॰ प॰
राशृ॰ दीनशब्दे॰ राशते॰ क॰ वि॰ क॰
रासृ॰ शब्दे॰ उ॰ उइत॰ भ्वा॰ आ॰
रि॰ गतौ॰ रियति॰ रिणोति॰ क॰
रि॰ गतौ॰ रियति॰ क॰ वि॰ क॰
रिख॰ गतौ॰ रिखति॰
रिखि॰ गतौ॰ रिंखति॰
रिवि॰ सर्पणे॰ रिङ्ख्यते॰ क॰ वि॰
रिगि॰ गतौ॰ उ॰ उइत॰ भ्वा॰ प॰
रिच॰ वियोजनसंपर्चनयोः॰ रेचति॰ रेचयते॰

रिचि॰ ओरिचिर्॰ विरेके॰ यौनः॰ उ
न्येव ऊरीधात्सर्गे इति च
त्यर्भुजः रिणक्ति॰ रिंक्ते॰
रिज॰ भर्जने॰ पालनेच॰ रेजते॰ क॰
रिपि॰ गतौ॰ अ॰ त॰ प॰ रिंपति॰
रिफ॰ दान॰ ज्ञाना निंदा हिंसासु
देषु॰ क॰ वि॰ क॰ रिफति
रिफ॰ कुत्सने॰ सोऽप्ययं धातुः
रिंफ॰ वधे॰ रिंफति॰ क॰ वि॰ क॰
रिफि॰ कथन युद्ध निंदा हिंसा
दानेषु॰ उ॰ उइत॰ तु॰ प॰ रिंफति
रिवि॰ गतौ॰ दिवादि॰ रिंव्यते॰
रिवि॰ गतौ॰ उ॰ उइत॰ क॰ रिण्व
ति॰ रिंव्यते॰
रिश॰ हिंसायां॰ अ॰ उइत॰ तु॰ प॰ (रिशति॰)
रिष॰ हिंसायां॰ उ॰ उइत॰ दि॰ प॰ रिष्यति॰
रिष॰ हिंसायां॰ उ॰ उइत॰ भ्वा॰ आ॰ रेषते॰
रिहृ॰ स्तकशब्दे॰ भ्वा॰ आ॰ रेहते

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

रिह॰ कथनयुद्धनिंदाहिंसादा नेषु॰उ॰उइत्॰ने॰प॰रेहति

रिशि॰ हिंसायां॰उ॰उइत्॰स्वा॰प॰

री॰ स्रवणे॰ रीयतेपयः॰ कविक॰

री॰ गतिरेषणयोः॰ ञ्र॰ क्रा॰ प॰ रिणाति

रीङ्॰ स्रवणे॰ ञ्र॰ दि॰ आ॰ रीयते पयः इति दुर्गादासः

रिवि॰ ग्रहणसंवरणयोः रिंवति रिंवते॰

रु॰ वधे गतौ च॰ रौ॰ ति॰ कवि॰

रु॰ रुह॰ शब्दे॰ गतिरेषणयोश्च॰ उ॰ भ्वा॰ आ॰

रुङ्॰ शब्दे॰ गतिरेषणयोश्च॰ उ॰ भ्वा॰ आ॰ रवते॰ क

रुच॰ हर्षप्रकाशयोः॰ रोचति॰ ते॰

रुचि॰ रोचने॰ अ॰ स्वइत्॰ रु॰ उभ॰

रुचि॰ दीप्तौ॰ अभिप्रीत्यां च॰ उ॰ स्वइत्॰ भ्वा॰ उभ॰

रुज॰ रोगे॰ रुजति॰ कविक॰

रुज॰ हिंसायां॰ चु॰ रोजयति

रुजि॰ पालने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

रुजो॰ ओ रुजो॰ भंगे॰ अ॰ उइत्॰ तु॰ प॰ रुजति॰ रोजयति॰ शब्द॰

रुट॰ भाषार्थः॰ चु॰ रोटयति इति गो॰

रुट॰ प्रतिघाते॰ दीप्तौ च॰ उ॰ स्वइत्॰ भ्वा॰ उभ॰ रोटति॰ ते॰

रुटि॰ स्तेये॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ कवि॰ रुण्टति रुंटयते धनं चौरेण

रुठ॰ प्रतिघाते अयः पतनेच॰ उ॰ स्वइत्॰ भ्वा॰ उभ॰ रोठति॰ ते॰

रुठि॰ स्तेये॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ रुंठति

रुठि॰ गत्यालस्यस्तेयप्रतिघातेषु॰ रुंठते॰ कविकल्पद्रुमः

रुदिर्॰ अश्रुविमोचने॰ उ॰ उइत्॰ अ॰ प॰ रोदिति [illegible] इति दुर्गादासः

रुध॰ कामे॰ [illegible]

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

रुधिर॰ ञिओरुधिर्·आवरणे·
अ·स्वइत्·रु·उभ·रुणद्धि·रुन्द्धे·
रुप॰ रुप·विमोहने·उ·उइत्·दि·प·रुप्यति·
रुवी॰ हिंसायां·उ·अइत्·भ्वा·आ·
रुश॰ हिंसायां·अ·उइत्·तु·प·रुशति·
रुशि॰ भाषार्थः·चु·रुंशयति
रुष॰ भ्रषायां हिंसायांच·उ·उइत्·
भ्वा·प·रोषति·
रुष॰ रोषे·उ·उइत्·दि·प·रुष्यति
रुष॰ रोषे·चु·रोषयति·
रुह॰ ञिऔरुह·बीजोजन्मनि·प्रा
दुर्भावेच·उ·उइत्·भ्वा·प·रोहति
रूप॰ रूपक्रियायां·चु·रूपयति
रूष॰ विस्फारणे·भूषायांच·अ
रूषत्·कविकः·रूषति
रूस॰ पारुष्ये·चु·रूसयति·रू
लापयति·

रेकृ॰ शंकायां·उ·अइत्·भ्वा·आ·रेकते·
रेखा॰ आजासादनयोः·कंड्वादिः·
रेजृ॰ दीप्तौ·रेजते·
रेटृ॰ परिभाषणे·उ·स्वइत्·भ्वा·उभ·रेटति·ते·
रेपृ॰ गतौ·भ्वा·उभ·कौ·रेपति·ते·
रेवृ॰ प्लवगतौ·उ·अइत्·भ्वा·आ·रेवते·
रेभृ॰ शब्दे·उ·अइत्·भ्वा·आ·रेभते·
रेवृ॰ प्लवगतौ·रेवते अनस्पापचः
रेखा॰ आज्ञा सादनयोः·कवि·
रेष॰ अव्यक्तशब्दे·अव्यक्तेशब्देच·
उ·उइत्·भ्वा·आ·रेषते·
रै॰ शब्दे·अ·भ्वा·प·रायति
रोडृ॰ अनादरे·रोडति·शब्दकल्प·
रोडृ॰ उन्मादे·उ·उइत्·भ्वा·प·रोडति
रोटृ॰ अनादरे·रोटति·कविकः·
रोडृ॰ अनादरे·रोडति·कविकः·

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

लक॰ आस्वादने॰ उपार्जने च॰ लाकयति मोदकं बालः
लख॰ गतौ॰ उ॰ उ इत्॰ आ॰ प॰ लखति
लखि॰ गतौ॰ दि॰ आ॰ लंख्यते॰
लघि॰ गतौ॰ उ॰ उ इत्॰ आ॰ प॰ लंघति॰ पाद्॰
लगि॰ गतौ सर्जने च॰ आ॰ प॰ लंगति
लगि॰ गतिवैकल्ये॰ लंग्यते॰ कु॰
लगे॰ संगे॰ उ॰ उ इत्॰ आ॰ प॰ लगति॰ लागयति॰ क॰
लछ॰ आस्वादने॰ लाछयति॰
लछ॰ संगे इत्येके॰ उ॰ उ इत्॰ आ॰ प॰ लछति
लघि॰ लंघने॰ भोजनाभावे॰ लंघते॰ लंघयति
लषि॰ शोषणे॰ अनशने गतौ च॰ उ॰ उ इत्॰ आ॰ उभ॰ लंघति॰ ते॰ इति हलायुधः

लछि॰ आशार्थः दीप्तौ इत्यर्थः चु॰ प्रेक्षणे लाभयति॰
लछ॰ भक्षणे॰ उ॰ उ इत्॰ आ॰ प॰ लछति
लज॰ प्रकाशे॰ चु॰ लाजयति॰
लज॰ व्रीडायां॰ लज्जते॰ क॰ वि॰ क॰
लज॰ भर्जने॰ उ॰ उ इत्॰ आ॰ प॰ लजति
लजि॰ भर्जने भर्त्सने च॰ उ॰ उ इत्॰ आ॰ प॰ लंजति॰ ते॰
लजि॰ हिंसाबलादाननिकेतनेषु॰ भाषार्थश्च॰ लंजयति लंजापयति
लञ्ज॰ भासने॰ क॰ लंजयति॰ लेजा
लट॰ बाल्यार्थेषु॰ उ॰ उ इत्॰ आ॰ प॰ लटति लोकः शिशुः कीर्ति हटति वेत्यर्थः दुर्गादासः
लड॰ विलासे॰ उ॰ उ इत्॰ आ॰ प॰ लडति
लड॰ उपसेवायां॰ चु॰ लाडयति लाडयति

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

लड॰ वीप्सायां·वीप्सात्र लाभेच्छा
लाडयते·कविके·
लड॰ उन्मंथने·जिह्वयोः उन्मंथनं
पी इनीभावः जिह्वारसा
स्वादः लडति ललाहृतं
लडयति
लड॰ उत्क्षेपे·लडयति·कविके·
लडि॰ भाषार्थः·चु·लंडयति·
लडि॰ ओलडि·उत्क्षेपणे·लंडयते·
लंडयति·लंडते·कविके·
लडि॰ जिह्वोन्मथने उ·उइत्·भ्वा·
प·कौ·
लन॰ दाने·सौत्रोयंधातुः
लप॰ व्यक्तायांवाचि·उ·उइत्·भ्वा·प·लपति
लबि॰ अवशब्दे·अवस्रंसनेऽपि·
उ·अइत्·भ्वा·आ·लंबते
लभ॰ डुलभष्·विमोहने·प्राप्तौ
च·लभ्यते·लभते·कवि·
लय॰ गतौ·लयति·ने·, ,कवि·

लर्ब॰ गतौ·उ·उइत्·भ्वा·प·लर्बति
लल॰ ईप्सायां·चु·लालयति धने·
लल॰ क्रीडाहास्ययोः ल ललति·
लष॰ स्पृहायां·भ्वा·उभ·लषति ते·
लष॰ स्पृहि·दि·उभ·लष्यति·लष्यते·
लष॰ शिल्पयोगे·लाषयति सुधीः·
लस॰ शिल्पयोगे·चु·लासयति·
लस॰ दर्शनांकनयोः·लसयति·
लस्ज॰ ओलस्जी·व्रीडायां·लज्जते·
ला॰ आदाने·दानेच·अ·अ·प·लाति
लाख॰ शोषणालमर्थयोः·उ·उइ
त्·भ्वा·प·लाखति·
लाघृ॰ सामर्थ्ये·उ·अइत्·भ्वा·
आ·लाघते·
लाछि॰ लक्षणे·उ·उइत्·भ्वा·प·
लाछि॰ चिह्ने·लांछति·लांछते·
लाज॰ प्रेरणे·चु·प·लाजयति
लाज॰ भर्जनभर्त्सनयोः·उ·उइ
त्·भ्वा·प·लाजति

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

लाजि॰ भर्जने भर्त्सने च·उ·उ·इन·भ्वा·प·लांजति

लाजि॰ लाभे·मरणे च·चु·कौ·

लाट॰ जीवने·चु·लाटयति कं·इदिः

लाडु॰ क्षेपे·चु·लाडयति·

लाभ॰ प्रेषणे·चु·लाभयति·

लिख॰ अक्षरविन्यासे·उ·उ·इन·तु·प·लिखति

लिख॰ गतौ·लेखति·भ्वा·

लिखि॰ गतौ·दि·आ·लिंखते

लिगि॰ चित्रीकरणे·गतौ च·लिंगति·कवि·लिंगयति·चु·

लिट॰ अल्पकुत्सनयोः·लिटति·

लिप॰ उपदेहे·अ·स·इन·तु·उभ·कै·लिपति·ते·

लिपि॰ लेपने·लिंपति·लिंपते·कै·

लिश॰ गत्यां·तु·प·कौ·लिशति

लिशो॰ अल्पीभावे·अ·अ·इन·दि·प·लिश्यते धर्मः कलौ।

लिह॰ गतौ·उ·उ·इन·भ्वा·आ·लेहते

लिह॰ आस्वादने·अ·स·इन·अ·उभ·लेढि लीढे

ली॰ श्लेषणे·क्र्या·लिनाति

ली॰ द्रवीकरणे·चु·लयति·लाययति लापयति लालयति लीनयति· शब्दकल्प·

लीङ॰ श्लेषणे·अ·दि·आ·लीयते

लुगि॰ वर्जने·भ्वा·प·कौ·लुंगति

लुच॰ अपनयने·उ·उ·इन·भ्वा·प·

लुचि॰ खंडने·वचोनिवारणे च·

लुचि॰ भावार्थः·चु·प·कौ·लुंचति·

लुजि॰ दीप्तिनिकेतनहिंसाबलदानेषु·लुंजयति·लुंजापयति· कविकल्प·

लुञ्च॰ अपनयने·उ·उ·इन·भ्वा·प·लुंचति·

लुट॰ विलासे·संनिधाने च·चु·

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

लुट॰ दीप्तौ॰ लोटयति॰ कवि ल॰
लुट॰ लोटे॰ उपघाते च॰ लुटति॰
कवि क॰
लुट॰ भासार्थः लौर्ये च लोटयति
लुड् लुड॰ विलोडने॰ दीप्ति प्रतिह
न्योः प्रतिहति॰ शोकादि
नापतनम् लोटने॰
लुटि॰ आलस्यगतिप्रेषणोडने
ष॰ उ॰ उइत्॰ भा॰ प॰ कविक॰
लुण्टति॰ लुण्टयति॰ लुंठ
लुठ॰ उपघातप्रतिघातयोः॰ भौ॰
उभ॰ लोठति॰ ने॰
लुठ॰ संक्लेशने॰ उ॰ उइत्॰ ने॰ प॰
लुंठ॰ स्तेये॰ उ॰ उइत्॰ भा॰ प॰ लुंठति॰ लु
ठयति इति दुर्गादासः
लुडि॰ आलस्ये प्रतिघाते गतौ
च॰ उ॰ उइत्॰ भा॰ प॰ लुंडति
लुड॰ विलोडने॰ उ॰ उइत्॰ भा॰ प॰
लोडति॰

लुड॰ संगाये स्मोभे च॰ लुडति॰ क॰
लुडि॰ उपसेवायां॰ तु॰ प॰ कौ॰ लु
ण्डयति
लुडि॰ स्तेये॰ भा॰ प॰ कौ॰
कवि॰
लुफ॰ अवक्षाचौर्ययोः॰ लुफति॰
लुफ॰ चौर्ये॰ तु॰ प॰ लुंफयति॰
लुथि॰ हिंसासंक्लेशनयोः॰ उ॰ उइ
त्॰ भा॰ प॰ लुन्थति
लुप॰ मोहने॰ उ॰ उइत्॰ दि॰ प॰ लु
प्यति
लुपिर्॰ आकुलीभावे॰ लुम्पति॰ अ॰
लुप॰ औलस्य॰ छेदने॰ अ॰ सइत्
न॰ उभ॰ लुंपति॰ ने॰
लुबि॰ अर्दने॰ चु॰ लुम्बयति
लुबि॰ अर्दनेहिंसनयोः॰ उ॰
उइत्॰ भा॰ प॰ लुम्बति
लुभ॰ गार्ध्ये॰ उ॰ उइत्॰ दि॰ प॰ लुभ्य
ति धनं लुब्धः
लुभ॰ विमोहने॰ लोभिता॰ लो
ब्धा॰ कवि॰ लुभति॰ इति शब्द

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

लुल॰ विलोडने॰ लोलति॰ ङिक
लुष॰ चौर्ये॰ चु॰ लोषयति॰
लुष॰ चौर्ये॰ भ्वा॰ प॰ लोषति॰ ङिक
लुस॰ हिंसायां॰ सौत्रोधातुः
लुह॰ गार्ध्ये॰ लोहति॰ कवि॰
लूञ्॰ छेदने॰ उ॰ क्र्या॰ उभ॰ लुनाति लुनीते
लूष॰ हिंसायां॰ स्तेयेच॰ चु॰ लूषयति
लूष॰ भूषायां॰ उ॰ उदन्त॰ भ्वा॰ प॰ लूषति
लूस॰ शब्दे॰ उ॰ उदन्त॰ भ्वा॰ उभ॰
लंब॰ स्थापने॰ लंबति॰ ङिक॰
लेट॰ दीप्तिचौर्यधौर्त्यस्वप्नस्वभावेषु॰ लेटति॰ लेटिता
लेप॰ गतौ याञ्चाच॰ लेपते॰
लेष॰ गमने॰ लेषति॰ लिलेष
३ लेला॰ दीप्तौ॰ लेलायति॰ कंड्वादि
१ लेख॰ स्खलने॰ लेखायति॰ कंड्वा
२ लेखा॰ स्खलने॰ लेखायति॰ कंड्वादि

लैण॰ गतौ॰ आकांक्षायांच॰ लैणति
लोकृ॰ दर्शने॰ उ॰ अइन्त॰ भ्वा॰ प॰ लोकते
लोकृ॰ भाषार्थः॰ चु॰ लोकयति लो
लोचृ॰ भाषार्थः॰ चु॰ लोचयति
लोचृ॰ दीप्तौ॰ ईक्षणे॰ लोचते कार्यं सुधीः कविक॰
लोट॰ दीप्ति॰ धौर्त्यस्वभावस्वप्नेषु॰ लोटति॰ कवि॰
लोटृ॰ दैविन्ये॰ लोटति
लोडृ॰ उन्मादे॰ उ॰ उदन्त॰ भ्वा॰ प॰ लोडति
लोढृ॰ उन्मादे॰ लोढति॰ अलुलोढत्॰ कवि॰
लोष्ट॰ संघाते॰ उ॰ उदन्त॰ भ्वा॰ आ॰ लोष्टते॰
लौडृ॰ उन्मादे॰ अलुलौडत्॰ कवि
ल्वी॰ श्लेषीकरणे॰ ल्विनाति॰
ल्वी॰ मिश्रणगमनयोः॰ ल्विनाति

वदि॰ कौटिल्ये॰ गतौ च॰ उ॰ अइन्त॰ भ्वा॰ आ॰ वंकते

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

वक्कु॰ गतौ॰ वक्कति॰ ते॰ कवि॰
वख॰ गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ वखति
वखि॰ गतौ॰ वंखति॰ ङिक॰
वगि॰ गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ वंगति
वघि॰ गत्याक्षेपे॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰ वंघते॰
वच॰ ओवच॰ परिभाषणे॰ चु॰ वाचयति॰
वच॰ भाषणे॰ अ॰ अ॰ प॰ वक्ति॰
वच॰ संदेशे॰ भ्वा॰ प॰ वचति॰ संदेशो वाचनं
वञ्चु॰ प्रलंभने॰ चु॰ आ॰ कौ॰ वञ्चयते
वञ्चु॰ गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ वंचति
वज॰ गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ वजति इति दुर्गादासः
वज॰ मार्गसंस्कारयोः मार्गसंस्कारमात्रेपि॰ चु॰
वट॰ ग्रंथे॰ चु॰ प॰ कौ॰
वट॰ वेष्टने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ वटति वृ वलनाइतिदुर्गा॰

वट॰ आचरणे॰ वंटनेचौरः चौरादि नेपकआतोन्यर्थः कवि॰
वटि॰ चौर्ये॰ सौत्रोयंधातुः
वटि॰ विभागे॰ वंटति॰ वंटयति॰ व
वठ॰ स्थौल्ये॰ वठति॰
वठि॰ स्थौल्ये॰ वंठति॰
वडि॰ विभाजने॰ चु॰ वंडयति
वडि॰ विभाजने॰ वेष्टनेच॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰ वंडते
वडु॰ आरोहणे॰ सौत्रोयंधातुः अ
वण॰ शब्दे॰ वणति॰ लुङि॰ अवाणीत् अवणीत्
वण॰ विभागे॰ चु॰ वंटयति॰
वण॰ शब्दार्थः उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
वद॰ व्यक्तायां वाचि॰ [illegible] उ॰ भ्वा॰ प॰
वद॰ वाक्संदेशयोः॰ वादयति॰ लिङि॰ उद्यात्
वद॰ वाक्संदेशयोः॰ भ्वा॰ उभ॰ वदति॰ ते

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

वदि॰ अभिवादनस्तुत्योः उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰ वंदते॰ वंद्यते॰ क॰

वध॰ वंधने॰ अ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰ वंधते

वन॰ शब्दार्थः उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

वन॰ व्याप्रोव्यापारे इत्यर्थः॰ वनति वनयति॰ वानयति॰ क॰

वन॰ याचने॰ वनुते॰ कविक॰

वन॰ अहोपहृतिज्ञातशब्दोपतापेषु॰ वनयति॰ वानयति॰ कविक॰

वप॰ गतौ॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰

वप॰ डुवप॰ बीजरोपणमुंडनमंत्रवायकर्मसु॰ वपति वपते॰ कविक॰

वभ्र॰ गतौ॰ वभ्रति॰ इतिडगी॰

वम॰ उद्गिरणे॰ वमति वमयति॰ वामयति॰ त्रु॰

वय॰ गतौ॰ वयते॰ कविक॰

वर॰ ईप्सायां॰ त्रु॰ वरयति

वरण॰ गतौ॰ कंड्वादिः

वर्च॰ गतौ॰ वर्चते॰

वर्च॰ दीप्तौ॰ वर्चति॰ वर्चयति

वर्ण॰ वर्णक्रियाविस्तारगुणवचनेषु॰ त्रु॰

वर्ण॰ रणे॰ वर्णने च॰ त्रु॰

वर्द्ध॰ छेदनपूरणयोः॰ त्रु॰ वर्द्धयति

वर्फ॰ गतिहिंसनयोः वर्फति॰

वर्ष॰ स्नेहने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ आ॰

वर्ह॰ प्राधान्यपरिभाषणहिंसाछादनेषु॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ आ॰ वर्हते॰

वर्ह॰ वधे॰ दीप्तौ च॰ वर्हयति

वल॰ आवरणछादनयोः॰ वल्लते

वल॰ संवरणे संचलने च॰ उ॰ अइत्॰ वलते॰ वलयति कविकल्प॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

वलि॰ शब्दे॰ भ्वा॰ आ॰ कौ॰
वल्ल॰ छेदने॰ स्तनीभावेच॰ वल्लयति॰ कविक॰
वल्क॰ परिभाषणे॰ चु॰ वल्कयति
वला॰ गतौ॰ भ्वा॰ प॰ वलाति॰
वल्गु॰ रुजा॰ माधुर्ययोः॰ वल्गूयति॰
वल्भ॰ भोजने॰ उ॰ अइन्॰ भ्वा॰ आ॰ वल्भते॰
वल्सल॰ वल्सल॰ खंडने॰ वल्सलयति॰
वल्ह॰ संवरणेच॰ उ॰ अइन्॰ भ्वा॰ आ॰ वल्हते धनं लोकः संहरणोतीत्यर्थः इति दुर्गादासः॰
वल्ह॰ प्राधान्य परिभाषण हिंसा स्वादनेषु॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ आ॰ वल्हते॰
वल्ह॰ भाषार्थः॰ चु॰ वल्हयति॰
वल्ह॰ विधि॰ वल्हयति॰ कविक॰
वश॰ कान्तौ॰ कांतिरिच्छा॰ उ॰ उइन्॰ अ॰ प॰ वष्टि धनं लोकः
वष॰ हिंसायां॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰ वषति

वष्क॰ गतौ॰ दर्शनेच॰ वष्कते॰ वष्कयति॰ कवि॰ वसति॰
वस॰ स्नेहन छेदापहरणेषु॰ चु॰ वासयति॰
वस॰ ओवस॰ निवासे॰ अ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰ वसति॰ वसयति
वस॰ आच्छादने॰ उ॰ अइन्॰ अ॰ आ॰ वस्ते॰
वस॰ स्तम्भीभावे॰ वस्यति॰ अवसत्॰ अवासीत् अवसीत्
वसि॰ स्तंभे॰ उ॰ उइन्॰ दि॰ प॰
वस्क॰ गत्यर्थः॰ उ॰ अइन्॰ भ्वा॰ आ॰ वस्कते
वस्त॰ गतौ॰ वस्तयति॰
वस्त॰ अर्द्द नेगंधेच॰ चु॰ वस्तयते
वह॰ प्रापणे॰ अ॰ स्वइन्॰ भ्वा॰ उभ॰ वहति॰ ते॰
वहि॰ दीप्तौ॰ वंहयति॰
वहि॰ वृद्धौ॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ आ॰ वंहते॰
वह॰ रोषसंहत्योः॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰ वहति॰
वा॰ गतिगंधनयोः॰ अ॰ अ॰ प॰ वाति

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

वा॰ सुथाम्निगतिसेवासु॰ वाययति
वा॰ गतिकांन्यसनखाद्नेषु॰ अ
अ॰ प॰ वाति॰
वाउ॰ आसावो॰ उ॰ अइत॰ भ्वा॰ आ॰ वाइते॰
वात॰ सुखसेवनगतिषु॰ चु॰ वातयति
वाध॰ दुःखदाने॰ वाधते॰
वाधृ॰ हिंसायां॰ वाधते॰
वाष्ट्र॰ संभक्तौ॰ वाणोइति॰ वाष्टते॰
वाष्टृ॰ परिताखोकारे॰ वाष्ट्यते
वाश्टृ॰ शब्दे॰ चटकाशब्देच॰ वाश्य
ते॰ कविक॰
वास॰ उपसेवायां॰ चु॰ वासयति
वाह॰ प्रयत्ने॰ उ॰ उइत॰ भ्वा॰ आ॰
वाहते॰ पवर्गीयवादिरि
वाह्री॰ कामे॰ कवि॰
वाह्नि॰ कांतायां उ॰ उइत॰ भ्वा॰ प॰ वांछति॰
विचिर्॰ पृथक्भावे स॰ उ॰ प॰
वेवेक्तिवेविक्ते सूलोन्तर्पटि
नः पृथक्त्वादिन्यर्थः

विछ॰ गतौ॰ भ्वा॰ उइत॰ तु॰ प॰ विच्छति
छ्यति॰ विच्छापयति॰ ते॰ विच्छयं
विच्छ॰ भाषार्थे॰ चु॰
विज॰ निशामने॰ चु॰
विजिर्॰ ओविजिर्॰ पृथक्भावे॰ उ॰
स्वइत॰ जु॰ उभ॰ विवेक्ति॰ वेविक्ते
विजी॰ ओविजी॰ भयचलनयोः॰
उ॰ अ॰ तु॰ आ॰ विजते विन
क्ति॰ के॰
विट॰ आक्रोशे॰ विटयति॰
विट॰ शब्दे॰ वेटते॰
विट॰ आक्रोशे॰ विटति॰ कवि॰
विड॰ आक्रोशेविभागेच॰ वेडति
विन॰ विन॰ परित्यागे विनयति॰
विनाययति॰
विष्टृ॰ गतौयाचनेच॰ उ॰ अइत॰
भ्वा॰ आ॰ वेथते॰
विद॰ ज्ञाने॰ उ॰ उइत॰ अ॰ प॰ वेत्ति
विद॰ ज्ञानवासनाराख्याने चु॰ ...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

विद॰ सत्तायां॰ अ॰ अइन्॰ अ॰ प॰ वेत्ति
विद॰ सत्तायां॰ दि॰ आ॰ कौ॰ विद्यते॰
विद॰ विचारणे॰ अ॰ अइन्॰ रु॰ आ॰
विद॰ चेतनाख्याननिवासेषु॰ चु॰ वेदयते॰
विदी॰ विचारणे॰ अ॰ अइन्॰ रु॰ आ॰
विदॢ॰ औविदॢ॰ लाभे॰ अ॰ स॰ न॰ उ भ॰ विन्दति॰ ते॰
विध॰ वेधे॰ क्षेपेच॰ वेधयति॰ क॰
विध॰ विधाने॰ उ॰ उइन्॰ न॰ प॰ विधति
विप॰ शरादिवत्निक्षेपे॰ वेपयति॰
विल॰ क्षेपे॰ भेदनेच॰ चु॰ वेलयति
बिल॰ संवरणे॰ भेदेपि॰ उ॰ उइन्॰ न॰ प॰ बिलति॰
विश॰ प्रवेशने॰ उ॰ उइन्॰ न॰ प॰ विशति
विष॰ औविष॰ विप्रयोगे॰ उ॰ उइन्॰ क्र्या॰ प॰ विष्णाति विषि ति ट्रिक॰

विषु॰ सेचने॰ उ॰ उइन्॰ भ्वा॰ प॰ वेषति
विष्क॰ दर्शने॰ विष्कयति॰ चु॰
विष्क॰ हिंसायां॰ चु॰ आ॰
विष्लृ॰ व्याप्तौ॰ अ॰ स॰ जु॰ उभ॰ वेवेष्टि वेविष्टे॰
विस॰ निक्षेपे॰ विस्यति
वी॰ गतौ॰ वेति॰
वी॰ गतिव्याप्तिजननकान्त्यसनखादनेषु॰ वेति॰
वीज॰ व्यजनेन वीजने॰ वेजयति चु॰
वीभ॰ प्रशंसायां॰ वीभते॰
वीर॰ विक्रान्तौ॰ दर्शनेच॰ वीरयति॰ चु॰
वुगि॰ गमनार्थमाज्ञाग्रहणे॰ वुं॰
वुगि॰ भोगे॰ वुग्यते॰ कवि॰ वेङ्गादे॰ गति
वुट॰ हिंसायां॰ वोटयति॰
वुधि॰ हिंसायां॰ वुंधयति॰
वुस॰ उत्सर्गे॰ उ॰ उइन्॰ दि॰ प॰ वुस्यति
वुस्त॰ आदरानादरयोः॰ चु॰
वृष॰ हिंसायां॰ वृषयति॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

वृक॰ आदाने॰उ॰अइत्॰भ्वा॰आ॰ वृकते

वृङ्॰ संभक्तौ॰उ॰क्र्या॰आ॰ वृणीते

वृञ्॰ वरणे॰उ॰उइत्॰रु॰प॰ वृणोति

वृजि॰ त्यागे॰ वृंज्यते॰ कविक॰

वृजी॰ त्यागे वृजैाच॰ वृणक्ति॰

वर्जि वृज्यते॰ क॰

वृजी॰ त्यागे॰ वृजे॰

वृजी॰ त्यागे वृंजेच॰ वर्जति व वृंजेय

वृजी॰ वर्जने॰उ॰उइत्॰रु॰प॰

वृञ्॰ आवरणे॰चु॰उभ॰ वारयति॰

ते॰ वृणोति॰ वृणुते॰

वृञ्॰ वरणे॰उ॰क्र्या॰उभ॰

वृजी॰ वर्जने॰उ॰उइत्॰अ॰आ॰

वृजी॰ वर्जने॰चु॰प॰

वृणु॰ अदे॰ वृणोति॰ वर्णोति॰

वृणुते॰ वर्णुते॰ क॰

वृण॰ हर्षभोजनेच॰ वृणाति व र्णाति॰

वृत॰ हीसो॰ वर्तयति॰

वृती॰ संभक्तौ॰ वर्णेइतिच॰ वृत्यते

वृत॰ वर्तने॰उ॰अइत्॰भ्वा॰आ॰ वर्तते॰

वृध॰ वारणे॰उ॰अइत्॰दि॰आ॰ वृत्यते॰

वृधु॰ भाषार्थः॰चु॰

वृधु॰ भाषार्थः॰चु॰ वर्धयति

वृधु॰ वृद्धौ॰भ्वा॰उभ॰कौ॰ वर्धते

वृश॰ वरणे॰उ॰उइत्॰दि॰प॰ वृश्यति

वृष॰ शक्तिबंधने प्रजनैश्वर्यच॰ चु॰

वर्षयति॰ ते॰ प्रजनो गर्भग्रह

णं॰ ऐश्वर्यमैश्वर्यम्॰

वृष॰ वरणे॰दि॰प॰कौ॰

वृष॰ संघर्षणे॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰ वर्षति

वृषु॰ सेचने॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰ वर्षति

वृह॰ वृद्धौ॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰ वर्हति

वृहि॰ वृद्धौ॰उ॰उइत्॰भ्वा॰प॰ वृंहति

वृहि॰ हिंसायां॰रु॰प॰कौ॰

वृहि॰ भाषार्थः॰चु॰ वृहति इतिदृक्॰

वृहू॰ उद्यमने॰उ॰उइत्॰तु॰प॰ वृहति

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

वृङ्॰ वरणे॰ उ॰ उइत॰ भ्वा॰ ग्रा॰ वृणुते
वृ॰ वरणे॰ उ॰ ऊा॰ प॰ वृणाति॰
वे॰ तन्तुसंताने॰ वयति॰ ते॰ ऊिकः
वेथृ॰ याचने॰ वेथते॰ कवि॰
वेञ्॰ तंतुसंताने॰ ग्र॰ भ्वा॰ ग्रा॰
वेट्॰ धौर्त्यस्वप्नेच॰ कंड्वादिः
वेणृ॰ गतिज्ञानचिन्तानिशामन
वादित्रग्रहणेषुच॰ उस्वः भ्वा॰
उभ॰ वेणति॰ ते॰
वेथृ॰ याचने॰ उ॰ ग्रइत॰ भ्वा॰ ग्रा॰ वेथते
वेद॰ धौर्त्ये॰ स्वप्नेच॰ वेदायति॰ कंड्वा॰
वेन॰ गतिज्ञानचिंतानिशामनवा
दित्रग्रहणेषु॰ वेनति
वेपृ॰ टुवेपृ॰ कंपने॰
वेल॰ कालोपदेशे॰ चु॰ प॰ कवि॰
२ वेल्ल॰ कंपनचलनयोः॰ वेल्लति
१ वेलृ॰ चलने॰ कंपनेच॰ उ॰ उइत॰
भ्वा॰ प॰ वेलति

वेवीङ्॰ वेतनातुल्ये॰ उ॰ ग्र॰ ग्रा॰ वेवीते
वेष्ट॰ वेष्टने॰ उ॰ ग्रइत॰ भ्वा॰ ग्रा॰ वेष्टते
वेसृ॰ गतौ॰ विवेसत॰ विवेसतुः॰ कः॰
वेसृ॰ गतौ॰ वेसति॰
वेहृ॰ प्रयत्ने॰ उ॰ उइतः॰ भ्वा॰ ग्रा॰ वेहते
वेह्ल॰ गतौ॰ कंपनेच॰ वेह्लति॰
वै॰ ओवै॰ शोषणे॰ वायति॰
व्यच॰ व्याजीकरणे॰ संबंधेच॰ उ॰ उइ
तः॰ तु॰ प॰ व्यचति॰ विचति
शत्रुं बुधः छलेकरोतीत्यर्थः
व्यथ॰ व्यथने॰ उ॰ ग्रइत॰ भ्वा॰ ग्रा॰
व्यथते॰ व्यथयति
व्यथ॰ दुःखे॰ भये॰ कंपेच
व्यध॰ ओव्यध॰ ताडने॰ उ॰ उइत॰ दि॰
प॰ विध्यति शत्रुं शूरः॰ व्याधयति
व्यय॰ वित्तसमुत्सर्गे॰ चु॰ व्याययति
व्यय॰ गतौ॰ उ॰ स्वइत॰ भ्वा॰ उभ॰ व्य
यति॰ व्ययते॰ व्यययति व्याय
यति

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

क्षुध॰ ताडे॰ विभागेच॰ उ॰ उइत॰ दि॰
प॰ क्षुध्यति क्षुधयति क॰
क्षुड्॰ मर्द्दे॰ भ्वा॰ आ॰ कौ॰
क्षुस॰ गमनार्थमात्रग्रहणे॰ अ
उपस्थितौच॰ क्षुसति॰
क्षेम्॰ संवरणे॰ अ॰ भ्वा॰ उभ॰ क्ष
यति॰ क्षयते॰
व्रज॰ गतौ॰ भ्वा॰ प॰ कौ॰ व्रजति
व्रज॰ संस्कृतौ गतौच॰ व्राजयति
व्रण॰ गात्रविचूर्णने॰ चु॰ व्रणयति
व्रण॰ शब्दार्थः॰ उ॰ उइत॰ भ्वा॰ प॰ व्रणति
व्रत॰ बंधने॰ व्रततिर्लताहेतु॰
व्री॰ आवरणे॰ वारणेच॰ अ॰ क्र्या॰
प॰ व्रीणाति॰ व्रीणीते॰ व्रीयते
इतिकविकल्प॰
व्रीड्॰ क्षेपेजल्पेच॰ व्रीड्यति॰ कवि॰
व्रीड॰ गतौ॰ व्रीडयते॰ कविक॰
व्रीड॰ लज्जायां॰ चोदनेच॰ व्रीड्यति॰

व्रीस॰ वधे॰ ताडनेच॰ व्रीसयति॰ चै॰ चौरादि॰
व्रुड॰ मज्जनावरणयोः॰ संघ
ते॰ उ॰ उइत॰ तु॰ प॰ व्रुडति
व्रूस॰ हिंसायां॰ चु॰ व्रूसति॰ व्रूसयति
व्ली॰ परिवरणच्छादनगतिषु॰ व्लीनाति
व्लेक्ष॰ दर्शने॰ व्लेक्षयति॰

शक॰ विभावितोमर्षणे॰ अ॰ उइ
ते॰ दि॰ प॰
शक॰ विभागे॰ लुङि॰ अशा
कीत्॰ अशाकीत्॰ शक
ने॰ लृटि॰ शकिष्यति॰ श
क्ष्यति॰ क॰
शकि॰ शंकायां॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰
शकि॰ दाम॰ हिंसयोः॰ शंकते॰ शं
कते॰ कविक॰
शक्लृ॰ शक्तौ॰ अ॰ स्वा॰ प॰ शक्नोति
शच॰ व्यक्तायांवाचि॰ उ॰ अइत्॰
भ्वा॰ आ॰ शचते॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

शचि॰ गत्यां॰ शंचते॰

शट॰ शादेशीर्णौगतौरुजौ॰च॰
कविक॰ शटति॰

शाट॰ श्लाघायां॰चु॰शाटयति॰

शठ॰ संस्कारगत्योःसम्यगव
भाषणेच॰चु॰शठयति॰शा
ठयति॰ शाठयते॰
शठति

शठ॰ कैतवे॰उ॰उदन॰भ्वा॰प॰

शडि॰ रुजायांसंघातेच॰उ॰अद
न॰भ्वा॰आ॰ शंडते

शण॰ दानेगतौच॰उ॰उदन॰भ्व॰
प॰ शणति

शाण॰ दाने॰चु॰शाणयति॰कवि॰

शदू॰ गतौ॰आङ्॰ह्वोये॰आशी
यते॰ आशात्॰ कवि॰

शद्लृ॰ शातने॰अ॰उदन॰भ्व॰प॰

शद्लृ॰ शातने॰उ॰उदन॰भ्वा॰प॰

शप॰ आक्रोशे॰अ॰स्वदन॰दि॰उभ॰
शप्यति॰ ने॰

शप॰ आक्रोशे॰अ॰स्वदन॰भ्वा॰उभ॰
शपति॰ ने॰

शब॰ गतौ॰उ॰उदन॰भ्वा॰प॰शबति

शंब॰ बंधने॰चु॰शम्बति॰क॰शंब
यति

शब्द॰ शब्दक्रियायां॰चु॰शब्दयति

शम॰ अवैक्लव्ये॰उ॰उदन॰भ्वा॰प॰

शम॰ आलोचने॰चु॰शामयति॰
शामयति

शमु॰ उपशमे॰उ॰उदन॰दि॰प॰शाम्य
ति

शंच॰ चंमने उ॰शांचयति॰ शंचति॰ गं॰

शर्ब॰ हिंसायां॰शर्बति॰

शर्व॰ गतौ॰उ॰उदन॰भ्वा॰प॰शर्व
ति

शर्व॰ हिंसायां॰उ॰उदन॰भ्वा॰प॰
शर्वति॰

शल॰ श्लाघायां॰शालयति॰ ने॰
पंडितंधीरः कविक॰

शल॰ वेगे॰चलनसंवरणयोश्च
उ॰अदन॰भ्वा॰उभ॰शलति
ने॰क॰

शल॰ चलनेकंपे वेगःशालयति
च

शल्भ॰ कथने॰उ॰अदन॰भ्वा॰आ॰श
ल्भते

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

शव॰ गतिशातनयोः विकारे च॰ शवति॰

शश॰ प्लुतगतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ शशति

शसु॰ हिंसायां॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

शष॰ हिंसार्थः॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ शषति

शस॰ वधे॰ शसित्वा॰ शस्त्वा॰ कवि॰ शसति॰

शंस॰ स्तुतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ शंसति

शंसु॰ हिंसास्तुत्योः आशंसने च॰

शाखृ॰ व्याप्तौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ आ॰ शाखते

शाट॰ श्लाघने॰ शाटते॰ शाडते

शाडृ॰ श्लाघायां॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰

शान॰ तेजने॰ स्वइत्॰ भ्वा॰ उभ॰ शिशांसति॰ ते

शान्त्व॰ अवलंबने॰ शान्त्वयति॰

शार॰ दौर्बल्ये॰ शारयति॰

शाल्ऋ॰ कत्थने॰ शालते॰ लुङि॰ अशशालत्॰

शासु॰ अनुशिष्टौ॰ उ॰ उइत्॰ अ॰ प॰ शास्ति आङ्पूर्वः आशास्ते॰ आशासते॰ इति शब्द

शिखि॰ गतौ॰ शिंखति॰ शिंखति

शिघि॰ आघ्राणे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰

शिजि॰ अव्यक्ते शब्दे॰ उ॰ अइत्॰ अ॰ आ॰ शिंक्ते॰

शिञ्॰ निशाने॰ अ॰ स्वा॰ उभ॰ शिनोति॰ ते॰

शिट॰ अनादरे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ शेटति

शिल॰ उञ्छे॰ उ॰ उइत्॰ तु॰ प॰ शिलति

शिष॰ हिंसार्थः॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ शेषति

शिष॰ विशेषे॰ उपांजनम्॰ लुङि॰ अशिषत्॰ कविकल्प॰ (विशेषः)

शिष॰ असर्वोपयोगे॰ अवशिष्टं करोतीत्यर्थः॰ चु॰ शेषयति शेषति यशोराशिं लोकः॰ (असर्वोपयोगः परिशेषीकरणं)

शिष्लृ॰ विशारणे विशेषणे च॰ अ॰ उइत्॰ रु॰ प॰ शिनष्टि॰

शिक्ष॰ विद्योपादाने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ आ॰

शिक्ष॰ सर्वविषय शिक्षणे॰ शिक्षते॰ कविकल्प॰

शीक॰ भाषार्थः॰ चु॰ शीकते॰ शीकयति॰

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

शीक॰ आमर्षे सेके च॰ कवि॰ क॰
शीकति॰ शीकयति
शीकृ॰ सेके गतौ च॰ शीकते॰ शे
कते॰ शेकयते॰ लुङि॰ अ
शिशीकत
शीङ्॰ स्वप्ने॰ उ॰ अ॰ आ॰ शेते
शीभृ॰ कत्थने॰ कथने च॰ उ॰ उ
दन॰ शीभते॰ भ्वा॰ आ॰
शील॰ अभ्यासे॰ शीलयति॰ क॰
शील॰ समाधौ॰ उ॰ उदन॰ भ्वा॰ प॰ शीलति॰
शील॰ उपधारणे॰ चु॰
शुक॰ सर्पणे॰ शोकति॰ गत्यर्थो॰ क॰
शुच॰ शोके॰ उ॰ उदन॰ दि॰ प॰ शुच्यति
शुच॰ पोते॰ शोचति॰ चु॰ शोचयति॰
शुचिर्॰ इ॰ शुचिर्॰ पाते॰ शोचति
ते॰ लुङि॰ अशुचत्॰ क॰
शुच्यी॰ अभिषवे॰ उ॰ उदन॰ भ्वा॰ प॰ शुच्यति
शुट॰ लोटने॰ शुटति प्रतिघाते न॰
शुठ॰ आलस्ये॰ चु॰ शोठयति हृदः
शोठति क्रियासु मंदः स्यादि
त्यर्थः
शुठि॰ शोषणे॰ चु॰ शुंठयति
शुठि॰ गतिप्रतिघाते॰ समायोच॰
चु॰ प॰ कौ॰ शुंठति॰ शुंठयति
शुठी॰ लोटने॰ लोटनं गत्याघातः
शुढि॰ शोषणे॰ उ॰ उदन॰ भ्वा॰ प॰
शुढी॰ लोटने॰ शुढते॰ कवि॰
शुण॰ गतौ॰ शुणति
शुध॰ औशुधृ॰ शौचे सज्ञायां च॰
शुध्यति॰ शुध्यते॰ कवि॰
शुध॰ शुद्धौ॰ उ॰ उदन॰ भ्वा॰ प॰ शोधति
शुन॰ गतौ॰ उ॰ उदन॰ तु॰ प॰ शुनति
शुन्ध॰ शुद्धौ॰ शुंधति॰ ने॰ कौ॰ शुं
धयति॰ ने॰ शब्द॰
शुभ॰ दीप्ति॰ यशो हिंसने भु॰ उ॰ उ
दन॰ भ्वा॰ उभ॰
शोभति॰ ने॰ शुभति॰ शब्द॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

शुंभ॰ शोभनार्थे॰ उ॰ उइत्॰ तु॰ प॰
शुंभति॰ कवि॰
शुंभ॰ दीप्तिहिंसनयो रित्येके चित्
शुध॰ शौचकर्मणि॰ चु॰
शुल॰ माने॰ चु॰
शुल्क॰ अतिसर्जने॰ चु॰ शुल्कयति
शुल्व॰ माने॰ चु॰ शुल्वयति॰ चु॰
शुष॰ शोषणे॰ दि॰ प॰ शुष्यति
शूर॰ विक्रान्तौ॰ चु॰ शूरयते
शूरी॰ हिंसास्तंभनयोः दि॰ आ॰ शूर्यते॰
शूर्प॰ माने॰ चु॰ शूर्पयति धान्यं गृ
हीइति दुर्गादासः
शूल॰ रुजायां संघाते च॰ उ॰ उइ
त्॰ भा॰ प॰ शूलति लोके
रोगः इति दुर्गादासः
शूष॰ प्रसवे॰ उ॰ उइत्॰ भा॰ प॰ शूषति
शृ॰ हिंसायां॰ उ॰ क्रा॰ प॰ शृणाति इत्य शाकटायनि
शृधु॰ उन्दे॰ दंउने च॰ उ॰ ऋइत्॰ भा॰

शृधु॰ शब्दकुत्सायां॰ उ॰ ऋइत्॰ भा॰ शर्धते
शृधु॰ क्लेदने॰ हसने॰ पर्दे च॰ शर्ध
यति॰ शर्द्धते॰ कवि॰
शॄ॰ हिंसायां॰ कविक॰ शृणाति॰
विशृर्वः विशीर्यते॰ शाब्दिक
शेल॰ गतौ॰ शेलति॰
शेवृ॰ सेवने॰ भा॰ प॰ कौ॰
शै॰ पाके॰ भ्व॰ भा॰ श्रा॰ शायते
शो॰ तनूकरणे॰ ग्रा॰ दि॰ प॰ श्यति
शोण॰ रक्तवर्णे॰ गतौ च॰ शोणति॰
शौट॰ गर्वे॰ लुङि॰ अशुशौटत्॰
शौटिन्डीरः कविक॰
शौडृ॰ गर्वे॰ लुङि॰ अशुशौडत्॰ शौ
डीरः कविक॰
श्चोट॰ गर्वे॰ उ॰ ऋइत्॰ भा॰ प॰
श्चुतिर्॰ क्षरणे॰ उ॰ उइत्॰ भा॰ प॰
श्चोतति॰
श्मील॰ निमेषणे॰ उ॰ उइत्॰ भा॰ प॰
श्मीलति॰

पर्द॰ अ पानोत्स॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

श्यैङ्॰ गतौ॰ उ॰ भ्वा॰ आ॰ श्यायते
श्रकि॰ गत्यर्थः उ॰ श्रइत्॰ भ्वा॰ आ॰ श्रङ्कते
श्रगि॰ गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ श्रङ्गति
श्रच॰ मोक्षणे॰ हिंसायां च॰ चु॰ प॰ कौ॰
श्रण॰ दाने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ श्रणति
श्रण॰ दाने॰ चु॰ श्राणयति॰ श्राणयति
श्रथ॰ हिंसायां॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ श्रथति
श्रथ॰ दौर्बल्ये॰ मोक्षणे प्रयत्ने च॰ चु॰ श्रथयति॰
श्राथयति॰ कौ॰
श्रथ॰ प्रतिहर्षे प्रस्थाने च॰ चु॰
श्रथि॰ शैथिल्ये॰ श्रंथते श्रंथ्यते
श्रन्भु॰ विश्वासे॰ श्रम्भते प्रमोमति
श्रंथ॰ विमोचनप्रतिहर्षयोः॰ संदर्भे च॰ उ॰ उइत्॰ क्र्या॰ प॰ श्रथ्नाति॰
श्रंथ॰ संदर्भे॰ बधे च॰ श्रंथति
श्रंथ॰ संदर्भे॰ बधे च॰ श्रंथयति॰ कौ॰

श्रंभु॰ प्रमादे॰ उ॰ श्रइत्॰ भ्वा॰ आ॰ श्रंभते
श्रम॰ तपसि खेदे च॰ उ॰ उइत्॰ दि॰ प॰ श्राम्यति
श्रमिर्॰ तपःखेदयोः श्राम्यति लोकः तपः करोति खिद्यति वेत्यर्थः
श्रा॰ पाके॰ भ्वा॰ प॰ कौ॰ श्रपयति श्रापयति॰ ऽकलनेगौ
श्रा॰ पाके॰ अ॰ अ॰ प॰ श्राति
श्राम॰ आह्वाने॰ श्रामयति॰
श्राम्॰ आमन्त्रीकरणे॰ गुणकथने च॰ चुरादि॰ श्रामयति
श्रिञ्॰ सेवायां॰ श्रयति॰ ते॰
श्रिषु॰ दाहे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ श्रेषति श्रेषिता॰ श्रेष्टा॰ कचित्॰
श्रीञ्॰ पाके॰ उ॰ क्र्या॰ उभ॰ श्रीणाति श्रीणीते
श्रु॰ गतौ॰ श्रवति॰ कौ॰ भ्वा॰ प॰
श्रु॰ श्रवणे॰ उ॰ स्वा॰ प॰ शृणोति

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

श्रै· स्वेदे· पाके च· कौ· श्रायति·

श्रै· पचने· चु· श्रपयति· कवि·

श्रै· तृप्तौ· भ्वा· उभ· कौ·

श्रोणृ· संघाते· वर्णगत्योश्च उ· उइत्· भ्वा· प· श्रोणति·

श्लकि· गत्यर्थः उ· अइत्· भ्वा· आ· श्लङ्कते·

श्लगि· गत्यर्थः उ· उइत्· भ्वा· प· श्लङ्गति

श्लथ· दौर्बल्ये· श्लथयति·

श्लाखृ· व्याप्तौ· उ· उइत्· भ्वा· प· श्लाखति

श्लाघृ· कत्थने· उ· अइत्· भ्वा· आ· श्लाघते·

श्लिष· श्लिषोश्लिषः आलिङ्गने· अ· उइत्· दि· प· श्लिष्यति·

श्लिष· श्लेषणे· चु· श्लेषयति

श्लिषु· दाहे· भ्वा· प· श्लेषति

श्लिषु· दाहे· उ· उइत्· ·प· श्लेषति

श्लेवृ· सेचने· उ· अइत्· भ्वा· आ·

श्लोकृ· सर्जने· वर्जने· संघाते च· संघातः छंदोविशिष्टवाक्यवचनम् उ· अइत्· भ्वा· आ· श्लोकते

श्लोणृ· संघाते· उ· उइत्· भ्वा· प· श्लोणति

श्वकि· गत्यर्थः उ· अइत्· भ्वा· आ· श्वङ्कते

श्वगि· गतौ· श्वङ्गति

श्वच· गतौ· उ· अइत्· भ्वा· आ· श्वचते·

श्वच· सम्यक्भाषणे· चु·

श्वचि· गतौ उ· अइत्· भ्वा· आ· श्वञ्चते

श्वज· गतौ· श्वजते·

श्वञ्जि· गतौ· श्वञ्जति· श्वञ्जते·

श्वठ· असंस्कारगत्योः चु· श्वठयति· श्वाठयति

श्वठि· गतौ· श्वण्ठतिजनः कवि· श्वण्ठयति

श्वडि· असंस्कारगत्योः इत्येके·

श्वभ्र· गत्यां धीकारो दैत्ये· चु· श्वभ्रयति·

श्वर्त· गत्यां· चु· श्वर्तयति·

श्वल· आशुगमने· उ· उइत्· भ्वा· प· श्वलति

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

षल्क॰ परिभाषणे॰ तु॰ सल्क
षल॰ आशुगमने॰ उ॰ इ॰ पति
न॰ भा॰ प॰ सलति
षस॰ स्वपने॰ अ॰ प॰ कौ॰
षल॰ विश्रामे भाषणेच॰ स्वलिति
षस॰ स्वप्ने॰ अदादि॰ क॰ सस्ति॰
षिञ्॰ तृशोषि॰ गति हृष्टोः
षिल॰ आवरणे॰ उ॰ सइत्॰ भा॰
आ॰ सेलने॰
षिदि॰ सेनने॰ उ॰ उइत्॰ भा॰ आ॰
सिंदने
ति
षृ॰ हिंसायां॰ सृणोति सृणा

षगे॰ संवरणे॰ उ॰ उइत्॰ भा॰ प॰
सगति॰
षघ॰ हिंसायां॰ सघ्नोति॰ कै॰
षच॰ सेचने॰ सेवनेच॰ उ॰ अइत्॰
भा॰ आ॰ सचते॰ जलंमेघः
सैं
षच॰ समवाये॰ अ॰ सइत्॰ भा॰ उभ
सचति॰ ते॰

षंच॰ सेचने॰ गतौच॰ संचति॰
षंज॰ संगे॰ अ॰ उइत्॰ भा॰ प॰ सजति
वधूष्विवास॰

षट्ट॰ संगे॰ सट्टति ते॰ शाठ॰
षट॰ अवयवे॰ उ॰ उइत्॰ भा॰ प॰
सटति॰
षहि॰ हिंसायां॰ तु॰ सहति॰ षट॰ अव यवीसान
षह॰ निकेतनेहिंसा नावसले
अ॰ सहति लोकः निवस
निदंति वल्मीसान दधाति
वा इतिकविकल्पद्रुमः
षण॰ संभक्तौ॰ उ॰ उइत्॰ भा॰ प॰
सणति गृहं लोकः इतिउ
णंदासः
षणु॰ दाने॰ उ॰ स्वइत्॰ त॰ प॰ स
नोति॰ सनुते॰
षद॰ गतौ॰ आङ् स्वौंच आसाद
ति आसादयति॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

षद॰ मर्षणे॰ उ॰ अइन॰ भ्वा॰ आ॰
षद्लृ॰ औषद्लृ॰ विशरणगत्यवसा
दनेषु उ॰ उइन॰ भ्वा॰ प॰ सीदति
षद्लृ॰ विशरणगत्यवसादनेषु॰
अ॰ उइन॰ तु॰ प॰
षध॰ हिंसायां॰ उ॰ उइन॰ स्वा॰ प॰ सध्नोति
षनु॰ संभक्तौ॰ सनोति॰ सनुते॰
षप॰ समवाये॰ उ॰ उइन॰ भ्वा॰ प॰ सपति
षम्ब॰ संबंधे॰ चु॰ सम्बति॰
षम॰ वैक्लव्ये॰ कविक॰ समति॰
समयति॰ शब्दक॰
षम्ब॰ सर्पणे॰ सम्बति॰ सम्बयति॰ कं॰
षर्ज॰ अर्जने॰ उ॰ उइन॰ भ्वा॰ प॰ स
र्जति॰ सर्जयितेति इति दुर्गा
षर्ब॰ गतौ॰ सर्बति॰ क॰
षर्व॰ गतौ॰ उ॰ उइन॰ भ्वा॰ प॰ सर्वति
षर्ज॰ अर्जने॰ चु॰
षर्ब॰ गतौ॰ भ्वा॰ प॰ कौ॰

षल॰ गतौ॰ उ॰ उइन॰ भ्वा॰ प॰ सलति
षस॰ स्वप्ने॰ उ॰ उइन॰ अ॰ प॰ सस्ति
षस्ज॰ सर्पणे॰ सज्जति॰ क॰
षल॰ गतौ॰ उ॰ उइन॰ अ॰ प॰
षस्ति॰ स्वप्ने॰ उ॰ उइन॰ अ॰ प॰ संस्ति
संस्तयते इति दुर्गादा॰
षह॰ सहने॰ भ्वा॰ आ॰ सहते
षह॰ मर्षणे॰ चु॰ साहयति
षह॰ मर्षणे॰ भ्वा॰ प॰ कौ॰ सहति
सह्यति इति शब्दकल्प॰
षाध॰ संसिद्धौ॰ अ॰ स्वा॰ प॰ साध्नो
॰ति॰ साध्यति॰ इति कवि॰
षान्त्व॰ सामप्रयोगे॰ चु॰ सान्त्वय
ति शेषकार्ने दयालुः इति उ॰
षाम॰ सान्त्वने॰ चु॰ प॰ कौ॰ ॰
षिच॰ सेचनलेपनयोः तन्त्राभि
षेकेषु॰ अभिषेचति॰
षिवू॰ ऊ॰ सिवा॰ स्रावे॰ सेवति॰ सिवेते

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

षिञ्॰ वारणे॰ नु॰ उभ॰ कौ॰
षिञ्॰ बंधने॰ अ॰ क्र्या॰ उभ॰ सिनाति॰ सिनीते॰ सिनोति॰ सिनुते
इति दुर्गादासः
षिट॰ अनादरे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ सेटति खलं लोकः इति दुर्गादासः सिटति॰ इदित्
षिद॰ दैन्ये॰ उ॰ अइत्॰ दि॰ आ॰

षिधु॰ गत्यां॰ अ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ सेधति
षिधु॰ संराद्धौ॰ अ॰ उइत्॰ दि॰ प॰ सिध्यति
षिधू॰ शास्त्रे मांगल्ये च॰ उ॰ उइत्॰
भ्वा॰ प॰ सेधति
षिनु॰ सिंहने हीमोचे॰ कविक॰
षिभ॰ हिंसालापप्रकाशेषु॰ सेभति॰ कविक॰
षिम्भ॰ हिंसालापप्रकाशेषु॰ सिंभति॰ कविक॰

षिल॰ चयने॰ उञ्छे च॰ सिलति॰ सिलयति
षिवु॰ तन्तुसन्ताने॰ उ॰ उइत्॰
दि॰ प॰ सीव्यति वस्त्रं सौचकः
इति दुर्गादासः
षु॰ प्रसवैश्वर्ययोः॰ अ॰ अ॰ प॰ सौति
षु॰ प्रसवैश्वर्ययोः भ्वा॰ प॰ सवति
षुञ्॰ गतौ॰ सवति॰ सुषाव॰ सुषुवे॰
षुञ्॰ अभिषवे॰ अ॰ स्वा॰ उभ॰ सुनोति सुनुते॰
षुन्॰ संधानमंगलस्नानपीडाम
र्येषु॰ स्वा॰ उभ॰ कवि॰
षुट्ट॰ अनादरे अल्पीभावे च॰ सुट्टयति॰ कविकल्पद्रु॰
षुड॰ संवरणे॰ तु॰ प॰ कौ॰ सुडंभ॰ ले
षुम्भ॰ दीपनहिंसनयोः सुम्भति॰
षुर॰ दीप्त्यैश्वर्ययोः सुराति
षुह॰ सहने॰ शक्तौ च॰ उ॰ उइत्॰
दि॰ प॰ सुह्यति दुःखं मुनिः सहते
इत्यर्थः

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.
CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

षू॰ प्रेरणे॰ उ॰ तु॰ प॰ सुवति॰
षू॰ क्षेपे॰ सूयते॰ कविक॰
षूङ्॰ प्राणिगर्भविमोचने॰ उ॰ अ॰
॰भ्वा॰ सूते
षूङ्॰ प्राणिप्रसवे॰ उ॰ अइन॰ दि॰ आ॰
षूद॰ आस्रुतिमलमोक्षणे च॰ स्व
दते॰ आस्रुति रेतःकायः
षूद॰ क्षरणे॰ निरासे च॰ उ॰ अइन॰
भ्वा॰ आ॰ सूदते निरासो निः
क्षेपः
षूर॰ स्तम्भे हिंसायां च॰ सूर्यते॰ कवि॰
षूरा॰ आस्रुतिहल्लोनिर्गमे च॰ सूर
षूरी॰ हिंसास्तम्भयोः सूर्यते॰ कै॰ दि
षूर्क्ष॰ आदरे॰ उ॰ उइन॰ भ्वा॰ प॰ सूर्क्षति
षूर्ष्य॰ अनादरे॰ आदरे ईर्ष्यायां च॰ सूर्ष्यति॰
षृष॰ उन्दने॰ पूर्वे च॰ सृषति॰ कवि
षृभु॰ हिंसायां॰ सर्भति
षृम्भु॰ हिंसायां॰ सृम्भति

षेकृ॰ सर्पणे॰ सेकते॰ कविक॰
षेलृ॰ गतिकम्पनयोः सेलति लुङि
असिषेलत्
षेवृ॰ सेवने॰ उ॰ अइन॰ भ्वा॰ आ॰ सेवते
षै॰ क्षये॰ अ॰ भ्वा॰ प॰ सायति
षो॰ अन्तकर्मणि॰ अ॰ दि॰ प॰ स्यति
ष्टक॰ प्रतिघाते॰ उ॰ उइन॰ भ्वा॰ प॰
स्तकति
ष्टगे॰ संवरणे॰ उ॰ उइन॰ भ्वा॰ प॰ स्त
गति
ष्टन॰ शब्दे॰ उ॰ उइन॰ भ्वा॰ प॰ स्तन
ति॰ स्तनयति॰ स्तानयति॰ क॰
ष्टभि॰ प्रतिबन्धे॰ उ॰ अइन॰ भ्वा॰ आ॰
स्तंभते॰ स्तंभ्यते॰ कविक॰
ष्टम॰ वैक्लव्ये॰ चु॰ स्तमयति॰ क॰
ष्टम॰ अवैकल्ये॰ उ॰ उइन॰ भ्वा॰ प॰
स्तमति
ष्टल॰ गतौ॰ उ॰ उइन॰ भ्वा॰ प॰ स्तल
ति
ष्टिघ॰ आस्कन्दने॰ अ॰ स्वा॰ उभ॰ स्ति
घ्नोति॰ स्तिघ्नुते॰ न दीर्घः
ष्टिधृ॰ शुद्धे॰ अशोगत॰ ष्टिघ्नुते॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

ष्टिघ॑·तरणार्थः·उ·अइत्·भ्वा·आ·
स्तेघते
ष्ठिवु·निरसने·उ·उइत्·भ्वा·प·
ष्ठिवु·निरसने·उ·उइत्·दि·प·
ष्टिम·आर्द्रीभावेक्रीडायांचोद
नेच·उ·उइत्·दि·प·स्तिम्यति
ष्टीम·आर्द्रीभावेचोदनेलज्जायां
च·उ·उइत्·दि·प·स्तीम्यति
ष्टुच·प्रसादे·उ·अइत्·भ्वा·आ·
स्तोचते
ष्टुञ्·स्तुतौ·अ·अ· ·उभ·स्तौ
ति·स्तुते·स्तवीति·स्तवीते
ष्टुप·उच्छ्राये·स्तोपयति·
ष्टुभु·स्तंभे·उ·अइत्·भ्वा·उभ·स्तोभतिते
ष्टूप·समुच्छ्राये·राशीकरणे·चु·
स्तूपयति·
ष्टृह्·हिंसार्थः·स्तृहति·
ष्टृक्ष·गतौ·स्तृक्षति·
ष्टेप·समुच्छ्राये·चु·स्तेपयति
ष्टेप·क्षरणार्थः·उ·अइत्·भ्वा·
आ·स्तेपते

ष्टै·वेष्टने·स्तायति·शब्दकल्पद्रु
ष्ट्यै·शब्दसंघातयोः·वेष्टनेच·अ·
भ्वा·प·स्त्यायति·
ष्ठगे·आच्छादने·स्थगति
ष्ठल·स्थाने·उ·उइत्·भ्वा·प·स्थलति
ष्ठस्ह·निवासे·स्थस्यति
ष्ठा·गतिनिवृत्तौ·अ·भ्वा·उभ·तिष्ठति·ते
ष्ठिवु·निरसने·दि·प·ष्ठीव्यति
ष्ठिवु·निरसने·ष्ठीवति
ष्ठीवु·ष्ठीवने·ष्ठीवति
ष्णसु·ष्ठीवने·स्नस्यति
ष्णसु·निवासे·स्नसयति
ष्णा·शौचे·अ·अ· · ·प·स्नाति
गंगायांधीरःइतिकविकः·
ष्णिह्·ऌ·ऊ·प्रीतौ·उ·उइत्·दि·
प·स्निह्यति
ष्णिह्·स्नेहने·चु·स्नेहयतिवाणि
कानेस्नेन इतिदुर्गादासः

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

ष्णु॰ प्रस्रवणे·उ·अइन्·अ·प·स्नौति
ष्णुच॰ सेवने·शोधनेच·स्नोचते
क॰वि॰
ष्णुज॰ प्रस्रवणे·स्नौ·
ष्णुसु॰ अदननिरसनयोःआदा
नेच उ·उइन्·दि·प·स्नुस्यति
ष्णुह॰ ल॰ ऊ॰ उद्गिरणे·उद्गोच॰
उ·उइन्·दि·प·स्नुह्यति
ष्णै॰ आवरणे·परिवेष्टच·स्नायति
ष्णै॰ वेष्टने·स्नाययति·स्नायति
स्नापयति·क्रु॰
स्मिङ्॰ ईषद्धसने·उ·भ्वा·आ·स्मयते
स्मिङ्॰ अनादरे·चु·स्माययते·
ष्वक्क॰ गतौ·ष्वक्कते·
ष्वञ्ज॰ परिष्वंगे·अ·अइन्·भ्वा·आ·स्वजते·
ष्वजि॰ आलिंगने·भ्वा·आ·स्वंजते·
ष्वञ्ज॰ आलिंगने·स्वंजते
ष्वद॰ आस्वादने·भ्वा·आ·स्वदते·क
ष्वद॰ आस्वादने·चु·स्वादयति

ष्वप॰ ञिष्वपौ·शये·स्वपिति·लङि
अस्वपीत्·क·
ष्वष्क॰ गतौ·ष्वष्कते·
ष्विद॰ ञिष्विदा·स्वेदने·स्विद्यति
ष्विदू॰ स्नेहनमोहनस्नेहनमोचनेषु·
स्विद्यति

सग॰ आच्छादने·भ्वा·प·सगति
सगे॰ संवृत्तौ· सगति·
सघ॰ हिंसने·सघ्नोति लङि·असघ्नोत्
सङ्केत॰ आमंत्रणे· संकेतयति
संग्राम॰ युद्धे·चु·उभ·संग्रामयते
सञ्ज॰ गमने·सञ्जति
सट॰ भाकटे·चु·सटयति
सट्ट॰ हिंसायां·चु·सट्टयति
सठ॰ स्वतार्थःस्वतार्थःगतिसंस्कृ
ता संस्कृतिभावसमाप्तिः
साठयति·

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

सत्र॰ संबंधे॰ संतनौ॰ सन्तनोति नि
वीरहक्रियेति भट्टमल्लः सन्त
निर्विस्तारणमिति गोविंद
भट्टः सत्रयति॰ सत्रापयति
सपर॰ पूजायां॰ सपर्यति॰ कंड्वादिः
समाज॰ प्रीतिदर्शनसेवनेषु॰ स
माजयति
सम्ब॰ गतौ॰ योगे च॰ सम्बति सम्ब
यति शब्दक॰
सम्बर॰ संभरणे॰ कंड्वादिः
संस्यस॰ प्रस्नभावे॰ कंड्वादिः
सर॰ छद्मगतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
सरति
सर्ज॰ अर्जने॰ सर्जति धने लोकः
सर्व्व॰ गतौ॰ सर्व्वति
सस॰ निद्रायां॰ सस्ति
सस्ति॰ स्वप्ने॰ अ॰ प॰ कौ॰
कवि॰
सात॰ प्रकाशे॰ लङि॰ असमाटत्
साध॰ संपादने॰ साध्यति साध्नोति
वा वर्द्धकुलाल.

साध॰ ऊ॰ साधो॰ संसिद्धौ॰ भ्वा॰ प॰ के॰
सान्त्व॰ सान्त्वने॰ चु॰ क॰ सान्त्वयति
साम॰ सान्त्वप्रयोगे॰ चु॰ सामयति
साम्ब॰ संयोजने॰ चु॰ साम्बयति
सार॰ दौर्बल्ये॰ चु॰
दुर्गः॰
सिक॰ सेचने॰ सौत्रोधात्वयं॰ इति
सीक॰ स्पर्शनआपणयोः॰ सीकति॰
सीक्ष॰ छायाकरणे॰ सीकति॰
सु॰ गतौ॰ ऐश्वर्ये॰ प्रसवे च॰ सव
ति॰ दुर्गः॰ लिटि सुषाव
सुख॰ सुखक्रियायां॰ कंड्वादिः॰
सुखयति॰ चु॰
नाव
सुन्॰ गतौ॰ सुवने लिटि॰ सु
सुट्॰ नौ छो अनादरे च॰ सुट
यति॰
सुद॰ शोभायां॰ सौत्रोधा
त्वयं॰ सुंदरं॰ दुर्गादासः
सुभ॰ हिंसायां स्तनौ च॰ संभते
इति दुर्गादासः

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

सुर॰ दीप्यैश्वर्यप्रधानतासु·
सुरति· सुसोर· कवि·
सूङ्॰ प्राणिप्रसवे·दि·आ·कौ·सू
यते
सूच॰ पैशुन्ये·सूचयति·असू
सुचत्· दुर्गादा
सूत्र॰ वेष्टनेमोचनेच·चु·सूत्रयति
सूरी॰ हिंसायामालस्येच·सूर्यति·
सूर्क्ष॰ अनादरे·भ्वा·प·कौ· सूर्क्षति·
सूर्क्षति
सूर्क्ष्य॰ ईर्षायां·उ·उइत्·भ्वा·प·कौ·
सूष॰ उत्पादने·सूषति·कं· सूर्क्ष्यति
सृ॰ गतौ·सारयति·चु·
सृ॰ गतौ·आ·भ्वा·प·कौ·सरति
सृ॰ विसर्गे·अ·अइत्·दि·आ·
सृज॰ विसर्गे·अ·उइत्·तु·प·सृ
जति·
सृज॰ आह्लादने·स्वा·उभ·कौ·
सृप्लृ॰ गतौ·अ·उइत्·भ्वा·प·सर्प
ति·
सृभु॰ हिंसायां·सर्भति·ने·सृभि
ना·कं·
सृ॰ हिंसायां·सृणाति·

सेकृ॰ गत्यर्थः·उ·अइत्·भ्वा·आ·से
कते
सेलृ॰ चालगत्योः·चालः·कंपने·
भ्वा·प·सेलति
सेहृ॰ सेवने·सेवते·कवि·
स्कन्॰ आप्रवणे·भ्वा·प·कौ·
स्कदि॰ गतिशोषणयोः·उ·उइत्·भ्वा·
प·स्कन्दते·
स्कदि॰ आस्रवे·उद्धृतौ·उत्कुत्याग
त्याम्·कवि·स्कन्द्यते·
स्कंद॰ शोषणेगतौच·स्कंदयति·स्कं
दापयति अचस्कंदत·कवि·
स्कन्दिर्॰ शोषणेगतौच·स्कन्दति
स्कंध॰ रोधने·समाहृतौच·कं·स्कं
न्धयति·स्कन्धापयति·
स्कभि॰ प्रतिबंधे·उ·उइत्·भ्वा·प·
स्कम्भतेकवाटेनद्वारंलोकः
स्कभि॰ लम्भे·स्कम्भने स्कभ्नाति·स्क
भ्नोति इतिदुर्गादासः

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

स्कंभु॰ रोधनस्कंधार्थयोः क्र्या॰ स्कु॰ आप्रवणे संग्रहे उद्धरणे च॰ स्कुनौ नाति॰ स्कुनीते॰ स्कुनोति॰ स्कुनुते॰

स्कुदि॰ आप्रवणे उत्कूनो॰ उत्स्कुन्यगम्यां के॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰ स्कुन्दते॰

स्कुन्भु॰ आवरणे॰ स्कुभ्नाति॰ स्कुभ्नोति॰

स्कृञ्॰ आवरणे॰ स्व॰ क्र्या॰ उभ॰

स्खद॰ विदारे॰ चु॰ स्खदयति॰ उपसर्गात्स्यन्दवा शमयमफण इत्यादिना वा ह्रस्वः प्रस्खदयति प्रस्खादयति॰

स्खद॰ पराजये॰ भ्वा॰ आ॰ स्खदते॰

स्खल॰ स्खलने॰ संचलने च॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ प॰ स्खलति॰ स्खलयति॰ स्खालयति॰ कवि॰

स्तक॰ प्रतीघाते॰ स्तकति॰

स्तन॰ शब्दे॰ स्तनति मेघः इति कवि॰

स्तन॰ देवशब्दे॰ चु॰ स्तनयति॰ स्तनयति॰

स्तभि॰ स्तंभे॰ स्तंभते॰ स्तभ्यते॰ क॰

स्तंभु॰ रोधने॰ स्तभ्नाति॰ स्तभ्नोति॰ स्तंभित्वा॰ स्तब्ध्वा॰ इति दुर्गादासः सौत्रो धातुरयम्

स्तंभु॰ स्पर्शनेर्थे॰ स्तंभ्नाति॰ स्तुंभ्नोति॰

स्तूप॰ संग्रहे॰ स्तूपति॰ स्तूपयति॰

स्तूपि॰ उच्छ्राये॰ उच्छ्रायो राशीकरणं॰ स्तूप्यति॰ स्तूपयति॰ लुङि॰ अस्तूपत् अस्तूपीत्

स्तृ॰ रक्षाप्रीतिप्रीणनेषु॰ स्तृणोति॰ के॰

स्तृञ्॰ आच्छादने॰ उ॰ स्वा॰ उभ॰ स्तृणोति॰ स्तृणुते॰

स्तृहू॰ हिंसायां॰ स्तृहति

स्तृंहू॰ हिंसायां॰ स्तृंहति

स्तृहू॰ वधे॰ स्तृहति लुङि॰ अस्तर्हीत्॰ अस्तृहत्॰

स्तृ॰ गतौ॰ स्तरति॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

स्तृ॰ छादने॰ स्तृणाति॰ स्तृणीते॰
स्तेन॰ चौर्ये॰ चु॰ स्तेनयति
स्तेप॰ प्रक्षेपे॰ स्तेपयति॰
स्तोम॰ श्लाघायां॰ चु॰ स्तोमयति॰ ते
स्त्यै॰ शब्दसंघातयोः॰ भ्वा॰ प॰
स्त्यायति
स्थगे॰ संवरणे॰ स्थगति॰
स्थल॰ स्थितौ॰ स्थलयति॰
स्थुड॰ वारणे॰ वस्त्रपरिधाने॰ स्थुडति॰
स्थूल॰ परिबृंहणे॰ चु॰ स्थूलयति॰ ते॰
स्नसु॰ अदनाशनदाने॰ भ्वा॰ दि॰ प॰ कौ॰
स्निह॰ स्नेहने॰ स्नेहयति॰
स्नै॰ वेष्टने॰ भ्वा॰ प॰ कौ॰ स्नायति
स्पदि॰ किञ्चिच्चलने॰ ईषत्कंपे॰ अ
उदात्त॰ भ्वा॰ आ॰ स्पन्दते॰ स्प
न्दते इति कविकल्पद्रुमः
स्पर्द्ध॰ संघर्षे॰ संघर्षः॰ परीभवे
च्छा॰ भ्वा॰ आ॰ स्पर्द्धते वर्तितं
वली

स्पर्श॰ ग्रथबाधयोः॰ स्पर्शति॰ ते॰ चु॰
स्पर्श॰ ग्रहणे॰ श्लेषे च॰ चु॰ स्पर्शयति
स्पश॰ बाधनस्पर्शयोः॰ उ॰ स्वइत॰
भ्वा॰ उभ॰ स्पशति॰ ते
स्पस॰ ग्रहणसंश्लेषणयोः॰ चु॰
स्पासयति
स्पृ॰ प्रीतिपालनचलनेषु॰ स्व
स्वा॰ प॰ स्पृणोति
स्पृश॰ संस्पर्शने॰ तु॰ उइत॰ तु॰
प॰ स्पृशति
स्पृह॰ ईप्सायां॰ चु॰ स्पृहयति
स्फट॰ शीर्णौ स्फटति
स्फिट॰ स्फिटति
स्फुडि॰ परिहासे॰ स्फुडति स्फु
स्फुर॰ स्फूर्तौ॰ चलने च॰ ण्डति स्फुरति
स्फुल॰ चाले स्फूर्तौ च॰ स्फुलति
स्फायी॰ वृद्धौ॰ उ॰ अइत॰ भ्वा॰ आ॰
स्फायते॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

स्फिट॰ हृतिर्हिंसा:नादरेषु॰ स्फे
टयति॰ चु॰
स्फिट्ट॰ हृतिर्हिंसा:नादरेषु॰
स्फिट्टयति॰
स्फुट॰ विकसने॰ संवारणे॰ चल
नेच॰ उ॰ उइत॰ तु॰ प॰ स्फुटति
स्फुट॰ हिंसायामाङ् पूर्वः॰ आस्फो
टयति॰ कविक॰
स्फुट॰ भेदने॰ चु॰ स्फोटयति कं
टकः पदं
स्फुट॰ विकासे॰ स्फुटति केत
की कोरकः
स्फुट॰ विसरणे॰ स्फोटनेन व
कुच्मलानि कुटजप्रा
येषु हृत्तेक्षितिर्लायुं
स्फुटि॰ परीहासे॰ स्फुंटति स्फुं
टयति सखायं लोकः
स्फुटिर्॰ विशरणे॰ उ॰ उइत॰ भ्वा
प॰ स्फोटति

स्फुट्ट॰ अनादरे॰ चु॰ स्फुट्टयति
स्फुड॰ संवरणे॰ उ॰ उइत॰ तु॰ प॰
स्फुडति
स्फुडि॰ परिहासे॰ चु॰ स्फुंडयति
सखायं लोकः कविक॰
स्फुडि॰ परिहासे॰ स्फुंडति
स्फुडि॰ विकसने॰ स्फुंडते॰ स्फुं
डयते कवि॰
स्फुर॰ संचलने स्फुरणे च॰ उ॰ उइ
त॰ तु॰ प॰ स्फुरति
स्फुर॰ गतिहिंसाप्रकटेषु॰ स्फुरति
स्फुर्छा॰ विस्मृतौ॰ स्फुर्छति कथां
मद्यपः
स्फुर्छा॰ व्याप्तिविस्मृत्ययेषु॰
स्फुर्छति॰
स्फुर्ज॰ वज्रनिर्घोषे॰ स्फुर्जति
स्फुल॰ संचलने॰ हिंसास्फुरण
योश्च तु॰ प॰ स्फुलति

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

स्कुल॰ संचयेपीडागमनदर्शनस्खलनप्रकाशेषु॰ स्कुलति कविकः॰

स्फुर्ज्ज॰ ओस्फुर्जा॰ वज्रनिर्घोषे॰ स्फुर्जति

स्मिङ्॰ मन्दहास्ये॰ स्मापयते॰ स्मयते॰ शाब्दिकः॰

स्मिट॰ अनादरे॰ चु॰ स्मेटयति

स्मिह॰ स्नेहने॰ चु॰ कौ॰

स्मील॰ निमेषणे॰ स्मीलति

स्मृ॰ आध्याने॰ उत्कंठापूर्वकस्मरणे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ स्मरति

स्मृ॰ प्रीतिपालनयोः॰ अ॰ स्वा॰ प॰ स्मृणोति

स्यन॰ परामर्शे॰ स्यनयते

स्यन्दु॰ प्रस्रवणे॰ भ्वा॰ प॰ कौ॰

स्यन्दू॰ इतिकेचित्॰ स्यन्दतेक

स्यप॰ शब्दे॰ स्यपति॰

स्यम॰ वितर्के॰ स्यमते॰ स्यामयते॰ वा॰ लोकः पृष्ठं स्याएवेनेति दुर्गादासः

स्यम॰ ध्याने॰ चु॰ स्यमयति

स्यमु॰ ध्वनने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ उभ॰ स्यमति॰ ते॰ स्यामयति॰ ते॰

स्वकि॰ गत्यर्थः॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰ स्वंकते॰ स्वंकाते इति दुर्गादासः

स्वंसु॰ भ्रंशे॰ भ्वा॰ उभ॰ स्वंसति॰ ते

स्वंस्लु॰ प्रमादे॰ स्वंसते कविकः॰ लुङि॰ अस्वंसत् स्वंसित्वा स्वस्त्वा

स्वंत्लु॰ विश्वासे॰ स्वंतते प्रजोमानी॰ कविकः

स्वंतु॰ प्रमादे॰ स्वंतते धर्मेनीरः

स्वम्भु॰ विश्वासे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ आ॰ स्वंभते

स्विजू॰ बंधने॰ अ॰ स्वा॰ उभ॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

स्फिट॰ हतिहिंसानादरेषु॰ स्फे
टयति॰ चु॰
स्फिट॰ हतिहिंसानादरेषु॰
स्फिटयति॰
स्फुट॰ विकसने॰ संवरणे॰ चल
ने च॰ उ॰ उइत॰ नु॰ प॰ स्फुटति
स्फुट॰ हिंसायामाङ्पूर्वः आस्फो
टयति॰ कवि॰
स्फुट॰ भेदने॰ चु॰ स्फोटयति कुं
टकः पदं
स्फुट॰ विकासे॰ स्फुटति केत
की कोरकः
स्फुट॰ विसरणे॰ स्फोटन्ते नव
कुड्मलानि कुटजपा
येषु हन्ते क्षितिरुल्लायु
स्फुटि॰ परीहासे॰ स्फुंटति स्फुं
टयति सखायं लोकः
स्फुटिर॰ विशरणे॰ उ॰ उइत॰ भ्वा
प॰ स्फोटति

स्फुट्ट॰ अनादरे॰ चु॰ स्फुट्टयति
स्फुड॰ संवरणे॰ उ॰ उइत॰ नु॰ प॰
स्फुडति
स्फुडि॰ परिहासे॰ चु॰ स्फुंडयति
सखायं लोकः कवि॰
स्फुडि॰ परिहासे॰ स्फुंडते
स्फुडि॰ विकसने॰ स्फुंडते॰ स्फुं
डने कवि॰
स्फुर॰ संचलने स्फुर्जौ च॰ उ॰ उइ
त॰ नु॰ प॰ स्फुरति
स्फुर॰ गतिहिंसामाकटोषु॰ स्फुरति
स्फुर्छा॰ विस्मृतौ॰ स्फुर्छति कथां
मध्यपः
स्फुर्छा॰ आम्निविस्मृतिव्ययेषु॰
स्फुर्छति॰
स्फुर्ज॰ वज्रनिर्घोषे॰ स्फुर्जति
स्फुल॰ संचलने॰ हिंसास्फुरण
योश्च नु॰ प॰ स्फुलति

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

स्कुल॰ संचये पीड़ागमनदर्श
नस्खलनप्रकाशेषु॰
स्कुलति कविक॰
स्फुर्ज्ज॰ ओस्फुर्जा॰ वज्रनिर्घोषे॰
स्फूर्जति
स्मिङ्॰ मन्दहासे॰ स्माययते॰ स्म
यते॰ शाब्दिक॰
स्मिट॰ अनादरे॰ चु॰ स्मेटयति
स्मिहू॰ स्नेहने॰ चु॰ कौ॰
स्मील॰ निमेषणे॰ स्मीलति
स्मृ॰ आध्याने॰ उत्कंठापूर्वक
स्मरणे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
स्मरति
स्मृ॰ प्रीतिपालनयोः॰ अ॰ स्वा॰
प॰ स्मृणोति
स्यन॰ परामर्शे॰ स्यनयते
स्यन्दु॰ प्रस्रवणे॰ भ्वा॰ प॰ कौ॰
स्यन्दू॰ इति केचित्॰ स्यन्दते॰ क॰
स्यप॰ शब्दे॰ स्यपति॰

स्यम॰ वितर्के॰ स्यमते॰ स्यामय
ते॰ वा॰ लोकः पुरुषं स्या
मयतेनेति दुर्गादासः
स्यम॰ ध्याने॰ चु॰ स्यमयति
स्यमु॰ ध्वनने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ उ
भ॰ स्यमति॰ ते॰ स्यामय
ति॰ ते॰
स्रकि॰ गत्यर्थः॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰
आ॰ स्रंकते॰ स्रंकाते इति
दुर्गादासः
स्रंसु॰ भ्रंशे॰ भ्वा॰ उभ॰ स्रंसति॰ ते
स्रंसु॰ प्रमादे॰ स्रंसते कविक॰
लुङि॰ असस्रंसत् स्रंसित्वा
स्रस्त्वा
स्रंसु॰ विश्वासे॰ स्रंसते प्रश्रोमा
नरि॰ कविक॰
स्रंभु॰ प्रमादे॰ स्रंभते धर्मेनीरः
स्रम्भु॰ विश्वासे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ आ॰
स्रंभते
स्रिज्॰ बंधने॰ अ॰ स्वा॰ उभ॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

स्रिभु·हिंसायां·स्रेभति·कवि·
स्रिम्भु·हिंसायां·स्रिम्भति·क·
स्रिवु·शोषगतौच·स्रिव्यति·
स्रीव्यति·
स्रु·स्रुतौगतौच·स्रवतिइति
दुर्गादासः
स्रेकृ·गत्यर्थः स्रेकते
स्रै·पाके·स्रायति·कविक·
स्वगि·सर्पणे·स्वंगति·स्वंग्य
ने·कविक·
स्वठ·गतिसंस्कृतासंस्कृते
षु समाप्तसमाप्तेषु
स्वठयति· कविक·
स्वद·आस्वादने·स्वदते·श
ब्दकल्पद्रुमः
स्वन·शब्दे·उ·इन्·भ्वा·प·स
नति·चु·स्वनयति·श
ब्दकल्पद्रुमः

स्वन·तंसने·भूषणे·कर्णेरिश
ब्दैश्यमित्यर्थः·चु·स्वन
यति स्वानयति·
स्वर·आतेपे·चु·स्वरयति
स्वर्ज·दौर्भाग्ये·चु·स्वर्जयति
स्वर्द·आस्वादने·उ·अइन्·भ्वा·
आ· स्वर्दते·
स्वस्क·गत्यां·स्वस्कते·कवि·
स्वाद·आस्वादने·प्रीतौच·उ·
अइन्·भ्वा·आ·स्वाद
ति·ते·स्वादयति·
स्वूर्छा·विस्मृतौ·स्वूर्छति·क
थं मध्यपः इति दुर्गादा
स्वृ·शब्दोपतापयोः·अ·भ्वा·
प·स्वरति·
स्वृ·हिंसने·हिंसेपि·स्वृणाति·
स्वृणीते इति दुर्गादासः
स्वॄ·हिंसायां·स्वृणाति·स्वृणीते

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

हेड्॰ गतौ॰ हेकने॰ कविक॰

हृ॰ प्रसह्यकरणे॰ भ्र॰ ज्ञे॰ प॰
हृट॰ दीप्तौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ हृटति
हृठ॰ कीलबंधे बलात्कृतौ
सुतौ च॰ इति कवि॰ हृठति
कुगं कीले बध्नातीत्यर्थः
कातंत्रादि बलात्कारमात्रे
हृठति पाठ्च क्रंवली
हृठ॰ लुनिशाठत्ववाधासु॰ उ॰ उ
इत्॰ भ्वा॰ प
हृद॰ घ्रोपोत्सर्गे॰ भ्र॰ भ्रइत॰
भ्वा॰ भ्रा॰ हृदते॰
हृन॰ हिंसागत्योः॰ भ्र॰ उइत॰ भ्र
हृम॰ गतौ॰ उ॰ उइत॰ भ्वा॰ प॰ हृम्ति
हृम्म॰ गतौ॰ भ्वा॰ प॰ हृम्मति॰
हृय॰ गतौ ग्लानौ च॰ उ॰ उइत॰
भ्वा॰ प॰ हृयति॰

हृर्य॰ कांतिगत्योः॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰
प॰ हृर्यति॰
हृल॰ विलेखने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ हृलति॰
हृवि॰ प्रीणने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ हृन्वति
हृश॰ अलीके॰ भ्वा॰ प॰ कौ॰ हृशति
हृसे॰ हासे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ हृसति
हाक्॰ ओहाक्॰ जहाति॰ हायते॰
शब्दक्रविक॰
हाङ्॰ ओहाङ्॰ गतौ॰ जिहीते
हि॰ गतौ वृद्धौ च॰ भ्र॰ स्वा॰ उभ॰ हि
नोति॰ हिनुते॰
हिक्क॰ अव्यक्ते शब्दे॰ उ॰ स्वइत
भ्वा॰ उभ॰ हिक्कति॰ते
हिक्क॰ हिंसायां॰ चु॰ हिक्कयते॰
हिट॰ आक्रोशे॰ भ्वा॰ प॰ हेटति
हिडि॰ गत्यनादरयोः॰ उ॰ अइत
भ्वा॰ आ॰ हिंडते॰ हिलति
हिल॰ भावकरणे॰ उ॰ उइत॰ तु॰ प

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

हिल्लोल· दोलने· हिल्लोलतेल
हिवि· प्रीतौ· हिन्वते· नंवाद्य
हैन्वति· कवि·
हिष्क· हिंसायां· भ्वा· प· कौ·
हिसि· हिंसायां· चु· हिंसयति
हिनस्ति· कविक·
हिसि· हिंसायां· उ· उइन· ल· प·
हिंसति·
हु· दानादनयोः· आदाने च·
श्र· जु· प· क· जुहोति·
हुड· संघाते· ल· प· हुडति·
हुडि· राशीकरणे· हुंडते· ने·
हुंडते· जुहोड· क·
हुडि· हारणवारण संघातेषु·
भ्वा· आ· कौ·
हुडृ· गतौ· संघे· उ· उइन· भ्वा·
·उभ· होडति· ने·
हूडृ· गतौ· हूडति· ने·

हुर्छा· कौटिल्ये· उ· उइन· भ्वा· प·
हुर्छति
हुल· हिंसावरणयोः· उ· उइन·
भ्वा· प· होलति
हृ· प्रसह्यकरणे· बलात्कारे· ज
प· जहार निर्यथ संस्तुतिं
उगोद·
हृञ्· हरणे· हरणं देशाद्देशान्त
रप्रापणम्· उ· भ्वा· उभ· ह
रति· ने· गां वने गोपः इति
उगादासः
हृणीङ्· रोषे लज्जायां च· हृणीय
ते· कंड्वादिः
हेट· भूतप्रादुर्भावे· भ्वा· प· कौ·
हेठ· भ्वा· आ· विबाधायां· हेठते
हृषिर्· हर्षे· हृष्यति लोकः लुङि·
अहृषत्· अहर्षीत्
हृषु· हर्षे· हृष्टि जोषादः हृ
र्षति लोकः हृष्यताम् इत्युगा

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

हृषु॰ अलीके॰ मिथ्याकरणे॰ हृष्यति कथं नीचः मिथ्याकरोतीत्यर्थः

हेठ॰ बाधायां॰ हेठते॰

हेठृ॰ बाधायां॰ हेठति शब्दक॰

हेडृ॰ अनादरे॰ आवरणे च॰ भ्वा॰ आ॰ कौ॰ हेडते॰ ते॰ जिहेडे॰

हेडृ॰ गतौ॰ अनादरे च॰ हेडते॰ जिहेडे॰

हेठ॰ भूतौ॰ हेठ्णाति॰

हेषृ॰ अश्वानां शब्दे॰ हेषति अश्वः

हेषृ॰ अव्यक्त शब्दे॰ हेषति॰ ते॰

होडृ॰ अनादरे॰ भ्वा॰ प॰ कौ॰

होडृ॰ गतौ॰ उ॰ उदन्त॰ भ्वा॰ उभ॰ होडति॰ ते॰

हौडृ॰ गतौ॰ अनादरे च॰ हौडति॰ कः॰

ह्नु॰ चौर्ये॰ ह्नुते॰ क

ह्नुङ्॰ अपनयने॰ अ॰ अ॰ आ॰

ह्मल॰ चलने॰ उ॰ उदन्त॰ भ्वा॰ प॰ ह्मलति॰ ह्मलयति॰

ह्रगे॰ संवरणे॰ उ॰ उदन्त॰ भ्वा॰ प॰ ह्रगति

ह्लप॰ भाषणे॰ ह्लापयति॰ इत्येके॰

ह्लसे॰ शब्दे॰ उ॰ उदन्त॰ भ्वा॰ प॰ ह्लसति

ह्राद॰ अव्यक्ते शब्दे॰ उ॰ अदन्त॰ भ्वा॰ आ॰ ह्रादते

ह्री॰ लज्जायां॰ जु॰ प॰ जिह्रेति

ह्रीछ॰ लज्जायां॰ उ॰ उदन्त॰ भ्वा॰ प॰ ह्रीच्छति

ह्रीषृ॰ हकशब्दे॰ भ्वा॰ आ॰ कौ॰

ह्रुडृ॰ संवरणे॰ ह्रुडते॰ ह्रोडते॰ क॰

ह्रूडृ॰ गतौ॰ लिटि अजुह्रूडत॰ अजुह्रोडत्

ह्रेषृ॰ गतौ॰ ह्रेषते॰ क॰

ह्रेषृ॰ सर्पणे॰ अव्यक्त शब्दे॰ अश्वशब्दे च॰ ह्रेषते॰ जिह्रेषे

ह्रौडृ॰ गतौ ह्रौडते

ह्लगे॰ आच्छादने॰ संवरणे च॰ ह्लगति॰ भ्वा॰ प॰ कौ॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

ह्लग॰ संवरणे॰ चु॰ प॰ ह्लगयति
ह्लस॰ शब्दे॰ भ्वा॰ प॰ कौ॰ ह्लसति
ह्लसयति॰
ह्लादी॰ हर्षे॰ स्वनेच॰ उ॰ अइत्
भ्वा॰ आ॰ ह्लादते॰ चंद्रनो
गांग्रवलात्स ह्लादनेमनः
इतिकिराते॰
ह्वल॰ संचलने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
ह्वलति॰ ह्वलयति॰ क॰ ह्वा
लयति
ह्वृ॰ बंधने॰ कौटिल्येच॰ ह्वरति
ह्वेञ्॰ स्पर्द्धायां॰ शब्देच॰ स्पर्द्धा
पराभवेच्छा॰ इतिवोपदे
वः॰ उ॰ भ्वा॰ उभ॰ ह्वयति॰ ते॰
महोमहल्लमभिभवित्तु
मिच्छति लाविकः॰

ळज॰ दाने॰ गतौच॰ ळज्जते॰ ळज
ति॰ कविक॰
ळज॰ दाने॰ गतौच॰ चु॰ उभ॰ ळज
यति॰ ते॰
ळजि॰ कुत्सजीवने॰ भ्वा॰ उभ॰
कौ॰ ळञ्जति॰ ते॰ चु॰ ळं
ळजि॰ कुत्सजीवने॰ (जयति॰
उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ ळञ्ज
नेइतिकविकल्पद्रुमः
ळण॰ गतौ॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
ळणु॰ हिंसायां॰ उ॰ उइत्॰ त॰ उभ॰
क॰ ळणोति॰ ळणुते॰
ळट॰ संहतौ॰ भक्षणेच॰ ळटति
ळप॰ लेपे॰ पेषणमपलेपयोश्च
चु॰ ळपयति॰
ळपि॰ लज्जायां॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
ळपि॰ तांतौ॰ चु॰ प॰ कौ॰ ळंपयति
ळपि॰ शब्दे॰ भ्वा॰ प॰ कौ॰ ळंपति

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

तप॰ आलोचने॰ कौ॰
तम्भु॰ षितम्भु॰ तमायां॰ तमते॰ तम्भते
तम्भूष॰ षितम्भूष॰ सहने॰ उ॰ अइत्॰
भ्वा॰ आ॰ तमते॰
तम्भूष॰ सहने॰ उ॰ उइत्॰ दि॰ प॰ ताम्यति
तार॰ संचलने॰ संचलनमिहमोचनं
स्खलनं च॰ तारति
तल॰ गमनकंपनयोः भ्वा॰ प॰ तलति
तल॰ शौचकर्म्मणि॰ शौचमिह मूत्र
कालं चु॰ प॰ कौ॰ तालयति
तल॰ शौचकर्म्मणि॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
तिलि॰ तथैस्वर्ण्ययोः उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ उभ॰
ति॰ निवासगत्योः अ॰ तु॰ प॰ तयति॰ ते॰ तियति
तिलि॰ वधे॰ तिलोति॰ तिलुते॰ कविक॰
तिलु॰ हिंसायां॰ उ॰ स्वइत्॰ त॰ उभ॰
तिलु॰ हिंसायां॰ तिलोति॰ तिलुते॰ ते
लोति॰ तेलते इति शब्दकल्प॰
तिद॰ दैन्ये अमकटे शब्दे च॰ तिदति॰
तेदति॰ इति शब्दक॰
तिप॰ ओतिप॰ क्षरणे॰ उ॰ उइत्॰ दि॰ प॰ तिप्यति
तिप॰ ओतिपन्॰ क्षरणे॰ उ॰ स्वइत्॰ तु॰
उभ॰ तिपति॰ ते॰

तिवु॰ निरासे॰ तीव्यति
तिवु॰ निरासे॰ निरासमिह कुत्कारः
इति महाभट्टः अबेन श्लेष्मादे
र्मनमिति केचित् तेवति॰ ते॰ के॰
तीद्रये॰ तयति॰ ते॰
तीज॰ अव्यक्ते शब्दे॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰
तीजति सर्वेदोजनः उक्तंदाराः
तीन्॰ हिंसायां॰ तयति॰ तयते॰ क॰
तीट॰ तेपे॰ चु॰ प॰ कौ॰
तीव्॰ निरसने॰ उ॰ उइत्॰ भ्वा॰ प॰ तीवति
तीवृ॰ मदे॰ मत्तीभावे॰ उ॰ ऋइत्॰ भ्वा॰
आ॰ तीवते॰ मद्यपः के॰
तीवु॰ निरसने॰ अन्तस्थोपधः तीवति
तीच॰ हिंसायां॰ अ॰ क्रा॰ प॰
तु॰ तुत्ते॰ तुत्ते॰ तौतिकर्णो॰ पीनसो
तुडि॰ संवाने॰ उ॰ अइत्॰ भ्वा॰ आ॰
तुदिर्॰ ओतुदिर्॰ संपेषणे संपेषणे च
रु॰ उभ॰ तुदति॰ तुदते
तुधू॰ ओतुधू॰ विभुतायां॰ अ॰ उइत्
दि॰ प॰ तुध्यति॰
तुभ॰ संचलने॰ उ॰ सइत्॰ भ्वा॰ उभं॰ तोभति॰ ते
तुभ॰ संचलने॰ उ॰ उइत्॰ दि॰ प॰ तुभ्यति

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

क्षुभ· संचलने· क्र्या· प· क्षुभ्नाति
क्षुर· विलेखने· उ· उइत्· तु· प· क्षुरति
क्षेउ· भोजने· चु· क्षेउयति
क्षेवु· निरसने· क्षेवति
क्षै· क्षये· भ्वा· प· क्षायति
क्षो· तने· उ· उइत्· क्र्या· प·
क्षो· तये· चु·
क्षोद· रोषे· क्र्या· प्र· कविक·
क्ष्णु· तेजने· उ· अ· प· क्ष्णोति
क्ष्मा· कंपने क्ष्मायते· क·
क्ष्मायी· विधूनने· उ· अइत्· भ्वा· आ· क्ष्मायते
क्ष्मील· उन्मेषणे निमेषणे च· उ· उइत्· भ्वा· प· क्ष्मीलति
क्ष्विदू· स्नेहमोचनयोः भ्वा· आ· क्ष्वेदते
क्ष्विद· ञिक्ष्विदा· कूजने· क्ष्वेदति क्ष्विद्यति
क्ष्वेल· चलने· उ· उइत्· भ्वा· प· क्ष्वेलति

त्रकि· गतौ· उ· उइत्· भ्वा· आ· त्रंकते·
त्रंकते इति दुर्गादासः
त्रखि· गतौ· त्रंखति
त्रगि· गतौ· त्रंगति
त्रदि· चेष्टायां· उ· उइत्· भ्वा· प· त्रंदति

त्रपूष्· लज्जायां· उ· अइत्· भ्वा· उभ· त्रपति· ते· चु· त्रपयति त्रापयति
त्रपी· शब्दे· भ्वा· प· कौ·
त्रस· धारणे· ग्रहे निषेधे च· त्रासयति
संगव्याधः वधति गृह्णाति निराकरोति वा इत्यर्थः इति दुर्गादासः
त्रसि· उद्वेगे· भ्वासिच· त्रंसति त्रंसयति
त्रंस्यते· इति दुर्गादासः
त्रसि· रक्षणे· चु· त्रसयति· कौ·
त्रसी· उद्वेगे· उ· उइत्· दि· प· त्रस्यति
त्रसति· इति शाब्दिक·
त्रा· रक्षणे· त्राति क·
त्रिखि· गतौ· त्रिंखति
त्रुट· छेदने· चु· त्रोटयते
त्रुट· छेदने· दि· प· त्रुट्यति
त्रुट· छेदने· तु· प· त्रुटति
त्रुड· संवरणे· तु· प· कौ·
त्रुप· वधे· भ्वा· प· त्रोपति
त्रुफ· वधे· त्रोफति
त्रुम्प· वधे· त्रुम्पति
त्रुम्फ· वधे· त्रुम्फति
त्रौकृ· गतौ· भ्वा· आ· त्रौकते

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

तप॰ तप्तौ· तपिर्मारणे लोकविश्रा
णे नोपधा स्वति·उ·तपयति
ज्ञा॰ अवबोधने·अ·श्ना·उ·जानाति·
जानीते·

ज्ञा॰ मारणे आलोचने निशाने तोष
णे स्तुतौ च· ज्ञपयति·
ज्ञा॰ प्रेरणे· प्रेरणमिह नियोजनम्
ज्ञापयति भृत्यं स्वामी नियुङ्क्ते को
नीत्यर्थः इति दुर्गादासः

अथ परिशिष्टकंड्वादयो धातवो लिख्यन्ते

अगद॰ नीरोगत्वे
अपर॰
अस्वर॰ संभरणे
अवर॰ आराकर्मणि
अवर॰
असु॰ } असूयति
असू॰ } उपतापे·
असूञ॰ असूयति·ते·
आर॰
इरज॰ इरज्यति
इरज॰ ईर्ष्यायाम्
इरस॰ ईर्ष्यति स्वतिचेति दीर्घः
इरस्यति
इला॰ विलासे
इषुध॰ शराधारणे· र्थः
उरस॰ बलार्थः बलवान्भवतीत्य

उषस॰ प्रभातीभावे· उषस्यति
एला॰ विलासे·
कण्डूञ्॰ गात्रविघर्षणे· कंडूयति·ते·
कुषुभ॰ क्षेपे· कुषुभ्यति
केला॰ विलासे·
गद्गद॰ वाक्स्खलने· विलासे इत्येके
चरण॰ गतौ
चरम॰
चुरण॰ चौर्ये·
तन्तस॰ दुःखे
तरण॰ गतौ·
तिरस॰ अन्तर्धौ
तुरण॰ त्वरायाम् नीत्यर्थः
दुःख॰ दुःखे· दुःखति दुःखमनुभव
दुवस॰

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

उवखउ॰ संदीपने सिद्धमतः स्नि
धाग्निं उवस्यने इत्यादिना साधुः
दुवस॰ परितापपरिचारणयोः
नमस॰ नमस्कारे नमस्यति॰ते॰
पंपस॰ उः खे
मालविशेष
पयस॰ प्रसृतौ॰ प्रसृतौ रन्नपरि
भिलज॰
भिषज॰ चिकित्सायाम्॰ भिषज्यति
भिष्णउज॰ उपसेवायाम्

भिल॰ मगध्यति
मगध॰ परिवेष्टने॰ नीचदास्ये इत्यन्ये
मन्तूज॰ अपराधे॰ मन्तूयति॰ते
महीङ॰ पूजायाम्॰ महीयते॰
मह्लीङ॰ ति॰ लोटि॰ लेटिना
लेट॰ धौर्त्ये॰ पूर्वभावे स्वप्ने च॰ लेट्य
लेला॰ दीप्तौ॰
गोला॰ इत्यादयः॥
आकृतिगणोयम् इतिपरिशिष्टकं

अक्रान्तिः सरणं॰ ष्ठीवनम्
अन्तकर्म॰ नाशनम्
अतिसर्जनं॰ दानम्
अन्विच्छा॰ अन्वेषणम्
अप्रगल्भीभावः शोकः
अभिवादनं॰ प्रणतिपूर्वं
अभिभवः जयो न्यूनीकरणं
अभिशब्दार्थः चंटाघोषः स्त्रीभ वनेवा
अभिषवः अवयवानां शिथि
लीकरणं सुरासंधानं वा स्ना
अभियोगः समाधानं नेवा
अवकल्कनं॰ मिश्रीकरणं॰ चि
न्तनेवा
अवस्पन्दनं॰ नाटयम्
अवसादनं॰ नाशनम् पीडा

अविशब्दनं॰ प्रतिज्ञानम्
अविशब्दार्थः घोषणम्
अशब्दः तूष्णीभावः
असनं॰ प्रक्षेपणम्
असर्वोपयोगः न्यूनता
णंच
आस्रवणं॰ प्रस्रवनमुद्गर
आस्रवनं॰ अनुत्पगमनं
आध्मानं॰ धमनमुदरविकृ
आध्मानं॰ शुष्कंठाह्वंकय
सरणं
आपीतत्वं॰ पीनत्वं स्पर्शयोवा
आधार्ष्ट्यं॰ क्लीवता॰ भीतिः
आयामो॰ विस्तारः
आलापः कथनम्

शब्दकरणं
आक्रन्दनं॰ अभियोगः भीत्या
उंछः॰ कणश आदानम्
उत्क्रोशः॰ उच्चैः शब्दकरणं
उत्क्रोशः॰ पीडा
उत्साहः॰ वृद्धिः औद्धत्यं च
उंदः उंदनं॰ चार्द्रीकरणम्
उद्गिरणं॰ वमनम्
उन्मथनं॰ क्वाथनम्
उपघातः॰ ताडनम्
उपतापः॰ रोगः
उपदेहः॰ वृद्धिः
उपलम्भः॰ नाशः
उपधारणं॰ मभ्यासः

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

एकचर्या॰ रहसि स्थितिः
कथनं॰ निस्सारं स्रावनं
करणं॰ कृधातोरर्थः
कल्कनं॰ दंभः शाठ्यं च
कान्तिः॰ इच्छा दीप्तिश्च
कामः॰ इच्छा
कुत्सितः शब्दः॰ कौतः शुद्र रवोपि
कौटिल्यं॰ मध्यस्मरणं शाठ्यं च
क्लेदनं॰ आर्द्रीकरणम्
खदनं॰ हिंसा स्थैर्यं च
गत्याक्षेपः॰ वक्रगतिः निंदा वा
गात्रमर्दनं॰ प्रस्वेदोद्गमः
गात्रविनामः॰ जृंभाग्रहणं
गार्ध्यं॰ आकांक्षा
ग्रंथनं॰ मालादिरचनं गुंफनं
ग्रहणं॰ निगरणमपि
ग्लपनं॰ ग्लेपनं च दैन्यं
घनत्वं॰ सघनता सांद्रता
घातनं॰ नैष्ठुर्यकरणमपि
घोरवासितं॰ पक्षिमृगादिशब्दः
चकार्थः॰ रतिः
तनूकरणं॰ सूक्ष्मकरणं च
तोदनं॰ हिंसनं दारणं दुःखं च

त्वचनं॰ संवरणं त्वचो ग्रहणं पत्रपरिग्रहो वा
दंदशूकः॰ दंशनं दंतैः कर्तनं च
देवनं॰ रोदनम् क्रीडा च
निकेतनं॰ निवासो निमंत्रणं
निमेषणं॰ संकोचनं
निशानं॰ तीक्ष्णीकरणं
निशामनं॰ सादरमवलोकनं परिचितदर्शनं
निष्कर्षः॰ निष्कोषणं
निष्कोषणं॰ अंतर्गतस्य व
नीचैर्गतिः॰ मंदगतिः अप्रत व्यवहारश्च
न्यक्करणं॰ तिरस्कारः
पद्यर्थः॰ पद्धातोर्गमनमर्थः
पवनं॰ पवित्रता
परप्रेष्यः॰ दासवदाज्ञाकारी
परिकल्कनं॰ दंभः शाठ्यं च
परितक्रणं॰ प्रहारः
परितर्कणं॰ ऊहः हिंसा च
परिदेवनं॰ विलापः रोदनं
परिवेदनं॰ विलापः
परिष्वंगः॰ आलिंगनं
परिहासः॰ स्वर्निंदोपालंभः
पिंडं॰ भक्तविशदीकरणं

पिशुनत्वं॰ पिशुनता
पौनःपुन्यं॰ भृशार्थः आभीक्ष्ण्यं वा
प्रमोकं॰ प्रतिज्ञा
प्रजनः॰ गर्भग्रहणं
प्रतिदानं॰ विनिमयः प्रत्यर्पणं
प्रतिबंधः॰ रोधनम्
प्रतिष्टंभः॰ रोधनम्
प्रसवः॰ अभ्यनुज्ञानं
प्रह्वत्वं॰ प्रणामः
प्राणनं॰ विश्वासः
प्रीणनं॰ परितोषः तर्पणं
प्लवगतिः॰ प्लुतगतिः
बीजसंतानं॰ गर्भाधानं
बृंहितं॰ करिगर्जितं गजशब्दः
भषणं॰ श्वरवः
भर्त्सनं॰ स्वरवः तिरस्कारश्च
भसनं॰ दीप्तिकारवः
भस्मार्थः॰ भसधातोः भर्त्सनं प्रकाशरूपश्चार्थः
भावकरणं॰ अभिप्रायाविष्कारः
भूतप्रादुर्भावः॰ प्रतिसंतोषः
मंडनं॰ भूषितकरणं
मनस्तंभः॰ चित्तैकाग्र्यम्
मर्षणं॰ दुःखसहनं

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

मार्जनं· शुद्धिः अगमैवच
मोहनं· गर्वोपि
म्रक्षणं· संग्रहः लेपनंच
म्लक्षणं· दुर्गंधे· मिश्रणेच
म्लेच्छनं· मपशब्दः
यमसंध्याकं· शौचं
रक्ताविशरणं· रुग्णता
रूपक्रिया· रूपस्यकरणंद शनंवा
रेषणं· हिंसा
लवणं· चिह्नं·
लोठनं· प्रतिघातः
लौल्यं· मरंकारस्यापहरंचे
वरणं· स्वीकारः
वर्णो· रंजनम् रूपंस्वभाव
वर्णक्रिया· स्तुतिः दर्शने
वाचिवासिनं· काकमंडूकादि ध्वनिवदल्पेहृजनंवा
विज्ञंति· याचकः
विक्लवो· विहलीभावः
विनाशः· अंशा हरिः शैली
विश्रमः· समाप्तिः
विभावितोमर्त्यो· विचारे विभागिनः उत्पादी शोधकः

विशरणं· विस्तारः द्वैधीकरणंच
विश्राणं· दानम्
वैक्लव्यं· विह्वलीभाव
वैचित्यं· अविवेकः
शक्तिबंधनं· भजनसाम
शब्दकुत्सा· निंदितःशब्दः
शब्दार्थः· शब्दपदार्थः
शातनं· कर्त्तनम्
शास्त्रं· शासनमपि
श्राद्धा· अविद्यमानगुण संबंधतापनम्
श्लेषणं· दुर्गंधः
संख्यानं· गणना
संघर्षः परामिभवेच्छा
संघातः ग्रंथः समूहः नाशेच
संचेतनं· स्मारणम्
संततिः विस्तारः
संतर्जनं· दानम्
संतानः प्रबंधः
संदर्भणं· गुंफनम्
संपर्चनं· मिलापः
संभक्तिः विभागः

समवायः· संबंधः
समाधिः योगादिनामनोरोधः
समुच्छ्रायः उत्थापनम्
संराधिः सिद्धिः
संशब्दनं· कर्त्तनम्
संसिद्धिः पूर्णता
संस्थानं· सामीप्यं संस्थानः संग्रहश्च
स्खलनं· हर्षः
स्खदनं· विद्रावणं
स्नेयः स्नेपनम् चौर्यंच
स्पर्धा· पराभवेच्छा
स्पर्शनं· ग्रंथनम्
हरणं· स्वीकारः स्नेयंनाशनं· मापणंवा
हर्षतयो· धान्तयः ग्लानिश्च
हिक्कनं· मव्यक्तःशब्दः
हूर्छनं· धूर्त्तनाहृकशब्दश्च· हृकोव्याघ्रः
ह्वरणं· कौटिल्यं
त्राणं· मभिरक्षणम्
त्वेपः प्रक्षेपः
ह्रादः· चूर्णनम् ॥

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

मार्जनं·शुद्धिः न्यगमावस्यु
मोहनं·गर्वोपि
म्रक्षणं·संग्रहः लेपनंच
म्रक्षणं·दुर्गंधे·मिश्रणेच
म्लेच्छनं·मपशब्दः
राभस्यं·वद्धधारंभःशैघ्र्यं
रुजाविशरणं·रुग्णता
रूपक्रिया·रूपस्यकरणंदर्शनंवा
रेषणं·हिंसा
लवणं·चिह्नं·
लोठनं·प्रतिघातः
लौल्य·मर्हंकारश्चापलंच
वरणं·स्वीकारः
वर्णो·रंजनम् स्तुतिर्गुणाव
वर्णक्रिया·स्तुतिः·दर्शने
वारिवासितं·काकमंडूकादि ध्वनिद [illegible] जनंवा
विकंपितः·प्राक्रमः
विक्लवो·विह्वलीभावः
वि[illegible]ः·ग्रंथ [illegible]·शैथि[illegible]
वि[illegible]भ्रमः·सम्भ्रमः
वि[illegible]चितोमथेवो·विचारे [illegible]विभाक्तः [illegible] बोधकः

विशरणं·विस्तारः द्वैधीकरणंच
विश्राणं·दानम्
वैक्लव्यं·विह्वलीभाव
वैचित्त्यं·अविवेकः
शक्तिबंधनं·भजनसाम
शब्दकुत्सा·निंदितःशब्दः
शब्दार्थः·शब्दएवअर्थः
शातनं·कर्तनम्
शास्त्रं·शासनमपि
श्लाघा·अविद्यमानगुण संबंधख्यापनम्
श्लेषणं·दुर्गंधः
संख्यानं·गणना
संघर्षः·पराभिभवेच्छा
संघातःग्रंथःसमूहःताडनंच
संचेतनं·स्मारणम्
संततिः·विस्तारः
संतर्जनं·दानम्
संतानः·प्रबंधः
संदर्भणं·गुंफनम्
संपर्चनं·मिलापः
संभक्तिः·विभागः

समवायः·संबंधः
समाधिः·योगादिनामनो [illegible]
समुच्छ्रायः·उन्नायनम्
संराधिः·सिद्धिः
संशब्दनं·कर्तनम्
संसिद्धिः·पूर्णता
संस्थानं·सामीप्यंसंचयः
स्तवनं·हर्षः संग्रहश्च
स्वदनं·विद्रावणं
स्तेयः·स्तेपनम् चौर्यंच
स्पर्धा·पराभवेच्छा
स्पर्शनं·ग्रंथनम्
हरणं·स्वीकारःस्तेयंनाशनं·मापणंवा
हर्षलयो·धातुलयःग्लानिश्च
हिक्कनं·मव्यक्तःशब्दः
हूर्छनं·धूर्जनाहूकशब्दश्च·हूंकोव्याघ्रः
ह्वरणं·कौटिल्यं
त्राणं·नमिस्रवणम्
क्षेपः·प्रक्षेपः
क्षोदः·चूर्णनम् ॥

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE
२००

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

This book was taken from the library on the date last stamped. A fine of one anna will be charged for each day the book is kept overdue

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust

within one
month of its issue. It may
be reissued for fifteen days,
if not requisitioned by
another member. Members
residing outside Srinagar
may return books within
forty days of their issue.

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE